मेरी भाषा मेरी पहचान

(हिंदी व्याकरण)

शिक्षक-संदर्शिका

(कक्षा-1 से 5 के लिए)

मैक्स एजुकेशनल पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड

मुख्य कार्यालय : एल-52, विजय विहार, फेस-2, सेक्टर-4, रोहिणी, दिल्ली-110085
कार्यालय : डी-16/293, सेक्टर-7, रोहिणी, दिल्ली-110085
फ़ोन : 9891303888, 9212303888, 8929283707, 8929283708

प्रकाशक :
विक्रम गुप्ता

मैक्स एजुकेशनल पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड

मुख्य कार्यालय : एल-52, विजय विहार, फेस-2, सेक्टर-4, रोहिणी, दिल्ली-110085
कार्यालय : डी-16/293, सेक्टर-7, रोहिणी, दिल्ली-110085
दूरभाष : 9891303888, 9212303888, 8929283707, 8929283708
ई-मेल : info@maxeducationalpublishers.com
वेबसाइट : www.maxeducationalpublishers.com

प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक के किसी भाग को छापना तथा इलेक्ट्रॉनिकी, मशीनी, फ़ोटोप्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुनः प्रयोग व प्रसारण वर्जित है।

Disclaimer :

Every effort has been made to avoid errors or omissions in this publication. In spite of this, some errors might have crept in. Any mistake, error or discrepancy noted may be brought to our notice which shall be taken care of in the next edition. It is notified that neither the publisher nor the author or seller will be responsible for any damage or loss of action to any one, of any kind, in any manner, therefrom.

For binding mistakes, misprints or for missing pages, etc., the publisher's liability is limited to replacement within one month of purchase by similar edition. All expenses in this connection are to be borne by the purchaser.

All disputes are subject to Delhi Jurisdiction only.

Layout & Designed : Pahuja Graphix

मुद्रक : .....

विषय-सूची

1. मेरी भाषा मेरी पहचान, भाग-1 3–12
2. मेरी भाषा मेरी पहचान, भाग-2 13–26
3. मेरी भाषा मेरी पहचान, भाग-3 27–54
4. मेरी भाषा मेरी पहचान, भाग-4 55–90
5. मेरी भाषा मेरी पहचान, भाग-5 91–131

मेरी भाषा मेरी पहचान, भाग-1

1. भाषा

बोलने की बारी

- बातचीत करना भाषा का मौखिक रूप है।
- हम अपने घर में मातृभाषा और हिंदी बोलते हैं।
- पुस्तक में लिखी बात को हम पढ़कर समझते हैं।

लिखने की बारी

1. (क) लिखित (ख) मौखिक (ग) लिखित
   (घ) मौखिक (ङ) मौखिक
2. (क) दो (ख) पढ़ता है
   (ग) पढ़ते हैं (घ) सुनते हैं

सोचने की बारी

- छात्र स्वयं सोचकर बताएँगे।
- छात्र इशारे से, हाव-भाव के साथ अपनी बात बताएँगे।

2. वर्ण तथा वर्णमाला

बोलने की बारी

- वर्ण को 'अक्षर' के नाम से जाना जाता है।
- वर्ण को स्वर और व्यंजन दो भागों में बाँटा गया है।
- वर्णों के व्यवस्थित समूह को 'वर्णमाला' कहते हैं।

लिखने की बारी

1. स्वर–अ, आ, इ, ई, उ व्यंजन–क, ख, ग, घ, ङ
2. सड़क, लड़की, बढ़ई, पढ़ना, चढ़ना

सोचने की बारी

- तेज़ हवा चलने पर साँय-साँय की आवाज़ आती है।
- दरवाज़ा खटखटाने पर खटखट की आवाज़ आती है।

3. स्वरों के चिह्न (मात्राएँ)

बोलने की बारी

- स्वर का छोटा रूप ही स्वर की मात्रा कहलाता है।
- 'र' में 'उ' तथा 'ऊ' की मात्रा बीच में लगती है।
- चंद्रबिंदु को अनुनासिक के नाम से जाना जाता है।

लिखने की बारी

1. आ – ा – राम, इ – ि – किरण, ई – ी – कील,
   उ – ु – सुमन, ऊ – ू – फूल, ऋ – ृ – कृषक,
   ए – े – ऐनक, ऐ – ै – पैसा, ओ – ो – ओस,
   औ – ौ – औरत
2. समोसा, डलिया, तितली, टोकरी

सोचने की बारी

- छात्र स्वयं बताएँगे।
- आशा, राधा तथा भावना।

4. शब्द और वाक्य

बोलने की बारी

- वर्णों के मेल से शब्द बनते हैं।
- शब्दों के मेल से वाक्य बनते हैं।
- वर्णों के सार्थक मेल से शब्द बनता है।

लिखने की बारी

1. क – कमल, कलम म – मछली, मकड़ी
   अ – अनार, अमरूद ख – खग, खरगोश
2. मगर, कमल, मटर
3. (क) रीया पढ़ रही है। (ख) माता जी खाना बनाती हैं।
   (ग) अंकित मेला देखने जा रहा है। (घ) तालाब में मछलियाँ तैर रही हैं।
   (ङ) तोता टें-टें कर रहा है।

सोचने की बारी

- बच्चे स्वयं बोलेंगे।
- यह लाल रंग की है।
  – यह छोटी है। – यह बहुत सुंदर है।
  – यह मुझे उपहार में मिली है। – यह बिलकुल नई है।

5. नाम वाले शब्द (संज्ञा)

बोलने की बारी

- किसी के बारे में जानने के लिए पहचान आवश्यक है।
- नाम बताने वाले शब्दों को 'संज्ञा' कहते हैं।

लिखने की बारी

1. गाय, गुब्बारे, फल, साइकिल, कार, दुकान, घर, औरत, बच्चे।
2. छात्र स्वयं लिखेंगे।
3.

चक्की गुड्डा गन्ना बच्चा पत्ता मक्का प्याज मक्खी

सोचने की बारी

बच्चे स्वयं बताएँगे।

6. स्त्री-पुरुष (लिंग)

बोलने की बारी

- जिस शब्द से लड़का या लड़की होने का पता चले, उसे 'लिंग' कहते हैं।
- जिस शब्द से स्त्री जाति का बोध होता है, उसे 'स्त्रीलिंग' कहते हैं।
- छात्र स्वयं बताएँगे।

लिखने की बारी

1.

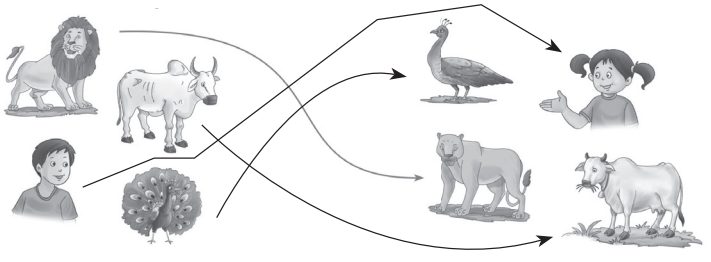

शेर – शेरनी
बैल – गाय
लड़का – लड़की
मोर – मोरनी

2. स्त्री – बेटी, नानी, मोरनी, बंदरिया
   पुरुष – बेटा, नाना, मोर, बंदर

सोचने की बारी

- स्त्रीलिंग – सीटी, गाड़ी, गुड़िया आदि।
- छात्र स्वयं बताएँगे।

7. एक-अनेक (वचन)

बोलने की बारी

- जिस शब्द से संख्या का पता चलता है, उसे 'वचन' कहते हैं।

- शब्द के जिस रूप से एक से अधिक होने का पता चलता है, उसे 'बहुवचन' कहते हैं।
- छात्र स्वयं गिनकर बताएँगे।

लिखने की बारी

1. लड़का – लड़के
   घड़ी – घड़ियाँ
2. तोते – अनेक
   पतंग – एक
   गेंद – एक
   चिड़िया – चिड़ियाँ
   ताला – ताले
   तितली – एक
   लड़के – अनेक
   लड़कियाँ – अनेक

सोचने की बारी

- छात्र स्वयं बताएँगे।
- आसमान में सूर्य, चंद्र एक हैं। तारे अनेक हैं।

8. नाम के स्थान पर आने वाले शब्द (सर्वनाम)

बोलने की बारी

- नाम की जगह आने वाले शब्दों को सर्वनाम कहते हैं।
- अपने लिए मैं, मुझे, मेरा आदि सर्वनामों का प्रयोग किया जा सकता है।
- हाँ, नाम की जगह सर्वनाम शब्दों का प्रयोग कर सकते हैं।

लिखने की बारी

1. (क) वह (ख) तुम (ग) मेरा
   (घ) मैं (ङ) हमारा
2. (क) मैं रोज़ पढ़ता हूँ। (ख) तुम क्या करोगे? (ग) यह क्या है?
   (घ) वह दूध पी रहा है। (ङ) आप कल आइए।

सोचने की बारी

छात्र स्वयं करेंगे।

9. विशेषता बताने वाले शब्द (विशेषण)

बोलने की बारी

- विशेषता बताने के चार प्रकार हैं।
- किसी व्यक्ति, वस्तु आदि की विशेषता बताने वाले शब्दों को 'विशेषण' कहते हैं।
- **सुंदर** मोर, **काला** भालू।

लिखने की बारी

1. केला – पीला मज़दूर – मेहनती इमली – खट्टी
2. (क) सेब – लाल (ख) संतरा – मीठा (ग) पत्ता – हरा
   (घ) कौआ – काला (ङ) किसान – मेहनती (च) सैनिक – बहादुर
3. (क) मीठा (ख) ठंडी (ग) हरी
   (घ) चार (ङ) अच्छे

सोचने की बारी

- छात्र स्वयं करेंगे।

10. काम बताने वाले शब्द (क्रिया)

बोलने की बारी

- मेरी माता जी खाना बनाती हैं। कपड़े धोती हैं। घर की सफ़ाई करती हैं और हम सबकी देखभाल भी करती हैं।
- जिस शब्द से किसी काम के होने या करने का संकेत मिलता है, उसे 'क्रिया' कहते हैं।
- छात्र स्वयं बताएँगे।

लिखने की बारी

1. (क) चढ़ना (ख) नाचना (ग) हँसना
   (घ) खाना (ङ) लिखना (च) कूदना
   (छ) दौड़ना (ज) उड़ाना

2. (क) उड़ा रहा है (ख) पी रही है (ग) तैर रही है
(घ) धो रहा है (ङ) पढ़ रही है

सोचने की बारी

- छात्र स्वयं बताएँगे।
- फूलों का खिलना, वर्षा का होना।

खेलने की बारी

रोना, तैरना, उड़ना, हँसना, लटकना।

11. एक-जैसे अर्थ वाले शब्द (पर्यायवाची शब्द)

बोलने की बारी

- हवा – पवन, वायु।
- पर्यायवाची शब्द को 'समानार्थी शब्द' के नाम से भी जाना जाता है।

लिखने की बारी

1. (क) शेर, सिंह (ख) बादल, घन
(ग) वृक्ष, तरु (घ) घर, गृह
2. नाव – नौका चंद्रमा – चाँद राजा – नृप
मृग – हिरन बाग – बगीचा
3. (क) ज़मीन (ख) चाँद (ग) वायु
(घ) पवन (ङ) जल

सोचने की बारी

- छात्र स्वयं बताएँगे।
- सूरज – भानु, सूर्य
- रोशनी – प्रकाश, उजाला

12. उलटे अर्थ बताने वाले शब्द (विलोम शब्द)

लिखने की बारी

1.

मीठा ☑ कड़वा ☐

जागना ☑ सोना ☐

ठंडा ☑ गरम ☐

छोटा ☑ बड़ा ☐

2. मोटा – पतला　　अँधेरा – उजाला　　आना – जाना

अच्छा – बुरा　　आज – कल

3. अंदर – बाहर　　जागना – सोना　　आगे – पीछे

पुराना – नया　　रात – दिन

सोचने की बारी

- हाँ, हमें सभी का सम्मान करना चाहिए।
- ठंडा × गरम, साफ़ × गंदा, जागना × सोना।

13. गिनती

लिखने की बारी

1.

तीन

पाँच

दो

एक

आठ

चार

2. नौ – ९　　सात – ७　　दस – १०

छह – ६　　पाँच – ५　　तीन – ३

Three – 3　　Five – 5　　Eight – 8

Four – 4　　Nine – 9　　Seven – 7

सोचने की बारी

छात्र स्वयं बताएँगे।

14. दिन और महीने

बोलने की बारी

- एक साल में 12 महीने होते हैं।
- एक सप्ताह में सात दिन होते हैं।
- हर चौथे वर्ष जिसमें फरवरी 29 दिनों की होती है, उसे 'लीप ईयर' कहते हैं।

लिखने की बारी

1. (क) ✓ (ख) ✗
   (ग) ✓ (घ) ✓
   (ङ) ✗
2. सोमवार, मंगलवार, बुधवार, बृहस्पतिवार, शुक्रवार, शनिवार, रविवार।
3. (क) सोमवार (ख) रविवार
   (ग) बृहस्पतिवार (घ) बुधवार
4. जनवरी, फरवरी, मार्च, अप्रैल, मई, जून, जुलाई, अगस्त, सितंबर, अक्टूबर, नवंबर, दिसंबर।

सोचने की बारी

सभी छात्र स्वयं अपने बारे में बताएँगे।

15. चित्र-वर्णन

(क) **दीपावली**–यह दीपावली का दृश्य है। यहाँ लक्ष्मी और गणेश जी की मूर्तियाँ रखी गई हैं। माँ के हाथ में मिठाइयाँ हैं। बच्चा उन्हें लेना चाहता है।

(ख) **मेरा प्यारा कुत्ता**–यह मेरा प्यारा कुत्ता टॉमी है। इसका रंग सफ़ेद है। मैं इसे अपने साथ टहला रहा हूँ। यहाँ चारों ओर हरियाली है।

16. आओ, कहानी बुनें

1. पेड़ के नीचे एक खरगोश था। वह हमेशा सोता रहता था। एक दिन वहाँ एक कछुआ आया। उसे देखते ही खरगोश ने कहा कि तुम बहुत धीरे चलते हो। कछुए ने कहा, लेकिन मैं तुम्हारी तरह सोता तो नहीं। इस बात पर खरगोश ने कहा कि चलो शर्त लगाते हैं। देखते हैं कौन तेज़ दौड़ता है। कछुए ने शर्त मान ली। दोनों ने दौड़ लगाई। खरगोश थककर रास्ते में सो गया। सोचा थोड़ा आराम कर लूँ। कछुआ तो अभी बहुत पीछे होगा। कछुआ उसके पास से ही आगे बढ़ गया। खरगोश जब जागा तो उसने तेज़ी से दौड़ना शुरू किया। जब पहुँचा तो देखा कि कछुआ पहले ही वहाँ पहुँच चुका था। खरगोश शर्त हार गया।

2. गरमी बहुत तेज़ थी। एक कौआ प्यासा था। एक जगह उसे रोटी का टुकड़ा मिला। वह उसे लेकर पेड़ पर जा बैठा। नीचे लोमड़ी खड़ी थी। वह रोटी पाना चाहती थी। उसने कहा–"भाई, तुम बहुत मीठा गाना गाते हो, अपना गाना सुना दो। कौआ उसकी चालाकी समझ नहीं सका। गाने के लिए जैसे ही उसने मुँह खोला तो रोटी का टुकड़ा चोंच से नीचे गिर गया। लोमड़ी रोटी का टुकड़ा लेकर चली गई। कौआ पछताता रह गया।

कार्य-प्रपत्र–1

1. (क) (*ii*) लिखित भाषा (ख) (*iii*) वर्ण (ग) (*i*) संज्ञा
2. (क) ग्यारह/तैंतीस (ख) व्यंजन (ग) वह
3. (क) ✗ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✗
4. (क) वह खा रहा है। (ख) मैं आम खाऊँगा।
   (ग) यह मेरी पुस्तक है। (घ) मुझे कुछ खाने को दे दो।

कार्य-प्रपत्र–2

1. (क) (*ii*) बहुवचन (ख) (*ii*) गरम (ग) (*iii*) विदेशी
2. (क) घास (ख) दो (ग) विलोम
3. (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✗ (घ) ✗
4. (क) कोयल का रंग काला होता है। (ख) मुझे चाँद-तारे सुंदर लगते हैं।
   (ग) मैं अपने माता-पिता को बहुत प्यार करता हूँ। (घ) मेरा स्कूल बहुत बड़ा है।

मेरी भाषा मेरी पहचान, भाग-2

1. भाषा

बोलने की बारी

- भावों व विचारों के आदान-प्रदान का माध्यम भाषा है।
- पत्र लिखते समय भाषा के लिखित रूप का प्रयोग होता है।
- भाषा का अल्पविकसित रूप बोली कहलाती है।

लिखने की बारी

1. जिस साधन से हम अपने भावों एवं विचारों का आदान-प्रदान करते हैं, उसे 'भाषा' कहते हैं।
2. (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✓
   (घ) ✓ (ङ) ✗
3. (क) लिखित (ख) मौखिक (ग) मौखिक

सोचने की बारी

- वे अपनी आवाज़, रूप और अपने प्रति दूसरों के व्यवहार के बारे में बातें करते।
- उससे संपर्क करने के लिए फ़ोन से बात करेंगे।

2. वर्ण तथा वर्णमाला

बोलने की बारी

- वर्ण दो प्रकार के होते हैं–स्वर और व्यंजन।
- वर्ण को 'अक्षर' के नाम से जाना जाता है।
- स्वरों की कुल संख्या ग्यारह (11) है।

लिखने की बारी

1. (क) **आ**म (ख) **इ**मली (ग) **ऋ**षि
   (घ) **औ**ज़ार (ङ) **ए**ड़ी (च) **उ**पहार

2. (क) न**ल** (ख) घ**र** (ग) कम**ल**

(घ) **ब**करी (ङ) **ख**रगोश (च) **म**छली

3. क	ख	**ग**	घ	ङ
च	**छ**	ज	**झ**	ञ
ट	ठ	**ड**	**ढ**	ण
त	**थ**	द	**ध**	न
प	फ	**ब**	भ	म
य	**र**	ल	व	
श	ष	**स**	ह	

सोचने की बारी

- 'क्ष' – क्षत्रिय का कार्य देश का शासन और शत्रुओं से उसकी रक्षा करना माना गया है।
- दहाड़ने की आवाज़ आती है।

3. संयुक्ताक्षर

बोलने की बारी

- जुड़े हुए व्यंजनों को 'संयुक्ताक्षर' कहते हैं।
- 'ल्ल' व्यंजन से बने शब्द हैं–चिल्लाना, निठल्ला।

लिखने की बारी

1. (क) गद्दा (ख) लट्टू (ग) गुब्बारा

(घ) पत्ता (ङ) बच्चा

2. (क) मिट्टी (ख) गुड्डा

(ग) पिल्ला (घ) धब्बा

3. (क) गन्ना (ख) बिल्ली (ग) छत्ता

(घ) पत्ता (ङ) चक्की (च) गुब्बारा

4. (क) ठप्पा (ख) गद्दा (ग) बच्चा

सोचने की बारी

- बिल्ली, कुत्ता।
- त्त – छत्ता, पत्ता, सत्ता

खेलने की बारी

- चित्र देखकर छात्र स्वयं बोलेंगे। शिक्षक द्वारा भी वाक्य बोला जाना चाहिए।

4. मात्राएँ

बोलने की बारी

- स्वर व्यंजन के साथ मात्रा के रूप में जुड़ता है।
- वर्णों को जोड़कर शब्द बनते हैं।

लिखने की बारी

1.	(क) चिड़िया	(ख) गुलाब	(ग) कबूतर
	(घ) माली	(ङ) ऋषि	(च) रेल
2.	(क) जंगल	(ख) पंखा	(ग) आँख
	(घ) हंस	(ङ) हिंदी	(च) मुँह
3.	(क) माला	(ख) भालू	(ग) बकरी
	(घ) फूल	(ङ) मोहन	(च) मेला

सोचने की बारी

- छात्र स्वयं सोचकर बताएँगे।
- आम, आड़ू, आटा, काँटा, कागज़।

खेलने की बारी

- पपीता

5. शब्द और वाक्य

बोलने की बारी

- वर्णों को जोड़कर शब्द बनते हैं।
- शब्दों को जोड़कर वाक्यों का निर्माण होता है।
- भाषा वर्णों और शब्दों के मेल से बनती है।

लिखने की बारी

1. (क) कौआ (ख) सूरज (ग) औरत
   (घ) गुलाब (ङ) कोयल (च) फूल
   (छ) बैल (ज) हाथी
2. (क) तितली (ख) किताब (ग) गुलाब
   (घ) साइकिल (ङ) खरगोश (च) बरगद
3. (क) थरमस (ख) कलम/कमल (ग) किताब
   (घ) दूध (ङ) मोर (च) सैनिक
4. (क) **गाय** दूध देती है। (ख) **कुत्ता** भौंक रहा है। (ग) **मोर** नाच रहा है।

सोचने की बारी

- ज्ञानवान, मृदुभाषी/मृदुभाषिणी
- छात्र स्वयं बताएँगे।

खेलने की बारी

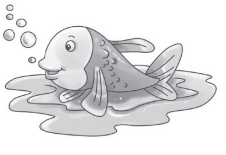

ब	त	ख		
		र		
		गो		
श	ल	ग	म	
			छ	
			ली	

6. नाम वाले शब्द (संज्ञा)

बोलने की बारी

- नाम वाले शब्दों को 'संज्ञा' कहते हैं।
- हम सबकी पहचान नाम से होती है।
- इमारतें–हवामहल, राष्ट्रपति भवन; महानगर–दिल्ली, कोतकाता।

लिखने की बारी

1. छात्र स्वयं लिखेंगे।
2. (क) दिनों के नाम – (*iii*) सोमवार, मंगलवार
   (ख) महीनों के नाम – (*iv*) जनवरी, फरवरी
   (ग) इमारतों के नाम – (*v*) लाल किला, ताजमहल
   (घ) फलों के नाम – (*ii*) आम, अमरूद
   (ङ) फूलों के नाम – (*i*) चंपा, चमेली
3. (क) लाल किला (ख) बैग (ग) गुलाब
   (घ) अमिताभ बच्चन (ङ) आम (च) कबूतर

सोचने की बारी

- छात्र स्वयं बताएँगे।
- पौधे छोटे हैं। पौधे हरे हैं। इनकी पत्तियाँ पतली और लंबी हैं।

7. स्त्री-पुरुष (लिंग)

बोलने की बारी

- लिंग के दो भेद होते हैं–स्त्रीलिंग और पुल्लिग।
- पुरुष जाति के शब्द 'पुल्लिग' कहलाते हैं।
- जिस शब्द से पुरुष या स्त्री होने का पता चलता है, उसे 'लिंग' कहते हैं।

लिखने की बारी

1. (क) भाई – बहन (ख) शेर – शेरनी (ग) दादा – दादी
   (घ) राजा – रानी (ङ) मोर – मोरनी
2. (क) **लड़का** मोटा है, **लड़की** पतली।
   (ख) **नानी जी** अंगूर लाईं, **नाना जी** संतरा।
   (ग) **मोर** नाच रहा है, **मोरनी** बैठी है।
   (घ) **शेर** बैठा है, **शेरनी** सो रही है।
   (ङ) **पिता जी** सो रहे हैं, **माता जी** खाना बना रही हैं।
3. (क) लड़का (ख) शेर (ग) राजा
   (घ) मोर (ङ) हाथी (च) चूहा

सोचने की बारी

- छात्र परिवार में लोगों की गिनती करके लिखेंगे।
- पुल्लिंग – किताब, बस्ता, पानी।
- स्त्रीलिंग – बोतल, कॉपी, पेंसिल।

8. एक और अनेक (वचन)

बोलने की बारी

- शब्दों की संख्या का ज्ञान वचन से होता है।
- वचन दो प्रकार के होते हैं–एकवचन, बहुवचन।
- 'दरवाज़ा' का बहुवचन होता है–'दरवाज़े'।

लिखने की बारी

1. (क) एक (ख) अनेक
   (ग) एक (घ) अनेक
2. (क) तितली – तितलियाँ (ख) आँख – आँखें

(ग) केला – केले
(ङ) मेज़ – मेज़ें
3. (क) ताला – ताले
(ग) गाड़ी – गाड़ियाँ
(ङ) घड़ी – घड़ियाँ
4. (क) टोपियाँ – टोपी
(ग) कुरसियाँ – कुरसी
(ङ) केले – केला
(घ) साइकिल – साइकिलें
(च) लकड़ी – लकड़ियाँ
(ख) चिड़िया – चिड़ियाँ
(घ) मछली – मछलियाँ
(च) पुस्तक – पुस्तकें
(ख) चूहे – चूहा
(घ) तारे – तारा
(च) तोते – तोता

सोचने की बारी

- छात्र स्वयं बताएँगे।
- नहीं, सिर के बाल नहीं गिन सकते।

9. सब नामों के स्थान पर (सर्वनाम)

बोलने की बारी

- जो शब्द नाम के स्थान पर आते हैं, उन्हें 'सर्वनाम' कहते हैं।
- बड़ों के लिए 'आप' सर्वनाम का प्रयोग किया जाता है।
- सर्वनाम शब्द नाम की जगह प्रयोग किए जाते हैं।

लिखने की बारी

1. वह ☑ रवि ☐ आशा ☐ दिल्ली ☐ वे ☑ पुणे ☐
उसका ☑ कहाँ ☑ लोग ☐ लिए ☐ और ☐ हम ☑
2. (क) उसे (ख) मेरी (ग) अपने (घ) मैं (ङ) वह

सोचने की बारी

- छात्र स्वयं बताएँगे।
- हम अपने से बड़ों के लिए आप, आपका, आपको, इनका और इन्हें सर्वनाम शब्दों का प्रयोग करते हैं।

खेलने की बारी

- सर्वनाम शब्द–हम, वह, आप, तुम, उस, मेरा।

10. विशेषता बताने वाले शब्द (विशेषण)

बोलने की बारी

- विशेषण शब्द वस्तु और प्राणी की विशेषता अथवा गुण का बोध कराते हैं।
- 'रंग-बिरंगी पतंग' में 'रंग-बिरंगी' शब्द विशेषण है।
- वस्तु या प्राणी की विशेषता बताने वाले शब्दों को 'विशेषण' कहते हैं।

लिखने की बारी

1. चार – छाते
   कड़वा – करेला
   लाल – सेब
   पीला – केला
   गरम – चाय
   ठंडी – आइसक्रीम
   मीठा – आम
   खट्टी – इमली
2. (क) रंग-बिरंगी (ख) लाल (ग) सफ़ेद
   (घ) चितकबरा (ङ) पाँच
3. (क) नीबू **खट्टा** होता है। (ख) कोयल **काली** होती है।
   (ग) घोड़ा **तेज़** दौड़ता है। (घ) मेरे पास **पाँच** पुस्तकें हैं।

सोचने की बारी

- आम – पीला, मीठा, स्वादिष्ट
- घोड़ा – तीव्रगामी, निडर, ताकतवर, वफादार

11. काम बताने वाले शब्द (क्रिया)

बोलने की बारी

- काम बताने वाले शब्दों को 'क्रिया' कहते हैं।
- दौड़ना, सोना।
- क्रिया–'काट रही हैं'।

लिखने की बारी

1. (क) सोना
   (ख) पढ़ना
   (ग) रोपना
   (घ) सींचना
   (ङ) रोना
   (च) धोना
   (छ) गाना
   (ज) नाचना
2. (क) पार्क में फव्वारा चल रहा है।
   यहाँ फूल खिल रहे हैं।
   (ख) एक लड़की झूला झूल रही है।
   दो बच्चे गेंद से खेल रहे हैं।
   (घ) दादा-दादी बेंच पर बैठे हैं।
   चिड़िया और तितली उड़ रही हैं।

सोचने की बारी

- विद्यालय जाने से पहले हम सैर, स्नान, भोजन आदि करते हैं।
- फूलों का खिलना, पौधों का बढ़ना।

12. वस्तु एक और नाम अनेक (समानार्थी शब्द)

बोलने की बारी

- समान अर्थ बताने वाले शब्द को 'समानार्थी शब्द' कहते हैं।
- मछली को 'मीन' भी कहते हैं।

लिखने की बारी

1. (क) फूल **फल** पुष्प
   (ख) **पत्ता** पेड़ वृक्ष
   (ग) घर गृह **दरवाज़ा**
   (घ) पत्र चिट्ठी **समाचार**
2. (क) नौका, नाव
   (ख) चिड़िया, पक्षी
   (ग) वृक्ष, पेड़
   (घ) घर, गृह

सोचने की बारी

- आँख–नयन, नेत्र, चक्षु; हवा–वायु, समीर, पवन।
- कलम – लेखनी, पुस्तक – पोथी।

खेलने की बारी

बेटा – पुत्र　　मछली – मीन　　जल – पानी

सूर्य – सूरज　　दीपक – दीया

13. उलटे अर्थ वाले शब्द (विलोम शब्द)

बोलने की बारी

- उलटा अर्थ बताने वाले शब्दों को 'विलोम शब्द' कहते हैं।
- 'लाभ' का विलोम होगा – 'हानि'।

लिखने की बारी

1. ऊपर × नीचे　　प्रश्न × उत्तर

   हँसना × रोना　　नया × पुराना

   सफ़ेद × काला　　हानि × लाभ

2. (क) अमीर × गरीब　　(ख) दिन × रात

   (ग) अँधेरा × उजाला　　(घ) हँसना × रोना

   (ङ) नया × पुराना　　(च) अंदर × बाहर

सोचने की बारी

- छात्र सोचकर बताएँगे। शिक्षक/शिक्षिका मदद कर सकते हैं।

खेलने की बारी

पूरब × पश्चिम　　पीछे × आगे

बाईं × दाईं　　उत्तर × दक्षिण

14. रचनात्मक-लेखन

(क) चित्र-वर्णन

1. **होली का दृश्य**

   (क) यह होली का दृश्य है।

   (ख) इसे रंगों का त्योहार भी कहते हैं।

   (ग) लड़का लड़की पर पिचकारी से रंग डाल रहा है।

   (घ) लड़की भाग रही है।

   (ङ) टब में लाल रंग है।

2. **स्वच्छ भारत, स्वच्छ विद्यालय**

   (क) मेरा विद्यालय बहुत सुंदर है।

   (ख) यहाँ का वातावरण बहुत स्वच्छ है।

   (ग) स्वच्छ भारत अभियान के कारण इसे साफ़-सुथरा रखा जाता है।

   (घ) यहाँ खेलकूद की पूरी व्यवस्था है।

   (ङ) हम सभी स्वच्छता में अपना योगदान देते हैं।

3. **पिकनिक का दृश्य**

   (क) आज छुट्टी का दिन है।

   (ख) बच्चे अपने मम्मी-पापा, दादा-दादी जी के साथ पिकनिक मना रहे हैं।

   (ग) वे एक पार्क में खाने-पीने का सामान लेकर आए हैं।

   (घ) एक लड़की अपने पिता के साथ खेल रही है।

   (ङ) दादा-दादी चाय या कॉफी पी रहे हैं। सभी बहुत खुश हैं।

(ख) कहानी-लेखन

1. गंगा किनारे जामुन का एक **पेड़** था। उसकी कोटर में एक **तोता** अपने परिवार के साथ रहता था। पेड़ के नीचे एक **चींटी** का घर था। धीरे-धीरे **तोता** और **चींटी** की दोस्ती हो गई। एक बार **नदी** में बाढ़ आ गई। तोते ने चींटियों को सावधान किया। सभी चींटियाँ तो पेड़ पर चढ़ गईं, परंतु एक **चींटी** फिसलकर **नदी** में गिर गई। **तोते** ने तुरंत **पेड़** पर से एक **पत्ता** तोड़कर गंगा में डाल दिया। धीरे-धीरे **चींटी** सरककर उस **पत्ते** पर बैठ गई। **तोते** ने अपनी चोंच से उस पत्ते को उठाकर सुरक्षित स्थान पर रख दिया। इस प्रकार **चींटी** की जान बच गई।

2. एक आदमी था। उसके चार लड़के थे। सभी आपस में झगड़ते रहते थे। यह देखकर वह बहुत दुखी होता। एक बार वह बीमार पड़ा तो उसने सबको बुलाकर समझाया। वे उसकी बात मानने को

तैयार नहीं थे। उसने कुछ लकड़ियों का एक बंडल बारी-बारी से उन्हें दिया और इसे तोड़ने के लिए कहा। कोई भी उन्हें तोड़ न सका। फिर उसने बंडल को खोल दिया तो सबने अलग-अलग लकड़ियों को तोड़ दिया। पिता ने समझाया कि एकता में बल होता है। उसके बाद सभी भाई मिलकर खेत में काम करने लगे और सभी खुश रहने लगे।

(ग) बातचीत

1. बहन – आज रक्षाबंधन है। बैठो, तुम्हें राखी बाँध दूँ।

   भाई – हाँ-हाँ, क्यों नहीं।

   बहन – लो मिठाई भी खा लो।

   भाई – वाह! ये मिठाई तो बहुत बढ़िया है। लो पाँच सौ रुपये।

   बहन – वाह! अब तुम्हें तो मेरी रक्षा भी करनी है।

2. खिलौनेवाला – खिलौने ले लो, बहुत सुंदर खिलौने हैं।

   दिव्यांश – यह कार कितने की है?

   खिलौनेवाला – चार सौ रुपये की।

   दिव्यांश – कुछ कम कर दो।

   खिलौनेवाला – तुम साढ़े तीन सौ दे दो।

   दिव्यांश – धन्यवाद।

3. माँ – बेटा! आज तुम्हारा जन्मदिन है। तुम खुश रहो।

   बेटा – धन्यवाद मम्मी। आज कौन-कौन आएँगे।

   माँ – तुम्हारे सभी दोस्त और तुम्हारे मामा जी भी आएँगे।

   बेटा – तो क्या सभी लोग उपहार लाएँगे?

   माँ – ऐसा मत बोलो। सब तुम्हें आशीष देने आ रहे हैं। उनका आदर करना चाहिए।

(घ) अनुच्छेद-लेखन

1. **मेरा प्यारा तोता–** मेरे पास एक तोता है। उसका नाम मिट्ठू है। वह हरे रंग का है। उसके कंठ पर लाल धारी माला की तरह है। वह अमरूद और मिर्च खाता है। मैं सोचता हूँ कि मिर्च खाने वाला तोता इतना मधुर कैसे बोलता है। यह तोता सुबह राम-राम बोलता है। हमें देखते ही खुशी से चहकने लगता है। घर के सभी लोग इससे बहुत प्यार करते हैं।

   बच्चे इसी तरह घोड़े के रूप, रंग, आकार, भोजन, रहने की जगह, सवारी आदि के बारे में लिखेंगे।

2. **मेरा प्रिय त्योहार–** मेरा प्रिय त्योहार दीपावली है। इसे प्रकाश का पर्व भी कहते हैं। यह कार्तिक मास की अमावस्या को मनाया जाता है। इस दिन लक्ष्मी-गणेश जी की पूजा की जाती है। खील-बताशे प्रसाद के रूप में चढ़ाए जाते हैं। दीपावली से पहले घरों को साफ़-सुथरा किया जाता है। दीपावली के दिन मिट्टी के दीप में तेल-घी और बत्ती डालकर उन्हें जलाया जाता है।

कार्य-प्रपत्र–1

1. (क) (*i*) दो
   (ख) (*iii*) वर्णमाला
   (ग) (*ii*) शब्दों का
   (घ) (*ii*) वह
2. (क) ध्वनि
   (ख) शब्द
   (ग) वाक्य
   (घ) स्त्रीलिंग
   (ङ) विशेषता
3. (क) ✓
   (ख) ✗
   (ग) ✓
   (घ) ✗
   (ङ) ✓
4. (क) पुस्तक – किताब (ख) पुष्प – सुमन (ग) चंद्रमा – चाँद
   (घ) खग – पक्षी (ङ) पुत्र – बेटा
5. (क) ताजमहल – त् + आ + ज् + अ + म् + अ + ह् + अ + ल् + अ
   (ख) टमाटर – ट् + अ + म् + आ + ट् + अ + र् + अ
   (ग) हलधर – ह् + अ + ल् + अ + ध् + अ + र् + अ
6. (क) स्त्री – पुरुष
   (ख) पत्नी – पति
   (ग) मोरनी – मोर
   (घ) माता – पिता
   (ङ) बहन – भाई
   (च) ऊँटनी – ऊँट
7. (क) स्वर के चिह्न को 'मात्रा' कहते हैं।
   (ख) भावों और विचारों के आदान-प्रदान के साधन को 'भाषा' कहते हैं।
   (ग) शब्द के जिस रूप से किसी के एक या एक से अधिक होने का बोध होता है, उसे 'वचन' कहते हैं।
   (घ) एकवचन से एक और बहुवचन से एक से अधिक (अनेक) का बोध होता है।

कार्य-प्रपत्र–2

1. (क) (*ii*) सर्वनाम (ख) (*ii*) समानार्थी
   (ग) (*i*) महँगा (घ) (*ii*) बहुवचन
2. (क) क्रिया (ख) पुल्लिंग
   (ग) बहुवचन (घ) लाल
   (ङ) विलोम
3. (क) ✓ (ख) ✗
   (ग) ✗ (घ) ✓
   (ङ) ✓ (च) ✗
4. (क) माता – जननी (ख) आँख – नेत्र
   (ग) घर – गृह (घ) मित्र – दोस्त
   (ङ) तालाब – सरोवर
5. अधिक × कम दाँए × बाएँ
   रात × दिन सुगंध × दुर्गंध
   शुभ × अशुभ गुण × अवगुण
   लाभ × हानि प्रेम × घृणा
6. (क) किसी प्राणी या वस्तु की विशेषता या गुण बताने वाले शब्दों को 'विशेषण' कहते हैं; जैसे–
   चार केले लाओ। 'चार' – विशेषण
   सुगंधित फूल खिले हैं। 'सुगंधित' – विशेषण
   (ख) उलटा अर्थ बताने वाले शब्दों को 'विलोम शब्द' कहते हैं; जैसे–
   गहरा × उथला, रात × दिन।
   (ग) समान अर्थ बताने वाले शब्दों को 'पर्यायवाची शब्द' कहते हैं; जैसे–
   सूर्य – भानु, रवि, सूरज।
   (घ) 'चिड़िया' का बहुवचन शब्द 'चिड़ियाँ' है।
   (ङ) पारुल घर जा रही है।

मेरी भाषा मेरी पहचान, भाग-3

1. भाषा और व्याकरण

बोलने की बारी

1. (क) जिस साधन के द्वारा मनुष्य अपने मन के भावों और विचारों को लिखकर या बोलकर प्रकट करता है और दूसरों के भावों और विचारों को पढ़कर-सुनकर समझता है, उसे 'भाषा' कहते हैं।

   (ख) बोलकर अपने विचार दूसरों तक पहुँचाना भाषा का 'मौखिक रूप' है और लिखकर अपने विचार दूसरों तक पहुँचाना भाषा का 'लिखित रूप' है।

2. इस प्रश्न का उत्तर छात्र स्वयं अपने अनुसार बताएँगे।

लिखने की बारी

1. (क) संकेत से (ख) बोलकर (ग) बोलकर (घ) लिखकर
2. (क) मौखिक (ख) लिखित (ग) सांकेतिक

सोचने की बारी

- अगर पेड़-पौधे भी बातें कर पाते तो वे अपने काटे जाने, लगाए जाने, सींचे जाने आदि के बारे में बातें करते।
- अधिकतर लोग हिंदी भाषा का प्रयोग करते हैं, परंतु कुछ लोग अंग्रेज़ी मिश्रित हिंदी ही बोलते हैं।

खेलने की बारी

- यह खेल शिक्षक/शिक्षिका के निर्देशन में खेला जाना चाहिए।

2. वर्ण और वर्णमाला

बोलने की बारी

1. (क) वह छोटी-से-छोटी ध्वनि जिसके अन्य टुकड़े न किए जा सकें, 'वर्ण' कहलाती है।

   (ख) वर्णों के व्यवस्थित समूह को 'वर्णमाला' कहते हैं।

2. स्वरों का उच्चारण बिना किसी वर्ण की सहायता से किया जाता है।
व्यंजन वर्णों के उच्चारण के लिए स्वरों की सहायता लेनी पड़ती है।
वर्णों को दोहराने का कार्य छात्र स्वयं करेंगे।

लिखने की बारी

1. स्वर – ए, अ, ऐ, ऋ, ओ, इ, ई, आ।
व्यंजन – च, ध, थ, व, ब, क, ल, ख।
2. क्ष - क्षत्रिय, क्षमा ज्ञ – ज्ञान, विज्ञान
त्र - त्रिभुज, त्रिकाल श्र - श्रमिक, श्रवण
3. (क) कलम (ख) बरतन (ग) अचकन
(घ) शरबत (ङ) अजगर
4. (क) महल (ख) पपीता (ग) कलम/कमल
(घ) किताब (ङ) कुरता (च) कुरसी

सोचने की बारी

- यज्ञ, भिक्षा, त्रिशूल
- मंदिर की घंटी में ध्वनि होती है– टन-टन-टन-टन।

खेलने की बारी

- कवर्ग – क, **ख**, **ग**, **घ**, ङ
- चवर्ग – च, **छ**, ज, **झ**, ञ
- टवर्ग – ट, ठ, **ड**, ढ, **ण**

3. मात्राएँ और शब्द-रचना

बोलने की बारी

1. (क) स्वर के लिए निश्चित चिह्न को 'मात्रा' कहते हैं।
(ख) वर्णों के सार्थक समूह को 'शब्द' कहते हैं और शब्दों के सार्थक समूह को 'वाक्य' कहते हैं।

2. पर्व, प्रकाश, राष्ट्र, प्रणाम, सूर्य, हर्ष आदि शब्दों का प्रयोग एवं उच्चारण शिक्षक/शिक्षिका द्वारा समझाया जाना चाहिए।

लिखने की बारी

1. ा – आम, तालाब
   ी – नील, कील
   ू – फूलदान, कूल
   ो – मोर, शोर
   ि – विमल, सलिल
   ु – सुमन, धुन
   ृ – कृषक, मृग
   ौ – औरत, मौसम
2. (क) रु – अरुण, गुरु
   (ख) रू – रूस, रूई
   (ग) र्व – पर्व, सर्व
   (घ) क्र – क्रम, चक्र
   (ङ) ड्र – ड्रम, ड्रेस
3. (क) म् + इ + ल् + अ + क् + अ + र् + अ
   (ख) ह् + ऋ + द् + अ + य् + अ
   (ग) म् + औ + ख् + इ + क् + अ
   (घ) क् + ऋ + प् + आ + ण् + अ
   (ङ) द् + ई + प् + आ + व् + अ + ल् + ई
4. (क) रमेश घर जा।
   (ख) मुझे दूध पीना है।
   (ग) दीपा स्कूल जाओ।
   (घ) पिता जी आम लाए।
   (ङ) नीतू खेल रही है।
5. लाल गुलाब बहुत सुगंधित है।
   गाय का दूध बहुत लाभकारी है।
   यह विद्यालय बहुत सुंदर है।

सोचने की बारी

- छात्र स्वयं करेंगे।

खेलने की बारी

चमन → नसीब → बसंत → तरबूज → जग → गमला → लाल → लड्डू

4. संज्ञा

बोलने की बारी

1. (क) हरियाली, चारपाई, रसोईघर, अध्यापक, सरोज।

   (ख) किसी प्राणी, वस्तु, स्थान या भाव के नाम को 'संज्ञा' कहते हैं।

2. छात्र स्वयं उच्चारण करेंगे।

लिखने की बारी

1. (क) सुरभि (ख) लालटेन

   (ग) हँसी (घ) विद्यालय

2. व्यक्तियों के नाम – गीता, मीता, कुणाल।

   स्थानों के नाम – चिड़ियाघर, विद्यालय, बाग।

   वस्तुओं के नाम – कुरसी, मेज़, पुस्तक।

सोचने की बारी

- बिना नाम वाली वस्तुओं की पहचान छूकर या देखकर करते हैं।
- उसे पुकारना मुश्किल होगा। उसके बारे में किसी से बताना मुश्किल होगा।

खेलने की बारी

1. बैल + गाड़ी = बैलगाड़ी, घोड़ा + गाड़ी = घोड़ागाड़ी

   दुकान + दार = दुकानदार, रसोई + घर = रसोईघर

2.

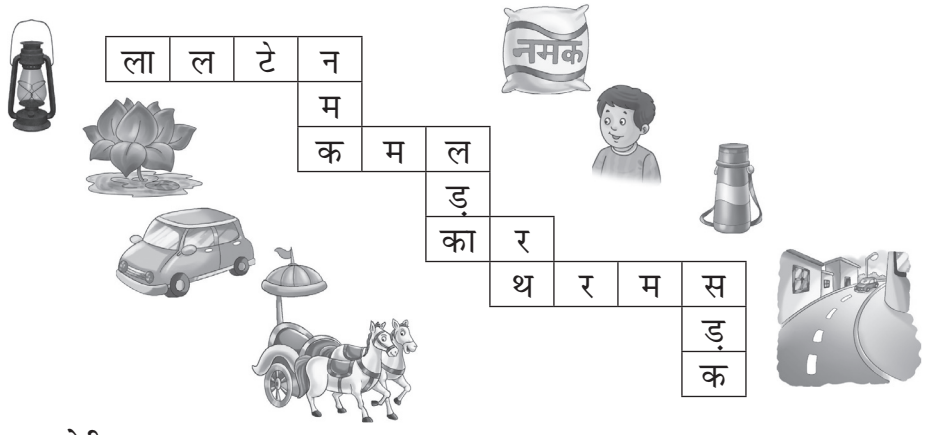

5. लिंग

बोलने की बारी

1. (क) शब्द के जिस रूप से उसके स्त्री या पुरुष जाति के होने का बोध हो, उसे 'लिंग' कहते हैं।
   (ख) लिंग के दो प्रकार होते हैं–स्त्रीलिंग और पुल्लिग।
2. छात्र इन शब्दों को याद करके सुनाएँगे–
   पुल्लिग शब्द–चॉक, शिक्षक, दरवाज़ा, लड़का, मानचित्र, श्यामपट्ट, बैग, डस्टर, पंखा, चपरासी।
   स्त्रीलिंग शब्द–मेज़, शिक्षिका, खिड़की, बालटी, गिलास, कलम, घंटी, घड़ी, कुरसी, पुस्तक।

लिखने की बारी

1. (क) माता (ख) हाथी
   (ग) चुहिया (घ) पत्नी
2. शेर – शेरनी मुरगा – मुरगी माली – मालिन
   अध्यापक – अध्यापिका दादा – दादी
3. (क) गाय और बैल पेड़ के नीचे बैठे हैं।
   (ख) शेर और शेरनी हिरन के पीछे दौड़ रहे हैं।
   (ग) धोबी और धोबिन कपड़े धो रहे हैं।
   (घ) हाथी और हथिनी केला खा रहे हैं।
   (ङ) पेड़ की डाली पर बंदर और बंदरिया उछल-कूद मचा रहे हैं।
4.

पुल्लिग	स्त्रीलिंग	पुल्लिग	स्त्रीलिंग
बूढ़ा	बुढ़िया	बकरा	बकरी
चाचा	चाची	शेर	शेरनी
बेटी	बेटा	चूहा	चुहिया
रानी	राजा	पुत्र	पुत्री

सोचने की बारी

- छात्र स्वयं बताएँगे।
- खटमल, उल्लू, तोता।

मूल्यांकन पत्र–1

(अध्याय 1 से 5 तक)

1. (क) जिस साधन द्वारा मन के भावों एवं विचारों को बोलकर या लिखकर बताया जाता है उसे 'भाषा' कहते हैं।

   (ख) शब्द वर्णों के सार्थक मेल से बनते हैं, परंतु वाक्य सार्थक शब्दों के मेल से बनते हैं।

   (ग) रमेश, सरिता, फूल, नदी, तालाब।

   (घ) लिंग के दो प्रकार होते हैं–स्त्रीलिंग एवं पुल्लिग।

2. 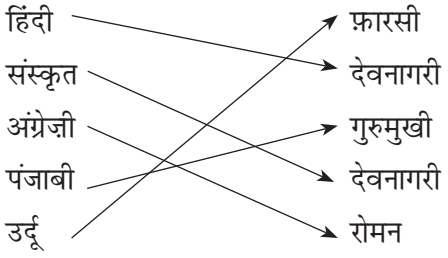

3. (क) मछली (ख) कलम

   (ग) चटनी (घ) दरवाज़ा

   (ङ) तलवार

4. (क) ा – राधा, कागज़ (ख) ी – खील, मील

   (ग) ु – गुलाब, कुसुम

5. पुल्लिग – नौकर, बालक, सेवक, पुजारी, अध्यापक।

   स्त्रीलिंग – नौकरानी, बालिका, सेविका, पुजारिन, अध्यापिका।

6. प्राणियों के नाम – हाथी, बतख, तोता, गधा।

   वस्तुओं के नाम – मेज़, जूता, गेंद, बस्ता।

   स्थानों के नाम – अस्पताल, बगीचा, बाज़ार, आगरा।

7. (क) तालाब में मछली तैर रही है।

   (ख) दादी कहानी सुना रही हैं।

   (ग) राघव किताब पढ़ रहा है।

   (घ) धोबी कपड़े धो रहा है।

   (ङ) बगीचे में फूल खिला है।

6. वचन

बोलने की बारी

1. (क) शब्द के जिस रूप से उसके एक या अनेक होने का बोध हो, उसे 'वचन' कहते हैं।

   (ख) वचन के दो प्रकार होते हैं–एकवचन और बहुवचन।

   जैसे–एकवचन–मछली, बिल्ली; बहुवचन–मछलियाँ, बिल्लियाँ।

2. छात्र शब्दों का उच्चारण स्वयं करेंगे।

लिखने की बारी

1. एकवचन–घोड़ा, पौधा, मटका, कविता, बच्चा।

   बहुवचन–रोटियाँ, मछलियाँ, गेंदे, गमले, लड़के।

2. (क) दवाइयाँ (ख) खरबूजे

   (ग) मछली (घ) सब्ज़ियाँ

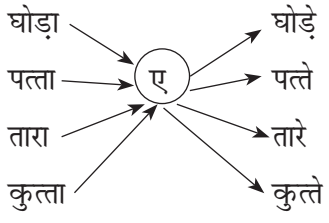

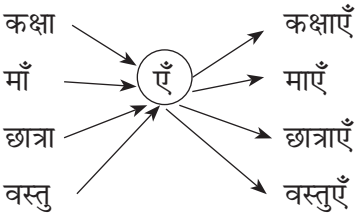

3. घोड़ा → ए → घोड़े
   पत्ता → ए → पत्ते
   तारा → ए → तारे
   कुत्ता → ए → कुत्ते

   कक्षा → एँ → कक्षाएँ
   माँ → एँ → माएँ
   छात्रा → एँ → छात्राएँ
   वस्तु → एँ → वस्तुएँ

4. (क) पुस्तकें मेज़ पर रख दो।

   (ख) बात मत बनाया करो।

   (ग) दरवाज़े खोल दो, बाहर कोई है।

   (घ) खाने पर से मक्खियाँ उड़ाओ।

सोचने की बारी

- यदि हमारे शरीर में सभी अंगों की संख्या एक-एक होती तो हम अपना कार्य ठीक से न कर पाते।
- पुस्तकें, पेंसिलें, जुराबें, जूते, कपड़े।

खेलने की बारी

- छात्र स्वयं करेंगे।

7. सर्वनाम

बोलने की बारी

1. (क) जिस शब्द का प्रयोग संज्ञा के स्थान पर किया जाता है, उसे 'सर्वनाम' कहते हैं।
   (ख) 'मैं' का बहुवचन रूप 'हम' होगा तथा 'वह' का बहुवचन रूप 'वे' होगा।
2. छात्र सर्वनाम शब्दों का प्रयोग करके स्वयं आपस में बातचीत करेंगे।

लिखने की बारी

1. (क) मैं (ख) तुम (ग) वे
   (घ) हमने (ङ) उसने (च) वे
2. (क) **मैं** बाज़ार जा रहा हूँ।
   (ख) **वह** राकेश का भाई है।
   (ग) **उसकी** आँखें लाल हैं।
   (घ) **वे** नित्य रामायण पढ़ते हैं।
   (ङ) **हम** सब मिलकर इस पत्थर को हटा देंगे।
3. संज्ञा–अशोक, रीया, विद्यालय, कलम, फूल, पार्क।
   सर्वनाम–मैंने, तुमको, उससे, उन्होंने, उसे, मुझमें।
4. एक बार दरबार में एक सभासद ने बादशाह अकबर से कहा– "जहाँपनाह! ऐसा कौन-सा सवाल है जो **हम** नहीं बता सकते और बीरबल बता सकता है?" बादशाह ने मन में सोचा कि **मैं** बीरबल को नीचा दिखवाऊँगा। यह सोचकर **उन्होंने** कहा–"अच्छा बताओ, इस समय लोगों के मन में क्या है?"

   वह सभासद बोला–हुज़ूर! यह बात तो सिवाय खुदा के और कोई नहीं बता सकता, बीरबल बता दे तो **हम** जानें? फ़ौरन बीरबल को बुलाया गया। **उनके** सामने भी यही सवाल रखा गया। **उन्होंने** फ़ौरन कहा कि इस वक्त सबके मन में यही बात है कि **यह** दरबार हमेशा ऐसा ही भरा रहे और बादशाह हमेशा ज़िंदा और सलामत रहें। सभी ने **उनकी** बात को मान लिया क्योंकि अगर **वे** ऐसा नहीं करते तो बादशाह **उन्हें** मौत के घाट उतार सकता था। डर के मारे किसी ने नहीं कहा कि **वह** कुछ और सोच रहा है। ऐसा कहकर कोई **अपनी** मौत नहीं बुलाना चाहता था। बेचारा सभासद अपना छोटा-सा मुँह लेकर रह गए। बादशाह अकबर जवाब को सुनकर बड़े खुश हुए और बीरबल को पुरस्कार भी दिया।

सोचने की बारी

- 'आप' सर्वनाम का प्रयोग–मामा, नाना, मम्मी, पापा, चाचा, बड़े भाई-बहन आदि के लिए किया जाता है।
- यदि सर्वनाम शब्द न होते तो हम दूसरों से या दूसरों के बारे में बातें न बता सकते।

खेलने की बारी

- मैंने, वह, मैं, तुम, तुम्हारा, हमारा।

8. विशेषण

बोलने की बारी

1. (क) संज्ञा शब्दों की विशेषता बताने वाले शब्दों को 'विशेषण' कहते हैं।

   (ख) मोटा, पतला, लंबा, गोल शब्दों के द्वारा संज्ञा शब्दों के आकार का पता चलता है।

2. शिक्षक/शिक्षिका के साथ छात्र स्वयं उच्चारण करेंगे।

लिखने की बारी

1. (क) लाल (ख) दो (ग) छोटी (घ) ठंडी (ङ) खट्टी

2. **वर्ग 'क'** **वर्ग 'ख'**

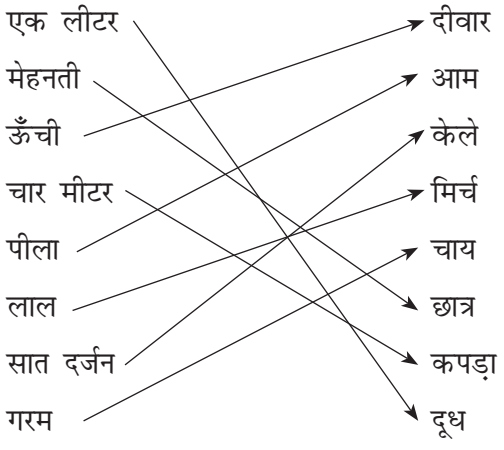

3. (क) बूढ़ी महिला बीमार हो गई है।

   (ख) सामने ही ऊँचा पहाड़ दिख रहा था।

(ग) पीपल के कोमल पत्ते सुंदर हैं।

(घ) कल मोटा लड़का आया था।

(ङ) हमें वातावरण स्वच्छ रखना चाहिए।

4. (क) आप (ख) पतंग (ग) गाय

सोचने की बारी

- बोतल – बड़ी, सुंदर।
  लंच बॉक्स – छोटा, आकर्षक।
- कौआ – काला, छोटा, चालाक।

खेलने की बारी

काली है पर काग नहीं – कोयल

लंबी है पर नाग नहीं – चोटी

बलखाती है डोर नहीं – पतंग

बाँधते हैं पर ढोर नहीं – रस्सी

9. क्रिया

बोलने की बारी

1. (क) जिन शब्दों से किसी कार्य के करने या होने का पता चले, उन्हें 'क्रिया' कहते हैं।

   (ख) क्रिया शब्द के बिना वाक्य अधूरा रहता है।

2. शिक्षिक/शिक्षिका के निर्देशन में छात्र कक्षा में स्वयं चर्चा करेंगे।

लिखने की बारी

1. (क) कृतिका खाना **खा** रही है। (ख) दादा जी अख़बार **पढ़** रहे हैं।

   (ग) माली काका पौधे **रोप** रहे हैं। (घ) रश्मि मैडम ने हमें हिंदी का पाठ **पढ़ाया**।

   (ङ) चोर को देखते ही शेरू **भौंकने** लगा।

2. (क) धोबी कपड़े **धो** रहा है। (ख) बेबी **नाच रही है**।

   (ग) मछली पानी में **तैर रही है**। (घ) मोहन पुस्तक **पढ़ रहा है**।

   (ङ) यीशु साइकिल **चला रहा है**। (च) नौकरानी कपड़े **सुखा रही है**।

3. (क) मम्मी खाना **बना** रही थीं। (ख) मुझे चंडीगढ़ **आना** है।
   (ग) मछलियाँ **तैर** रही हैं। (घ) पक्षी **उड़** रहे हैं।
   (ङ) स्मित **सैर करने** पार्क में गया।
4. (क) मछली **तैर रही है**। (ख) शेर **दहाड़ रहा है**।
   (ग) सूरज **चमक रहा है**। (घ) मोर **नाच रहा है**।
   (ङ) बच्चा **हँस रहा है**।

सोचने की बारी

- माली पौधों को सींचता है।
- नर्स रोगी को दवा देती है।
- डाकिया पत्र बाँटता है।

खेलने की बारी

विद्यालय में	**घर में**
पढ़ते हैं।	खाते हैं।
खेलते हैं।	पढ़ते हैं।
प्रार्थना करते हैं।	गृहकार्य करते हैं।
कक्षा कार्य करते हैं।	सोते हैं।
लिखते हैं।	नहाते हैं।

10. शब्द-भंडार

पर्यायवाची शब्द

बोलने की बारी

1. (क) ऐसे शब्द जिनके समान अर्थ होते हैं, उन्हें 'पर्यायवाची' शब्द कहते हैं।
   (ख) पर्यायवाची शब्द का दूसरा नाम 'समानार्थी शब्द' भी है।
2. पर्यायवाची शब्दों के बारे में कक्षा में परिचर्चा की जानी चाहिए।

लिखने की बारी

1. (क) घोड़ा, अश्व (ख) पक्षी, खग (ग) कमल, जलज
2. पर्वत – गिरि, पवन – समीर, नर – मनुष्य,
   बादल – मेघ, फूल – पुष्प।
3. वाटिका **तट** उपवन
   पृथ्वी भूमि **जलज**
   पहाड़ **ध्वज** पर्वत
   माँ माता **पत्नी**

सोचने की बारी

- आसमान को आकाश, नभ, व्योम के नाम से भी जाना जाता है।
- छात्र स्वयं बताएँगे। शिक्षिका द्वारा छात्रों को उनके नाम का अर्थ बताना चाहिए।

विलोम शब्द

बोलने की बारी

1. (क) एक-दूसरे के उलटे अर्थ देने वाले शब्द को 'विलोम शब्द' कहते हैं।
   (ख) एकता × अनेकता, प्रेम × घृणा, उदय × अस्त।
2. कक्षा परिचर्चा में विलोम का महत्व समझाया जाना चाहिए।

लिखने की बारी

1. (क) बड़ा × छोटा (ख) अंदर × बाहर (ग) ऊपर × नीचे
2. (क) विष × अमृत (ख) आय × व्यय (ग) शांत × अशांत
   (घ) अधिक × कम (ङ) कुटिल × सरल (च) प्रश्न × उत्तर
3. उचित × अनुचित, आसान × कठिन, बड़ा × छोटा,
   सुबह × शाम, खुला × बंद
4. (क) सच × झूठ (ख) निंदा × स्तुति (ग) नया × पुराना
5. कठोर × कोमल सरदी × गरमी आगे × पीछे
   नकली × असली अँधेरा × उजाला भारी × हलका

सोचने की बारी

- कलम – लेखनी, पेन; पुस्तक – पोथी, किताब; पानी – जल, नीर।
- छात्र स्वयं बताएँगे। छात्रों को सफ़ाई का महत्व भी समझाया जाना चाहिए।

खेलने की बारी

बाहर × भीतर,
भरा × खाली,
मीठा × तीखा,
मोटी × पतली।

अनेकार्थक शब्द

बोलने की बारी

1. (क) जिन शब्दों के एक से अधिक अर्थ होते हैं, उन्हें 'अनेकार्थी शब्द' कहते हैं।
   (ख) अंबर – आसमान, वस्त्र
   अंग – शरीर के अंग, भाग।
2. परिचर्चा कक्षा में ही की जानी चाहिए।

लिखने की बारी

1. (क) पत्र – पत्ता, चिट्ठी (ख) वर – श्रेष्ठ, दूल्हा
   (ग) हरि – भगवान विष्णु, सिंह (घ) अर्थ – धन, शब्द का अर्थ
2. (क) उत्तर – दिशा - हिमालय **उत्तर** दिशा में है।
   जवाब – प्रश्न के अनुसार ही **उत्तर** देना चाहिए।
   (ख) कर – टैक्स – हमारे देश में लोग **कर** नहीं देना चाहते।
   कर – हाथ – माँ यशोदा अपने **कर** से भगवान श्रीकृष्ण को खिलाती थीं।
   (ग) कनक – सोना – गहने की माँग के कारण **कनक** का मूल्य तो बढ़ता ही जा रहा है।
   धतूरा – **कनक** खाने के कारण उसका दिमाग खराब हो गया।

सोचने की बारी

काल – समय, मृत्यु।

वाक्यांश के लिए एक शब्द

बोलने की बारी

1. (क) अनपढ़ (ख) मासिक
2. छात्र ऐसे शब्दों का प्रयोग कक्षा में प्रायोगिक रूप से करेंगे।

लिखने की बारी

1. (क) दरज़ी (ख सुनार
   (ग) डाकिया
2. (क) साप्ताहिक (ख) मांसाहारी
   (ग) दयालु (घ) सर्वज्ञ
3. (क) मांस खाने वाला – मांसाहारी (ख) ईश्वर में विश्वास रखने वाला – आस्तिक
   (ग) जो कभी न मरे – अमर (घ) भारत का रहने वाला – भारतीय
   (ङ) जिसके माता-पिता न हों – अनाथ

सोचने की बारी

- छात्र स्वयं विचारकर बताएँगे।

खेलने की बारी

(क) किसान (ख) बढ़ई

(ग) सुनार (घ) साप्ताहिक

मूल्यांकन पत्र–2

(अध्याय 6 से 10 तक)

1. (क) शब्द के जिस रूप से उसके एक या एक से अधिक होने का बोध हो, उसे 'वचन' कहते हैं।
   (ख) संज्ञा शब्दों के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले शब्दों को 'सर्वनाम' कहते हैं।
   (ग) जिस शब्द से किसी कार्य के करने या होने का पता चले, उसे 'क्रिया' कहते हैं; जैसे– खाना, पीना, सोना आदि।

(घ) विलोम शब्द को 'विपरीतार्थक शब्द' के नाम से भी जाना जाता है।

2. (क) **आप** अंदर आ जाइए। (ख) वहाँ **कौन** सो रहा है?
   (ग) **मैं** अपने घर जा रही हूँ। (घ) **वह** स्कूल जा रहा है।
   (ङ) **हम** अपना काम समाप्त करके जाएँगे।
3. (क) **लाल** सेब (ख) **गरम** चाय
   (ग) **छोटा** बच्चा (घ) **बड़ा** आदमी
   (ङ) **काला** कौआ (च) **सुंदर** साड़ी
4. (क) आदित्य पुस्तक **पढ़ रहा है**। (ख) किसान खेत में **काम कर रहा है**।
   (ग) चिड़िया आसमान में **उड़ रही है**। (घ) धोबी कपड़े **धो रहा है**।
   (ङ) दादा जी अख़बार **पढ़ रहे हैं**।
5. ध्वज, झंडा; गाय, धेनु; कमल, जलज।
6. (क) आस्तिक (ख) मासिक
   (ग) सर्वज्ञ (घ) भारतीय
   (ङ) अमर
7. (क) उपस्थित × अनुपस्थित (ख) सजीव × निर्जीव
   (ग) आस्तिक × नास्तिक (घ) कायर × वीर
   (ङ) उत्थान × पतन (च) अनुकूल × प्रतिकूल

11. विराम-चिह्न

बोलने की बारी

1. (क) वाक्य के पूरे होने पर 'पूर्ण विराम' लगाया जाता है।
   (ख) प्रश्न पूछने की स्थिति में वाक्यों की समाप्ति पर 'प्रश्नवाचक चिह्न' लगाया जाता है।

लिखने की बारी

1. (क) मुझे घर जाना है।
   (ख) क्या तुम कल विद्यालय जाओगे?
   (ग) तुम्हारे मौसा जी कब आ रहे हैं?

2. (क) आकांक्षा, रानी और कविता विद्यालय गईं।

(ख) वाह! इतना स्वादिष्ट भोजन।

(ग) काश! मैं उड़ सकती।

सोचने की बारी

- बिना रुके अपनी बात बोलने से सुनने वाले को अटपटा महसूस होता है। उसकी बात स्पष्ट समझ में नहीं आती।
- नहीं, हमें सभी कार्य बिना रुके और ठहरे लगातार नहीं करने चाहिए। इससे थकान भी हो सकती है और कार्य खराब भी हो सकता है।

12. मुहावरे

बोलने की बारी

1. (क) विशेष अर्थ प्रकट करने वाला शब्द 'मुहावरा' कहलाता है।

(ख) 'दाँत खट्टे करना' मुहावरे का अर्थ है–हरा देना।

2. छात्र स्वयं करेंगे।

लिखने की बारी

1. (क) भूख लगना (ख) मारे-मारे फिरना

(ग) चुगली करना (घ) बहुत गरमी पड़ना

2. (क) श्रीगणेश करना – काम शुरू करना

(ख) काम आना – मारे जाना

(ग) आँखें बिछाना – आदरपूर्वक स्वागत करना

(घ) आकाश से बातें करना – बहुत ऊँचा होना

(ङ) कमर टूटना – सहारा समाप्त होना

3. (क) जब नौकर ने प्लेट तोड़ दी तो पिता जी आपे से बाहर हो गए।

(ख) अचानक वर्षा हो जाने पर सारे किए-कराए पर पानी फिर गया।

(ग) एक तो चोरी की ऊपर से आँखें दिखा रहे हो।

(घ) युद्ध में बीस सैनिक काम आए।

(ङ) सुबह से ही काम कर रहा हूँ। अब तो मेरा अंग-अंग ढीला हो गया।

4. (क) रवि अपने माता-पिता के लिए आँखों का तारा है।

(ख) मार पड़ते ही चोर ने सब कुछ उगल दिया।

सोचने की बारी

- छात्र स्वयं करेंगे।

खेलने की बारी

- आँखें दिखाना, दाँत खट्टे करना। चित्र विद्यार्थी स्वयं बनाएँगे।

13. दिन, महीने और त्योहार

बोलने की बारी

1. (क) एक वर्ष में बारह महीने होते हैं—जनवरी, फरवरी, मार्च, अप्रैल, मई, जून, जुलाई, अगस्त, सितंबर, अक्टूबर, नवंबर, दिसंबर।

(ख) फरवरी महीने में 28 या 29 दिन होते हैं।

2. हमारे देश में होली, दीवाली, ईद, बैसाखी, पोंगल आदि त्योहार मनाए जाते हैं। कक्षा में चर्चा छात्र स्वयं करेंगे।

लिखने की बारी

1. राष्ट्रीय त्योहार – गणतंत्र दिवस, गांधी जयंती।

धार्मिक त्योहार – दीपावली, क्रिसमस, दशहरा।

2. सोमवार, मंगलवार, बुधवार, बृहस्पतिवार, शुक्रवार, शनिवार, रविवार।

3. दीपावली, होली, ईद, दशहरा।

सोचने की बारी

छात्र अपने जन्मदिन और परिवार के बारे में स्वयं बताएँगे।

14. गिनती

बोलने की बारी

1. गिनती पढ़ने का कार्य छात्र स्वयं करेंगे। शिक्षक/शिक्षिका अपेक्षित सुधार करेंगे।
2. 'चौदह' से पहले 'तेरह' आता है। 'बयालीस' के बाद 'तैंतालीस' आता है।

लिखने की बारी

1. (क) 21 २१ इक्कीस
   (ख) 9 ९ नौ
   (ग) 6 ६ छह
   (घ) 14 १४ चौदह
   (ङ) 50 ५० पचास
2. फूल – 4–चार सेब – 10–दस चूहा – 6–छह

सोचने की बारी

- तारे – असंख्य, चाँद – 1, सूरज – 1
- छात्र स्वयं करेंगे।

15. वर्तनी की सामान्य अशुद्धियाँ

बोलने की बारी

1. अशुद्ध उच्चारण से बात स्पष्ट नहीं होती। व्याकरण संबंधी दोष भी उत्पन्न हो जाता है।
2. 'कलश' तथा 'परीक्षा' वर्तनी के शुद्ध रूप हैं।

लिखने की बारी

1. (क) परीक्षा (ख) आहार
   (ग) अत्यधिक (घ) श्रीमती
2. शुद्ध – शुद्ध, रितु – ऋतु, प्रसिद्ध – प्रसिद्ध
   चरन – चरण, उद्देश्य – उद्देश्य, चाहिये – चाहिए

3. (क) श्रीमती (ख) पत्नी (ग) नवाब
(घ) हिंदू (ङ) श्रेष्ठ (च) कलश
(छ) ऊपर (ज) गुण (झ) पूजा

- सोचने और खेलने पर आधारित प्रश्न छात्र स्वयं करेंगे। शिक्षक/शिक्षिका द्वारा अपेक्षित सहायता की जानी चाहिए।

मूल्यांकन पत्र–3
(अध्याय 11 से 15 तक)

1. (क) पढ़ते और लिखते समय वाक्य में रुकने अथवा विराम देने के लिए लगाए गए चिह्नों को 'विराम-चिह्न' कहते हैं।
(ख) प्रश्न पूछने की स्थिति में वाक्यों की समाप्ति पर प्रश्नवाचक चिह्न का प्रयोग किया जाता है।
(ग) 'अंग-अंग ढीला होना' का अर्थ है– 'बहुत थक जाना'।
(घ) एक वर्ष में 12 महीने होते हैं।
2. (क) , – अल्पविराम (ख) । – पूर्ण विराम
(ग) ! – विस्मयबोधक चिह्न (घ) ? – प्रश्नवाचक चिह्न
3. (क) सुमन पढ़ रही है।
(ख) राम, श्याम और मोहन मेला देखने गए।
(ग) आज खाने के लिए क्या बना है?
4. (क) कान भरना – चुगली करना
(ख) काला अक्षर भैंस बराबर – अनपढ़ होना
(ग) अक्ल का पुतला होना – जिसे कोई समझ न हो
(घ) अंधे की लाठी होना – एकमात्र सहारा होना
(ङ) दाँत खट्टे करना – हरा देना
5. धार्मिक त्योहार–होली, दशहरा, दीपावली, ईद, बैसाखी, पोंगल।
राष्ट्रीय त्योहार–स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, गांधी जयंती।

6.

	अंग्रेज़ी अंक	हिंदी अंक	हिंदी शब्द
(क)	12	१२	बारह
(ख)	27	२७	सत्ताईस
(ग)	39	३९	उनतालीस
(घ)	42	४२	बसालीस
(ङ)	50	५०	पचास

7. (क) कलश (ख) चरण (ग) वृक्ष
(घ) परीक्षा (ङ) श्रेष्ठ (च) अंधा

16. पत्र-लेखन

1. प्रधानाचार्या
राजर्षि पब्लिक स्कूल
चेन्नई
09.04.20xx

विषय : अवकाश प्राप्ति हेतु

मैं कक्षा 3 का विद्यार्थी हूँ। मुझे पिछले एक सप्ताह से हल्का बुखार रहता था। पास की डिस्पेंसरी से दवा ले लेता था, लेकिन कल रात अचानक तेज़ बुखार हो गया। सुबह पिता जी मुझे डॉक्टर के पास ले गए। जाँच करने पर पता चला कि मुझे टाइफाइड है। उन्होंने दवा तो दी लेकिन कम-से-कम पंद्रह दिन तक आराम करने को कहा है।

अत: आपसे निवेदन है कि मुझे पंद्रह दिनों के लिए अवकाश प्रदान करने की कृपा करें।

आपका आज्ञाकारी शिष्य
अभिनव गुप्ता
कक्षा-3
अनुक्रमांक 26

2. प्रधानाचार्य
जे०बी०एस० विद्यालय
सैफ़ाबाद, सुल्तानपुर
दिनांक 26.03.20xx

विषय : अवकाश प्राप्ति हेतु

महोदय

मेरे बड़े भाई का विवाह होना सुनिश्चित हो गया है। अगले सप्ताह 04-03-20xx से 06-03-20xx तक वैवाहिक कार्यक्रम चलते रहेंगे। लेकिन इससे पहले से ही रिश्तेदारों का आना प्रारंभ हो जाएगा। अतः विद्यालय आना मेरे लिए संभव न होगा।

आपसे सविनय निवेदन है कि 03-03-20xx से 07-03-20xx तक मुझे अवकाश प्रदान करने की कृपा करें।

आपका आज्ञाकारी शिष्य
दीपक
कक्षा-3
अनुक्रमांक-16

3. 26-4
केशरिया अपार्टमेंट
नया गाँव, पुणे
06 अगस्त, 20xx

आदरणीय नाना जी

सादर चरण स्पर्श

नाना जी यह जानकर आपको खुशी होगी कि इधर कुछ महीनों से मैं अपने नए विद्यालय में पढ़ने जाता हूँ। यहाँ का वातावरण बहुत हरा-भरा है। यहाँ खेल का मैदान भी है। हम लोग शाम को यहीं खेलते हैं। मेरे विद्यालय के शिक्षक/शिक्षिका बहुत अच्छे हैं। वे हमें बहुत प्यार से पढ़ाते हैं। मैं अपना गृहकार्य भी अच्छी तरह से करता हूँ। नाना जी आपसे मिलने का मेरा बहुत मन करता है, परंतु अब गरमी की छुट्टियों में ही आपसे मिल सकूँगा। आप अपना बहुत ध्यान रखिएगा।

आपका नाती
सुभाष जैन

4. 432/ए
सिविल लाइंस कटरा
प्रयागराज
12 सितंबर, 20xx

प्रिय सखी मधूलिका

मधुर स्मृति

सखी, आज सुबह ही नलिनी का फ़ोन आया था। उसने बताया कि पिछले सप्ताह विद्यालय में जो नृत्य प्रतियोगिता हुई थी, उसमें आपको प्रथम स्थान मिला है। इस समाचार को सुनकर मैं झूम

उठी। सच कहूँ तो इससे पहले मैं कभी भी इतनी खुश नहीं हुई थी। मैं आपके लिए उपहार भी खरीदकर लाई हूँ। मैं रविवार को आपसे मिलूँगी। तब तक ऐसे ही याद करती रहूँगी। मुझे आपसे ढेर सारी बातें करनी हैं, वह तो रविवार को ही संभव होगी। तब तक आप अपना ध्यान रखिए।

आपकी सखी
प्रियंका राजावत

17. चित्र-वर्णन

1. यह सुबह का समय है। माँ रसोईघर में खाना पका रही है। एक स्त्री झाड़ू से फ़र्श साफ़ कर रही है। एक लड़की खिलौनों के साथ खेल रही है। एक छोटी लड़की सोफ़े के पास खड़ी है। वह बहुत खुश है। खिड़की पर शीशा लगा है। शीशे के पार प्रकृति का दृश्य दिख रहा है। वॉश बेसिन के ऊपर भी एक शीशा लटक रहा है।
2. यह किसी चिड़ियाघर का चित्र है। इसमें शेर, हाथी, चिड़िया, ज़िराफ, बंदर दिख रहे हैं। ज़िराफ की गरदन लंबी है। बंदर डाल से लटक रहा है। एक पिंजड़ा लटक रहा है, उसमें चिड़िया बैठी है। पिंजड़े में बंद शेर दहाड़ रहा है। हाथी ने अपनी सूँड़ में केलों को दबा रखा है। डाली पर छोटी-छोटी चिड़ियाँ भी बैठी हैं।

18. अनुच्छेद लेखन

लिखने की बारी

1. **मेरा बगीचा–** मेरे घर के पीछे एक छोटा-सा बगीचा है। इसमें कई तरह के पेड़ हैं। कुछ छायादार हैं तो कुछ रसीले फलों वाले हैं। बगीचे में हरी-भरी घास मखमल की तरह मुलायम और सुंदर दिखती है। बगीचे के किनारे सुंदर-सुंदर क्यारियाँ हैं। कुछ फूलों की क्यारियाँ हैं तो कुछ सब्ज़ियों की भी हैं। फूलों की क्यारियों में गेंदा, गुलाब, बेला, चमेली के फूल खिले हैं। सब्ज़ी की क्यारियों में विभिन्न तरह की सब्ज़ियों के पौधे लगे हैं। प्रकृति की यह सुंदरता देखते ही बनती है।
2. **हमारा देश–** हमारा भारतवर्ष विश्व में सर्वश्रेष्ठ है। इसके उत्तर में हिमालय है तो दक्षिण में अरब सागर लहराता रहता है। प्राकृतिक सुंदरता तो इतनी है कि कहीं पहाड़, कहीं रेगिस्तान तो कहीं हरी-भरी घाटियाँ हैं। गंगा, यमुना, गोमती, घाघरा जैसी नदियाँ यहाँ की जीवन रेखा हैं। भारतवर्ष में सभी जाति-धर्म के लोग भाईचारे की भावना से रहते हैं। यहाँ पर सैंकड़ों की संख्या में आकर्षक एवं भव्य इमारते हैं।

3. **वर्षा ऋतु–** वर्षा को ऋतुओं की रानी कहा जाता है। गरमी के बाद वर्षा की पहली बूँद पड़ते ही पूरे वातावरण में परिवर्तन दिखने लगता है। मुरझाई लताएँ हरी-भरी हो जाती हैं। आसपास में काले-काले बादलों का घुमड़ना और कूजते हुए हंसों का उड़ना तो देखते ही बनता है। बादलों की गर्जना सुनकर मोर भी खुशी से झूम उठते हैं। वे बोलने लगते हैं। सावन-भादो के महीने में तो चारों ओर पानी ही पानी दिखाई देता है। बच्चे कागज़ की नाव बनाकर इसमें तैराते हैं।

19. कहानी-लेखन

1. किसी जंगल में एक गधा रहता था। एक बार उसे किसी मरे हुए शेर की खाल मिल गई। वह उसे पहनकर दूसरे जानवरों को डराता था और स्वयं को जंगल का राजा कहता था। सभी जानवरों को उसका कहा मानना पड़ता था। एक दिन उसने दूसरे गधे को देखा तो वह रेंकने लगा। कुछ दूरी पर खड़ी लोमड़ी ने यह सब देख और सुन लिया। उसने जंगल के सभी जानवरों को यह बात बता दी। सभी जानवरों ने उसे पीटना शुरू कर दिया। वह जंगल छोड़कर भाग गया। इसी को कहते हैं–सच्चाई नहीं छिपती।
2. एक लड़का था। वह जंगल में लकड़ी काटने गया। वह जिस डाल पर बैठा था, उसी डाल को आगे की तरफ़ से काटने लगा। ऐसा करने से उसे बहुत आनंद आ रहा था। सामने से एक आदमी जा रहा था। उसने उसे समझाते हुए कहा–"बेटा! ऐसा करने से तुम भी नीचे गिर जाओगे।" वह लड़का नहीं माना। डाल काटता रहा। थोड़ी ही देर में डाल समेत वह नीचे आ गिरा। उसे अब बहुत चोट लगी। दर्द के मारे वह रोने लगा। उसने प्रतिज्ञा कर ली कि अब वह बड़ों का कहना मानेगा।

20. श्रुतभाव-ग्रहण

- यह कार्य विद्यार्थी अध्यापक/अध्यापिका के निर्देशन में स्वयं करेंगे।

21. अपठित गद्यांश

लिखने की बारी

1. (क) माली फूलों से माला, गजरा, वेणी और तोरण आदि बनाता है।

   (ख) उपर्युक्त गद्यांश में आए फूलों के नाम हैं–गुलाब, कमल, गेंदा, सूरजमुखी, चंपा और चमेली।

(ग) पेड़-पौधों की शोभा फूलों से बढ़ती है।

(घ) 'फूल' शब्द के पर्यायवाची हैं–सुमन, कुसुम।

(ङ) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक हो सकता है–'फूलों का महत्व'।

2. (क) गांधी जी का जन्म 2 अक्टूबर, 1869 को हुआ था।

(ख) गांधी जी माता का नाम पुतलीबाई और पिता का नाम करमचंद था।

(ग) गांधी जी ने सत्य और अहिंसा का रास्ता अपनाया।

(घ) हम गांधी जी को प्यार से 'बापू' कहते हैं।

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उचित शीर्षक हो सकता है–'राष्ट्रपिता महात्मा गांधी'।

मूल्यांकन पत्र–4

(अध्याय 16 से 21 तक)

1. (क) किसी चित्र को देखकर उसके बारे में लिखना चित्र-वर्णन कहलाता है।

(ख) किसी विषय पर सीमित शब्दों में अपने विचार लिखना अनुच्छेद-लेखन है।

(ग) अपठित का अर्थ है–जिसे पहले पढ़ा न गया हो।

2. (क) यह किसी मेले का चित्र है।

(ख) लोग झूला झूल रहे हैं।

(ग) एक हलवाई मिठाइयाँ बेच रहा है।

(घ) एक आदमी खिलौनों की दुकान पर मोल-भाव कर रहा है।

(ङ) एक लड़की के हाथ में खिलौना और लड़के के हाथ में गुब्बारा है।

3. **दीपावली–** दीपावली हमारे देश का प्रमुख धार्मिक एवं सामाजिक त्योहार है। इसे प्रकाश का पर्व भी कहा जाता है। त्योहार के कुछ दिनों पहले से ही घरों एवं दुकानों की सफ़ाई शुरू हो जाती है। सभी लोगों के लिए नए-नए कपड़े सिलवाए जाते हैं। दीपों और लड़ियों से पूरे घर को सजाया जाता है। रात्रि के समय लक्ष्मी जी की पूजा की जाती है। उन पर खील-बताशे और मिठाइयाँ चढ़ाई जाती हैं। अगले दिन घर-घर में यह प्रसाद बाँटा जाता है।

4. गरमी का महीना था। धूप बहुत तेज़ थी। एक कौआ प्यास से बहुत व्याकुल था। एक घड़े में उसे थोड़ा पानी दिखा। वह उसे पी नहीं सकता था। उसने दिमाग लगाया। कुछ दूर से छोट-छोटे कंकड़ों को लाकर उसमें डालना शुरू किया। लगातार कंकड़ डालते रहने के कारण पानी ऊपर तक आ गया। कौए ने पानी पीकर अपनी प्यास शांत की। इसी को कहते हैं– जहाँ चाह, वहाँ राह।

5. (क) लोमड़ी इसलिए भूखी थी क्योंकि उसे सवेरे से कुछ भी खाने को नहीं मिला था।

(ख) लोमड़ी घूमते-घूमते एक बाग में पहुँची।

(ग) बाग में अंगूर की बेलें लगी थीं।

(घ) लोमड़ी अंगूर इसलिए नहीं खा सकी क्योंकि वे ऊँचाई पर थे।

(ङ) लोमड़ी ने निराश होकर कहा, "ये अंगूर खट्टे हैं, खाने योग्य नहीं हैं। यदि मैं इन्हें खाऊँगी तो बीमार पड़ जाऊँगी।"

कार्य-प्रपत्र–1

1. (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✓
   (घ) ✓ (ङ) ✓
2. (क) मेज़, केले (ख) माली, पौधा (ग) राजेश, विद्यालय
   (घ) इंडिया गेट, दिल्ली (ङ) आम, अनार
3. (क) आसमान – आ + स् + अ + म् + आ + न् + अ
   (ख) गुलाब – ग् + उ + ल् + आ + ब् + अ
   (ग) मेला – म् + ए + ल् + आ
   (घ) कृपा – क् + ऋ + प् + आ
   (ङ) होली – ह् + ओ + ल् + ई
4. (क) बालक (ख) मछलियाँ (ग) बिल्लियाँ
   (घ) रात (ङ) मालाएँ (च) पुस्तक
   (छ) गमले (ज) छात्रा
5. राजा – रानी, नाना – नानी, दादा – दादी,
   मौसा – मौसी, मामा – मामी, पुत्र – पुत्री।
6. (क) चिड़िया (उड़ रही है।)
   (ख) दिनकर दूध (पी रहा है।)
   (ग) निहारिका खाना (खा रही है।)
   (घ) मुझे दिल्ली (जाना है।)
   (ङ) गीता कविता (लिख रही है।)

कार्य-प्रपत्र–2

1. (क) जब कोई लिखकर अपने विचार दूसरों तक पहुँचाता है तो उसे 'लिखित भाषा' कहते हैं।
   (ख) (!) को विस्मयबोधक कहते हैं।
   (ग) पुरुष जाति का बोध कराने वाले शब्द 'पुल्लिग' कहलाते हैं।
   (घ) हिंदी में वचन दो प्रकार के होते हैं।
   (ङ) किसी प्राणी, वस्तु, स्थान और भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं।
2. (क) उसने (ख) आप (ग) तुम
   (घ) वे (ङ) इतना (च) हमने
   (छ) आपका
3. (क) उजाला × अँधेरा (ख) प्रेम × घृणा
   (ग) पूरब × पश्चिम (घ) दाएँ × बाएँ
   (ङ) एक × अनेक (च) सुबह × शाम
4. जल – नीर, औरत – नारी,
   हवा – समीर, बादल – मेघ,
   रात – रात्रि
5. (क) तुम बाज़ार कब जाओगे?
   (ख) मैं आज नहीं आऊँगा।
   (ग) रमेश, नायक और विवेक खेल रहे हैं।
   (घ) वाह! कितना सुंदर दृश्य है।
   (ङ) रेल दौड़ रही है।
6. (क) किसान (ख) मूर्तिकार (ग) हलवाई
   (घ) धोबी (ङ) माता

कार्य-प्रपत्र–3

1. (क) माली – मालिन (ख) चूहा – चुहिया (ग) हिरन – हिरनी
   (घ) बालक – बालिका (ङ) जेठ – जेठानी (च) बैल – गाय

2. सोमवार, मंगलवार, बुधवार, बृहस्पतिवार, शुक्रवार, शनिवार, रविवार।

3. राष्ट्रीय त्योहार – गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस, गांधी जयंती।

   धार्मिक त्योहार – होली, दीपावली, ईद, पोंगल, बैसाखी।

4. **मेरा मित्र–** मेरे मित्र का नाम विशाल है। वह बहुत परिश्रमी है। वह परीक्षा में हमेशा प्रथम आता है। वह साफ़-सफ़ाई का बहुत ध्यान रखता है। वह विद्यालय भी समय से आता है। उसका गृहकार्य कभी भी अधूरा नहीं रहता। कई बार वह मेरी भी मदद करता है। परीक्षा में नकल करते देखकर वह क्रोधित होता है। वह इसे दिमागी चोरी मानता है। किसी भी प्रतियोगिता में उसे पुरस्कार ज़रूर मिलता है। मेरा यह मित्र मेरे लिए बहुत अनमोल है।

5. यह दीपावली का दृश्य है। एक लड़का पटाखे छुड़ा रहा है। एक लड़की हाथ में फुलझड़ी लिए हुए है। माँ दीप जलाकर उन्हें जगह-जगह रख रही हैं। घर में चारों तरफ़ प्रकाश-ही-प्रकाश फैला है। इसीलिए दीपावली को 'प्रकाश पर्व' कहा जाता है सभी को दीपावली का पर्व प्रसन्नता और उल्लास से मनाना चाहिए, परंतु कभी भी लापरवाही नहीं करनी चाहिए। सावधानी न रखने से आग लगने या चोट लगने का भय बना रहता है।

6. 26/4-ए
   सिविल लाइंस
   चारबाग, लखनऊ
   उत्तर प्रदेश
   26.10.20xx

   आदरणीय पिता जी

   सादर चरण स्पर्श

   पिता जी, मुझे हिंदी की कुछ पुस्तकें चाहिए। उसमें कई रोचक कहानियाँ और कविताएँ होती हैं। मैं अपनी हिंदी को अच्छी बनाना चाहती हूँ। मैं इन पुस्तकों को पढ़ूँगी और अपने मित्रों को भी पढ़ने दूँगी। मैं जानती हूँ कि आप मेरी यह रुचि अवश्य पूरी करेंगे।

   धन्यवाद
   आपकी पुत्री
   नीलिमा

कार्य-प्रपत्र–4

1. (क) **नीला** आसमान (ख) **पका** आम
   (ग) **सुगंधित** गुलाब (घ) **हरा** तोता
   (ङ) **ठंडी** आइसक्रीम
2. (क) फूला न समाना – बहुत खुश होना
   (ख) अक्ल का दुश्मन – मूर्ख
   (ग) ईद का चाँद होना – बहुत दिनों बाद मिलना
   (घ) पीठ थपथपाना – शाबाशी देना
   (ङ) उलटी माला फेरना – बुरा सोचना
3. (क) पृष्ठ (ख) हिंदू
   (ग) परीक्षा (घ) ऋतु
   (ङ) चाहिए (च) ऊपर
4. (क) पूजा के लिए कलश तैयार है।
   (ख) सैनिक सीमा पर तैनात हैं।
   (ग) आँधी के कारण वृक्ष गिर गया।
   (घ) मेरी माँ बीमार है।
5. (क) गिलहरी की पूँछ लंबी और बालों वाली होती है।
   (ख) गिलहरी की पीठ पर तीन धारियाँ होती हैं।
   (ग) गिलहरी पेड़ों पर रहती है।
   (घ) लोग गिलहरी की पीठ पर पड़ी धारियों को भगवान राम की उँगलियों के निशान मानते हैं।
6. एक आदमी था। उसके चार लड़के थे। वे आपस में झगड़ा करते रहते थे। वे कोई काम भी नहीं करते थे। आदमी को बहुत चिंता होती थी, क्योंकि सभी लड़के अलग-अलग रहना चाहते थे। एक दिन आदमी ने एक उपाय निकाला। उसने कई छोटी-छोटी लकड़ियों का एक बंडल बनाया। बारी-बारी से सभी लड़कों को इसे तोड़ने को कहा। उसे कोई भी नहीं तोड़ सका। फिर उसने सभी लकड़ियों को अलग कर दिया। अब उन्हें तोड़ना आसान हो गया। पिता ने कहा कि यदि तुम मिलकर नहीं रहोगे तो तुम्हें कोई भी कमज़ोर कर सकता है। बेटों को अपने पिता की बात समझ में आ गई। उसी दिन से वे मिलकर प्रेम से रहने लगे।

मेरी भाषा मेरी पहचान, भाग-4

1. भाषा और व्याकरण

बोलने की बारी

(क) भाषा वह साधन है जिसके द्वारा हम अपने विचारों को व्यक्त करते हैं तथा दूसरे के विचारों को समझते हैं।

(ख) व्याकरण वह शास्त्र है जिसके द्वारा भाषा को शुद्ध रूप में बोलना, पढ़ना और लिखना सीखा जाता है।

लिखने की बारी

1. मौखिक भाषा, लिखित भाषा, लिखित भाषा।

2.
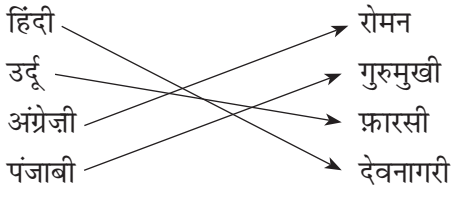

3. (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✗
   (घ) ✗ (ङ) ✗

4. (क) **भाषा** द्वारा हम अपनी बात दूसरों तक पहुँचाते हैं।
   (ख) समाचार-पत्र पढ़ना भाषा का **लिखित** रूप है।
   (ग) भाषा के दो रूप हैं– मौखिक और **लिखित**।
   (घ) बातचीत भाषा का **मौखिक** रूप है।
   (ङ) हिंदी भारत की **राजभाषा** है।
   (च) **व्याकरण** हमें शुद्ध रूप में लिखना और पढ़ना सिखाता है।

5. असम – असमिया, ओडिशा – उड़िया, गुजरात – गुजराती, पंजाब – पंजाबी, केरल – मलयालम, महाराष्ट्र – मराठी, तमिलनाडु – तमिल, राजस्थान – राजस्थानी, कश्मीर – कश्मीरी।

सोचने की बारी

- पंजाबी परिवार द्वारा बोली जाने वाली भाषा की लिपि गुरुमुखी होगी।
- गूँगा बच्चा अपने मन के भावों को इशारे से बताएगा।

खेलने की बारी

महाराष्ट्र – मराठी, गुजरात – गुजराती, पंजाब – पंजाबी, बंगाल – बांग्ला, कश्मीर – कश्मीरी, ओडिशा – उड़िया, कर्नाटक – कन्नड़।

2. वर्ण, वर्णमाला और मात्राएँ

बोलने की बारी

(क) वह छोटी-से-छोटी ध्वनि की इकाई, जिसके और टुकड़े नहीं किए जा सकते हों, 'वर्ण' कहलाती है।

(ख) वर्णों के व्यवस्थित समूह को 'वर्णमाला' कहते हैं।

लिखने की बारी

1. क्ष – क्षत्रिय, क्षण, क्षमा ज्ञ – ज्ञाता, ज्ञानी, आज्ञा
   त्र – त्रिभुज, त्रिकाल, रात्रि श्र – श्रमिक, श्रवण, परिश्रम
2. (क) वर्ण भाषा की सबसे **छोटी** इकाई है।
   (ख) 'अं' को **अनुस्वार** कहते हैं।
   (ग) वर्ण के दो भेद होते हैं–स्वर और **व्यंजन**।
   (घ) एक निश्चित क्रम में बँधा वर्णों का समूह **वर्णमाला** कहलाता है।
   (ङ) क्ष, त्र, ज्ञ और श्र हिंदी भाषा में प्रयुक्त किए जाने वाले **संयुक्त** अक्षर हैं।
3. (क) बादल (ख) किताब (ग) तितली
   (घ) गुलाब (ङ) पर्वत (च) आसमान
4. (क) क्क – पक्का, चक्का, मक्का
   (ख) च्च – चम्मच, सच्चा, बच्चा
   (ग) प्प – ठप्पा, खप्पर, छप्पर
   (घ) स्व – राजस्व, ह्रस्व, स्वतंत्र
5. सिंह ऊँट अँधेरा
   चाँद बंदर आँख

मुँह	साँप	चंदन
पतंग	माँ	अंदर
गंगा	अंश	कंस

6. (क) र् – पर्व, हर्ष
   (ख) ्र – प्रकाश, प्रगति
   (ग) ्र – ड्रम, ट्रक
7. (क) ✗ (ख) ✓
   (ग) ✓ (घ) ✓

सोचने की बारी

- यदि वर्णमाला में स्वर नहीं होते तो उनका उच्चारण करना संभव न होता।
- यदि वर्णमाला में क्रम बदल दिया जाए तो भाषा में अल्पप्राण और महाप्राण का कोई महत्व न रहेगा।

खेलने की बारी

क्ष – क्षमा, रक्षक, क्षण
त्र – त्रिभुज, पत्र, मित्र
ज्ञ – ज्ञान, यज्ञ, अज्ञान
श्र – विश्राम, श्रम, आश्रम

3. शब्द

बोलने की बारी

(क) वर्णों के सार्थक समूह को 'शब्द' कहते हैं। इसके दो भेद हैं–सार्थक शब्द और निरर्थक शब्द।
(ख) ऐसे ध्वनि समूह जिनके अपने अर्थ नहीं होते, उन्हें 'निरर्थक शब्द' कहते हैं।

लिखने की बारी

1. (क) अधिक (ख) टोकरी (ग) मगर
   (घ) डंडा (ङ) लड़की (च) कमीज़
   (छ) साड़ी (ज) झंडा

2. (क) सार्थक शब्द–मुरगा, बूँद, आदमी, रात, घोड़ा

(ख) निरर्थक शब्द–लागम, धापौ, लमक, थीहा, कयगा

3. (क) ✓ (ख) ✗

(ग) ✓ (घ) ✗

4. (क) वर्णों के सार्थक समूह को (ख) दो

(ग) वाय (घ) सुबह

सोचने की बारी

- छात्र अपने अनुसार बोलेंगे।
- छात्र अपने अनुसार बोलेंगे।

खेलने की बारी

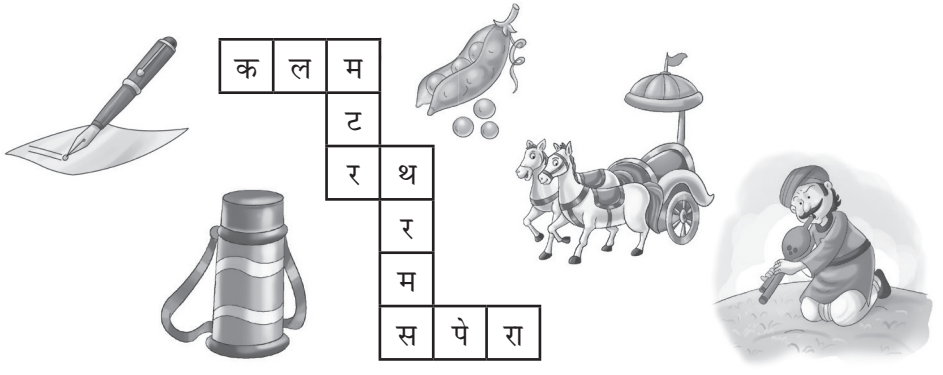

4. वाक्य

बोलने की बारी

(क) किसी विचार या भाव को पूरी तरह स्पष्ट करने वाले सार्थक शब्दों के समूह को 'वाक्य' कहते हैं।

(ख) वाक्य के दो अंग हैं–उद्देश्य और विधेय। तोता अमरूद खा रहा है। इस वाक्य में 'तोता' उद्देश्य है। 'फल खा रहा है।' वाक्य का विधेय है।

लिखने की बारी

1. (क) वाक्य (ख) दो (ग) उद्देश्य
   (घ) उद्देश्य (ङ) विधेय
2. (क) **पक्षी** उड़ते हैं। (ख) **शेर** दहाड़ता है (ग) **मोर** नाचता है।
3. (क) ✗ (ख) ✗
   (ग) ✓ (घ) ✗
4.

	उद्देश्य	**विधेय**
(क)	शेर	जंगल का राजा होता है।
(ख)	जोकर	करतब दिखा रहा है।
(ग)	लड़के	क्रिकेट खेल रहे हैं।
(घ)	बच्चों ने	पौधे लगाए।

सोचने की बारी

- वाक्यों में गलत शब्दों का चयन करने से वाक्य अशुद्ध होगा।
- अपने खिलौने के विषय में बच्चे स्वयं बताएँगे। शिक्षक/शिक्षिका द्वारा रुचि-परीक्षण किया जाना चाहिए।

5. संज्ञा

बोलने की बारी

(क) किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान, भाव, अवस्था या दशा आदि के नाम को 'संज्ञा' कहते हैं।

(ख) भाववाचक संज्ञा शब्दों की रचना जातिवाचक संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया शब्दों से होती है।

लिखने की बारी

1.

व्यक्तिवाचक संज्ञा	**जातिवाचक संज्ञा**	**भाववाचक संज्ञा**
रामायण	फूल	मिठास
मयंक	कलम	पढ़ाई

गंगा	बच्चा	मित्रता
नरेंद्र मोदी	बस्ता	लिखाई
पंजाब	बूढ़ा	धुलाई

2. (क) बचपन (ख) पढ़ाई (ग) वीरता (घ) अच्छाई (ङ) हार (च) शत्रुता

3. (क) आम की मिठास चखो।

आम – व्यक्तिवाचक, मिठास – भाववाचक

(ख) सेजल को ईमानदारी पसंद है।

सेजल – व्यक्तिवाचक, ईमानदारी – भाववाचक

(ग) अंकिता विद्यालय जा रही है।

अंकिता – व्यक्तिवाचक, विद्यालय – जातिवाचक

(घ) माँ की ममता अनमोल है।

माँ – जातिवाचक, ममता – भाववाचक

(ङ) गंगा हिमालय से निकलती है।

गंगा – व्यक्तिवाचक, हिमालय – व्यक्तिवाचक संज्ञा।

4. (क) राजीव, राहुल (ख) इंदौर, पटना

(ग) झेलम, सरयू

सोचने की बारी

- भाववाचक संज्ञा को हम केवल महसूस कर सकते हैं।
- इसका उत्तर छात्र स्वयं लिखेंगे।

खेलने की बारी

छात्र चकमक, चंपक, सुमन, सौरभ जैसी बाल पत्रिकाओं को मँगवाकर चित्र संकलन करें और भेद लिखें।

मूल्यांकन पत्र-1

(अध्याय 1 से 5 तक)

1. (क) अपने भावों और विचारों को प्रकट करने और समझने के साधन को 'भाषा' कहते हैं।

(ख) जिस ध्वनि के टुकड़े न किए जा सके, उसे 'वर्ण' कहते हैं।

(ग) जिन शब्दों का कोई अर्थ नहीं होता, उन्हें 'निरर्थक शब्द' कहते हैं।

(घ) वाक्य के दो अंग होते हैं–उद्देश्य और विधेय।

(ङ) किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान, भाव, अवस्था या दशा आदि के नाम को 'संज्ञा' कहते हैं।

2. 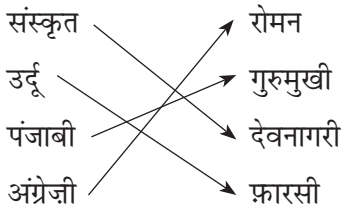

3. (क) आसमान (ख) तितली
(ग) पर्वत (घ) गुलाब
(ङ) किताब

4. (क) क्क – पक्का, चक्का, मक्का (ख) ल्ल – पल्लव, छल्ला, निठल्ला
(ग) स्स – रस्सी, लस्सी, अस्सी (घ) स्व – राजस्व, स्वतंत्र, ह्रस्व
(ङ) च्छ – मच्छर, गुच्छा, अच्छा

5. व्यक्तिवाचक संज्ञा – महात्मा गांधी, हिमालय, लाल किला
जातिवाचक संज्ञा – पुस्तक, चिड़िया, जानवर
भाववाचक संज्ञा – शत्रुता, बचपन, बुढ़ापा

6. (क) बुढ़ापा (ख) मिठास
(ग) वीरता (घ) अच्छाई
(ङ) हार (च) शत्रुता

7. हथिनी, गायक, नौकर, पुजारी, शत्रुता, सेठानी, आदमी, सेविका, बालिका, वीरता

8. (क) मोर (ख) बच्चे (ग) भालू

6. लिंग

बोलने की बारी

(क) शब्द के जिस रूप से उसके स्त्री या पुरुष जाति के होने का बोध हो, उसे 'लिंग' कहते हैं।

(ख) शब्द के जिस रूप से उसके पुरुष जाति के होने का बोध हो, उसे 'पुल्लिग' कहते हैं; जैसे–छात्र, अध्यापक, दूल्हा, राजा।

शब्द के जिस रूप से उसके स्त्री जाति के होने का बोध हो, उसे 'स्त्रीलिंग' कहते हैं; जैसे–छात्रा, अध्यापिका, दुल्हन, रानी।

लिखने की बारी

1. (क) राजा – पुल्लिग, रानी – स्त्रीलिंग
   (ख) लड़का – पुल्लिग, लड़की – स्त्रीलिंग
   (ग) बैल – पुल्लिग, गाय – स्त्रीलिंग
   (घ) माली – पुल्लिग, मालिन – स्त्रीलिंग
   (ङ) मुरगा – पुल्लिग, मुरगी – स्त्रीलिंग
   (च) आदमी – पुल्लिग, औरत – स्त्रीलिंग
2. सेवक – सेविका सेठ – सेठानी गायक – गायिका
   शिक्षक – शिक्षिका मुरगा – मुरगी
3. (क) **अध्यापक** ने अंग्रेज़ी पढ़ाई, **अध्यापिका** ने हिंदी।
   (ख) **नायक** और **नायिका** अभिनय कर रहे थे।
   (ग) **लड़का** और **लड़की** एक समान हैं।
   (घ) **चिड़िया** दाना चुग रही है और **चिड़ा** पेड़ पर बैठा है।
4. पुल्लिग – मेज़, फूल, कपड़ा, बैल
   स्त्रीलिंग – कुरसी, सड़क, चाबी, चादर

सोचने की बारी

- पुस्तक – स्त्रीलिंग, कॉपी – स्त्रीलिंग। छात्र स्वयं भी बोलेंगे और लिखेंगे।
- छात्र स्वयं बताएँगे; जैसे–टिफिन-स्त्रीलिंग, पानी-पुल्लिग, बोतल-स्त्रीलिंग।

खेलने की बारी

पुल्लिग – चित्र, परदा, दादा जी, पिता जी, लड़का, फूल, मेज़, फल।

स्त्रीलिंग – मिठाई, रंगोली, लड़की, माता जी, देवी, अलमारी, रसोई, थाली।

7. वचन

बोलने की बारी

(क) शब्द के जिस रूप से उसके एक या अनेक होने का बोध हो, उसे 'वचन' कहते हैं।

(ख) एकवचन से किसी के एक होने का बोध होता है, परंतु बहुवचन से एक से अधिक होने का बोध होता है; जैसे–इमारत – एकवचन, इमारतें – बहुवचन।

लिखने की बारी

1. 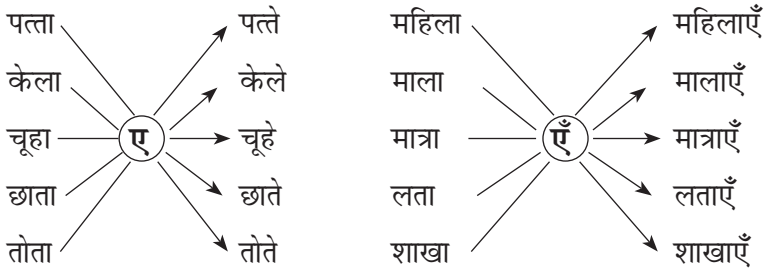

2. (क) एकवचन (ख) बहुवचन (ग) बहुवचन
   (घ) बहुवचन (ङ) बहुवचन (च) बहुवचन

3. (क) मेहुल ने दस **संतरे** खाए। (ख) **लड़कियाँ** मन लगाकर पढ़ती हैं।
   (ग) कल घर की **चाबियाँ** खो गईं। (घ) तुम अपनी **दवाइयाँ** खा लो।
   (ङ) मेज़ पर **केले** रखे हैं।

4. (क) मैदान में पाँच **बच्चे** दौड़ रहे हैं।
   (ख) नानी ने दो **कहानियाँ** सुनाईं।
   (ग) **गायें** घास चर रही हैं।
   (घ) **रातें** लंबी हो गई हैं।

5. एकवचन – पतंग, लड़का, घोड़ा, गाय, टोपी।
   बहुवचन – पतंगे, लड़के, घोड़े, गायें, टोपियाँ।

सोचने की बारी

- आकाश में तारों की संख्या अनेक हैं।
- भीड़, पानी।

खेलने की बारी

एक – सिर, नाक, पेट, पीठ, गला।

अनेक – हाथ, आँख, पैर, भौंह, उँगली।

8. सर्वनाम

बोलने की बारी

(क) जो शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाते हैं, उन्हें 'सर्वनाम' कहते हैं; जैसे– **सुशीला** पढ़ रही है। (सुशीला – संज्ञा)। **वह** पढ़ रही है। (**वह** – सर्वनाम)।

(ख) प्रश्न पूछने के लिए क्या, क्यों, कब, कैसे, किसके लिए आदि सर्वनामों का प्रयोग किया जाता है।

लिखने की बारी

1. (क) नमन – माँ **मैं** बाज़ार जा रहा हूँ।
   माँ – **तुम्हारे** साथ और **कौन** है?
   नमन – **मेरे** साथ **मेरा** मित्र है।
   माँ – **तुम** घर जल्दी आ जाना।
   नमन – **हम** सभी समय से वापस लौट आएँगे।

   (ख) सारांश – मैम! क्या **मैं** भीतर आ सकता हूँ?
   अध्यापिका – आज **तुम** फिर देर से आए हो?
   सारांश – **मेरी** बस छूट गई थी।
   अध्यापिका – **तुम्हारे** पास तो रोज़ नया बहाना रहता है।
   सारांश – **आप** नाराज़ न हों। **मैं** कल से समय पर जाऊँगा।

2. (क) आयुषी से **उसकी** सहेली ने होमवर्क की कॉपी माँगी।
   (ख) आयुष और **उसके** मित्रों ने आज क्रिकेट खेला।
   (ग) वैभव और **उसका** भाई बाज़ार गए हैं।
   (घ) श्रेष्ठ ने **अपने** मित्र से **अपनी** कलम वापस माँगी।

3.

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
यह	ये	तू	तुम
तेरा	तुम्हारा	मैं	हम
मेरा	हमारा	उसने	उन्होंने
वह	वे	मुझे	हमें

4. (क) आपका कार्य पूरा हो चुका है। (ख) वह सड़क के किनारे खड़ा था।
(ग) मैं समय से विद्यालय जाता हूँ। (घ) यह लाल गुलाब है।
(ङ) उनका सामान मेरे पास है।

सोचने की बारी

- मैं पूरे दिन में मैं, हम, तुम, वह, कौन आदि सर्वनाम शब्दों का प्रयोग करता हूँ।
- तुम, वह, वे आदि।

खेलने की बारी

(क) कौन (ख) स्वयं (ग) कुछ
(घ) जिसने, वही (ङ) मैं

9. विशेषण

बोलने की बारी

(क) संज्ञा या सर्वनाम के गुण या विशेषता बताने वाले शब्दों को 'विशेषण' कहते हैं; जैसे–मेरे पास **सुंदर** कमीज़ है। इसमें 'सुंदर' शब्द कमीज़ की विशेषता बता रहा है। अत: 'सुंदर' शब्द विशेषण है।

(ख) विशेषण शब्द संज्ञा व सर्वनाम शब्दों के गुण, संख्या, मात्रा आदि के बारे में बताते हैं।

(ग) विशेषण के चार भेद होते हैं–

गुणवाचक – कुतुबमीनार **ऊँची** मीनार है।

संख्यावाचक – प्लेट में **चार** रसगुल्ले हैं।

परिमाणवाचक – बाज़ार से **चार किलो** आलू लाओ।

सार्वनामिक या संकेतवाचक विशेषण – **यह** घर मेरा है।

लिखने की बारी

1. (क) दो (ख) वह (ग) चार मीटर
   (घ) यह (ङ) विशेष्य
2. (क) वह (गोरा) लड़का (लाल) पतंग उड़ा रहा है।
   (ख) वह (मोटा) सेठ (बहुत अमीर) है।
   (ग) बगीचे में (दो) माली काम कर रहे हैं।
   (घ) अंकल मुझे (एक दर्ज़न मीठे) केले दे दो।
   (ङ) मम्मी मुझे (कुछ) खिलौने खरीद दो।
   (च) आसमान में (असंख्य) तारे हैं।
3. (क) मदर टेरेसा एक **दयालु** महिला थीं।
   (ख) हिंदुस्तान **दैनिक** अख़बार है।
   (ग) लता मंगेशकर **मधुर** स्वर में गाती थीं।
   (घ) मैं यह **छोटा** खिलौना नहीं लूँगा।
   (ङ) वह **पीली** फ्रॉक वाली लड़की, मेरी बहन है।
4.

विशेषण	**विशेष्य**
सुनहरी	मछली
नटखट	बंदर
होशियार	बच्चा
थोड़ा	पानी
काले	बादल

सोचने की बारी

- बाज़ार से पाँच मीटर कपड़ा लाओ।
- छात्र स्वयं बताएँगे।

खेलने की बारी

बाएँ से दाएँ–झूठा, कुरूप, चतुर, छोटा, काला, ऊँचा, वीर।

ऊपर से नीचे–कायर, मुलायम, ऊँची, चार, बदबूदार, ईमानदार।

10. क्रिया

बोलने की बारी

(क) जिन शब्दों से किसी कार्य के करने या होने का पता चले, उसे 'क्रिया' कहते हैं।

(ख) वचन और लिंग के आधार पर क्रिया के रूप में परिवर्तन होता है।

लिखने की बारी

1. (क) बच्चे क्रिकेट **खेल रहे हैं**। (ख) फूल **खिले** हैं।
   (ग) लड़की रस्सी **कूद रही है**। (घ) गाय घास **चर रही है**।
   (ङ) दादा जी छड़ी लेकर **टहल रहे हैं**। (च) पक्षी आसमान में **उड़ रहे हैं**।
2. (क) चिड़िया घोंसला **बना रही है**। (ख) माँ खीर **पकाएँगी**।
   (ग) बच्चे कक्षा में **पढ़ रहे हैं**। (घ) मछली तालाब में **तैर रही है**।
   (ङ) हमें सबकी मदद **करनी** चाहिए।
3. सावित्री ध्यानपूर्वक पढ़ रही है।
   वह हँस रही थी।
   राघव बीमारी के कारण चल नहीं पा रहा है।
   माली फूल तोड़ रहा है।
4. (क) ममता पढ़ रही है। (ख) राजा शिकार खेलेंगे।
   (ग) मैं विद्यालय जाता हूँ। (घ) पुलिस ने चोर पकड़ा।
   (ङ) अशोक घर चला गया। (च) पारुल नाच रही है।
5. मैं सुबह समय से उठता हूँ। अपने सभी कार्य समय पर पूरे करता हूँ। विद्यालय भी समय से पहुँचता हूँ। मैं पूरे मन से पढ़ाई करता हूँ। मैं शाम को खेलने जाता हूँ। वहाँ से आकर पढ़ाई करता हूँ और खाना खाकर सो जाता हूँ।

सोचने की बारी

- समय पर विद्यालय न पहुँचने से नुकसान–
  – पाठ नहीं पढ़ सकेंगे।
  – गृहकार्य नहीं मिल सकेगा।

– कक्षा से निकाला जा सकता है।

– घर पर शिकायत आ सकती है।

– परीक्षा में सफलता नहीं मिलेगी।

- स्वयं से होने वाली क्रियाएँ हैं–

  – फूलों का खिलना, पानी बरसना, सूर्योदय और, सूर्यास्त होना आदि क्रियाएँ स्वयं होती हैं।

मूल्यांकन पत्र–2

(अध्याय 6 से 10 तक)

1. (क) शब्द के जिस रूप से उसके पुरुष या स्त्री जाति के होने का बोध हो, उसे 'लिंग' कहते हैं।

   (ख) शब्द के जिस रूप से उसके एक या एक से अधिक होने का बोध हो, उसे 'वचन' कहते हैं।

   (ग) संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले शब्दों को 'सर्वनाम' कहते हैं।

   (घ) संज्ञा या सर्वनाम की गुण-विशेषता बताने वाले शब्दों को 'विशेषण' कहते हैं।

   (ङ) जिस शब्द से किसी कार्य के करने या होने का पता चले, उसे 'क्रिया' कहते हैं।

2. **पुल्लिंग शब्द**–महोदय, चिड़ा, बकरा, श्रीमान, बैल, पंडित।

   स्त्रीलिंग शब्द–महोदया, चिड़िया, बकरी, श्रीमती, गाय, पंडिताइन।

3. (क) अनुभव ने दस **केले** खाए।

   (ख) **लड़कियाँ** मन लगाकर पढ़ती है।

   (ग) कल घर की **चाबियाँ** खो गई।

   (घ) तुम अपनी **दवाइयाँ** खा लो।

   (ङ) मेज़ पर **संतरे** रखे हैं।

4.

एकवचन	**बहुवचन**	**एकवचन**	**बहुवचन**
यह	ये	तू	तुम
तेरा	तुम्हारा	मैं	हम
मेरा	हमारा	उसने	उन्होंने
वह	वे	मुझे	हमें

5.

	विशेषण	**विशेष्य**
(क)	सुनहरी	मछली
(ख)	नटखट	बंदर
(ग)	होशियार	बच्चा
(घ)	थोड़ा	पानी
(ङ)	काले	बादल

6. (क) चिड़िया घोंसला **बना रही है**।

   (ख) माँ खीर **पकाएँगी**।

   (ग) बच्चे कक्षा में **पढ़ रहे हैं**।

   (घ) मछली तालाब में **तैर रही है**।

   (ङ) हमें सबकी मदद **करनी** चाहिए।

7. (क) आपका स्वास्थ्य कैसा है?

   (ख) वह राष्ट्र से प्रेम करता है।

   (ग) उसने खाना खा लिया है।

   (घ) यह उपवन मेरा है।

   (ङ) मैं दूसरों की बातों को ध्यान से सुनता हूँ।

11. पर्यायवाची शब्द

बोलने की बारी

(क) जिन शब्दों के अर्थ समान होते हैं, उन्हें 'पर्यायवाची शब्द' कहा जाता है।

(ख) भाषा को प्रभावशाली बनाए रखने के लिए समानार्थी शब्दों का प्रयोग पूरी सावधानी से करना चाहिए। अन्यथा भाषा अटपटी लगती है।

लिखने की बारी

1. (क) भूधर (ख) जंगल (ग) भवन

   (घ) पवन (ङ) नयन (च) नीर

2. (क) अनल (ख) मन
(ग) पाणि (घ) कुआँ
(ङ) ताल

3. राजा – नृप, नरेश बाग – कानन, उपवन
घोड़ा – अश्व, तुरंग पृथ्वी – धरा, वसुधा
रात – निशा, रजनी नया – नवल, नूतन

सोचने की बारी

- पानी – नीर, अंबु; गाय – सुरभी, गौ
- बच्चे स्वयं बताएँ।

खेलने की बारी

पेड़ – तरु, विटप **आग** – अग्नि, पावक
पहाड़ – अचल, भूधर **तालाब** – सरोवर, तड़ाग
हाथ – कर, पाणि **पक्षी** – खग, पखेरू

12. विलोम शब्द

बोलने की बारी

(क) जो शब्द एक-दूसरे के उलटे अर्थ बताते हैं, उन्हें 'विलोम शब्द' कहते हैं।

(ख) विलोम शब्दों के ज्ञान से भाषा पर पकड़ मज़बूत होती है और शब्द-भंडार बढ़ता है।

लिखने की बारी

1. (क) सफ़ेद × काला (ख) दूर × पास
(ग) न्याय × अन्याय (घ) अनुचित × उचित
(ङ) परतंत्र × स्वतंत्र (च) शुभ × अशुभ

2. मित्र × शत्रु शुद्ध × अशुद्ध
अंधकार × प्रकाश सज्जन × दुर्जन

सच × झूठ　　उदय × अस्त

गुण × अवगुण

3. (क) पाप का फल **बुरा** होता है जबकि धर्म का अच्छा।

(ख) मेरा घर विद्यालय के पास है जबकि प्रभा का दूर।

(ग) सबको **मान** अच्छा लगता है न कि अपमान।

(घ) आसमान में चंद्रमा **एक** है परंतु तारे अनेक।

(ङ) गांधी जी ने **हिंसा** का **विरोध** तथा अहिंसा का समर्थन किया था।

4. (क) मैं **दिन** से लेकर **रात** तक यहीं रहूँगा।

(ख) रवि **बुद्धिमान** है, लेकिन रवीश **मूर्ख** है।

(ग) सभी से **प्रेम** करो, **घृणा** नहीं।

(घ) दिए गए **प्रश्न** का **उत्तर** लिखो।

(ङ) **निडर** बनो, **डरपोक** नहीं।

(च) विद्यालय में **अमीर** और **गरीब** सभी समान हैं।

5. (क) हमें सदा सच बोलना चाहिए। – झूठ बोलना पाप है।

(ख) जीवन में उचित कार्य करना चाहिए। – अनुचित कार्य करना हानिकारक है।

(ग) बिना विचार-विमर्श के कार्य करने से हानि होती है। – सोच-समझकर कार्य करने से लाभ होता है।

सोचने की बारी

- हार से निराश नहीं होना चाहिए। हार-जीत जीवन में लगी रहती है।
- हार मनुष्य को बहुत कुछ सिखाकर जाती है।
- छात्र स्वयं बताएँगे।

खेलने की बारी

अंदर × बाहर	लाभ × हानि	सुख × दुख
नवीन × प्राचीन	नीचा × ऊँचा	आदर × अनादर

13. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

बोलने की बारी

(क) ऐसे शब्द जो अनेक शब्दों के स्थान पर प्रयोग किए जाते हैं, वे अनेक शब्दों के लिए एक शब्द कहलाते हैं।

(ख) अनेक शब्दों के लिए एक शब्द का प्रयोग करने से भाषा प्रभावशाली हो जाती है।

लिखने की बारी

1. जीवनभर रहने वाला – आजीवन
   छाया देने वाला – छायादार
   जो दिखाई न दे – अदृश्य
   जो श्रम करता हो – श्रमिक
   प्रतिदिन होने वाला – दैनिक

2. (क) अदृश्य (ख) अतिथि
   (ग) साक्षर (घ) निडर

3. (क) ईश्वर में विश्वास नहीं करने वाला (ख) चुप रहने वाला
   (ग) जिसका कोई अंत न हो (घ) सुनने वाला
   (ङ) चिकित्सा करने वाला

4. साथ पढ़ने वाला – सहपाठी चित्र बनाने वाला – चित्रकार
   कृषि करने वाला – कृषक

सोचने की बारी

- शिक्षक/शिक्षिका द्वारा परिचर्चा की जानी चाहिए।
- छात्र स्वयं बताएँगे।

खेलने की बारी

(क) विदेशी (ख) अभिनेता (ग) कवि
(घ) ग्रामीण (ङ) शिक्षक (च) मासिक

14. अनेकार्थी शब्द

बोलने की बारी

(क) ऐसे शब्द जिनके एक से अधिक अर्थ होते हैं, उन्हें 'अनेकार्थी शब्द' कहते हैं।

(ख) 'पर' शब्द के अर्थ हैं–पंख, लेकिन।

लिखने की बारी

1. मगरमच्छ – मगर – परंतु
   अक्षर – वर्ण – जाति
   पहले – पूर्व – एक दिशा
   समाप्त – मत – वोट
   मना करना – बस – गाड़ी
   पराजय – हार – माला
   समाधान – हल – खेत जोतने का यंत्र
2. नाना – अनेक, माँ के पिता
   आम – सामान्य, एक फल
   कल – मशीन, आने वाला कल
   चोटी – शिखर, बाल की चोटी
   उत्तर – जवाब, एक दिशा
3. (क) पूर्व – पहले, दिशा
   (ख) पर – पंख, लेकिन
   (ग) फल – खाने का फल, परिणाम
   (घ) हल – समाधान, खेत जोतने का यंत्र
4. वर → दूल्हा – वधु ने वर को माला पहनाई।
   वर → वरदान – मैं तुम्हें दो वर देना चाहता हूँ।
   पर → पंख – गिद्ध के पर बहुत बड़े और भारी होते हैं।
   पर → परंतु – वह दिल्ली गया पर उसने इंडिया गेट नहीं देखा।

सोचने की बारी

- फल – खाने वाला फल, नतीजा।
- छात्र स्वयं बताएँगे।

15. अशुद्धि-शोधन

बोलने की बारी

(क) बोलते समय या लिखते समय उच्चारण एवं व्याकरण के नियमों की जानकारी न होने के कारण वर्तनी में अशुद्धियाँ होती हैं।

(ख) वाक्यों में होने वाली अशुद्धियों का कारण है–सर्वनाम, क्रिया, लिंग, वचन एवं कारक की सही जानकारी का न होना।

लिखने की बारी

1. शरीर, अतिथि, प्रकाश, पुरुष, परीक्षा, समूह, पुत्र, चाँद, विशेष।

2. (क) (*ii*) तुम्हारा बैग भारी है। (ख) (*iv*) वर्षा लगातार हो रही है।
   (ग) (*iv*) क्या आपने खा लिया?

3. (क) वहाँ गाय का शुद्ध दूध मिलेगा। (ख) कल विद्यालय बंद रहेगा।
   (ग) आज मेरा जन्मदिन है। (घ) मुझे रसगुल्ले पसंद हैं।

4. (क) मेरी नानी जी आई हैं। (ख) चाकू से फल काटो।
   (ग) मैं हँस पड़ा। (घ) सुशील बड़ा बदमाश है।

सोचने की बारी

- व्याकरण की जानकारी न होने के कारण भाषा में अशुद्धियाँ होती हैं।
- छात्र स्वयं सोचकर बताएँगे।

खेलने की बारी

(क) पत्नी (ख) व्यक्ति (ग) कठिनाई (घ) निश्चित
(ङ) कृपा (च) पृथ्वी (छ) आशीर्वाद

मूल्यांकन पत्र–3
(अध्याय 11 से 15 तक)

1. (क) समान अर्थ बताने वाले शब्दों को 'पर्यायवाची शब्द' कहते हैं।

(ख) विलोम शब्दों के ज्ञान से शब्द-भंडार बढ़ता है और भाषा प्रभावशाली होती है।

(ग) ऐसे शब्द जो अनेक शब्दों के स्थान पर प्रयोग किए जाते हैं, वे 'अनेक शब्दों के लिए एक शब्द' कहलाते हैं।

(घ) जिन शब्दों के एक से अधिक अर्थ होते हैं, उन्हें 'अनेकार्थी शब्द' कहते हैं।

(ङ) व्याकरण का ज्ञान न होने के कारण वाक्य संबंधी/अशुद्धियाँ होती हैं।

2. (क) पेड़ – तरु, विटप (ख) आग – पावक, अग्नि (ग) आँख – नेत्र, नयन

3. (क) ईश्वर में विश्वास न रखने वाला (ख) चुप रहने वाला
(ग) जिसका कोई अंत न हो (घ) चिकित्सा करने वाला

4. (क) रोगी – निरोगी (ख) दूर – पास
(ग) न्याय – अन्याय (घ) अनुचित – उचित
(ङ) परतंत्र – स्वतंत्र (च) शुभ – अशुभ

5. (क) वर्ण – रंग, जाति (ख) मगर – लेकिन, मगरमच्छ
(ग) हल – खेत जोतने का यंत्र, समाधान (घ) आम – एक फल, साधारण
(ङ) जग – एक बरतन, संसार

6. (क) चाहिए (ख) अंग्रेज़ी
(ग) इसलिए (घ) त्योहार
(ङ) चिह्न (च) सौजन्य

7. (क) क्या आप घर जा रहे हैं। (ख) आसमान में चाँद निकल आया।
(ग) मैंने यह काम नहीं किया। (घ) यह मेरी छोटी बहन है।
(ङ) मछली तैर रही है।

16. विराम-चिह्न

बोलने की बारी

1. (क) ठहराव या विश्राम दर्शाने के लिए जिन चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें 'विराम-चिह्न' कहते हैं।

(ख) थोड़े समय तक रुकने के लिए अल्प-विराम का प्रयोग किया जाता है।

2. आपस में बातचीत के द्वारा विस्मयादिबोधक चिह्न का प्रयोग समझाया जाना चाहिए। यह कक्षा-कार्य शिक्षक/शिक्षिका द्वारा किया जाना चाहिए।

लिखने की बारी

1. (क) क्या तुम कल स्कूल जाओगे?

   (ख) वाह! कितना मीठा आम है।

   (ग) रुचि, रिया और हिमांगी खेल रही हैं।

   (घ) काश! मैं उड़ सकती।

2. (क) तुम घर कब जाओगे? (ख) आप कौन-सी कक्षा में पढ़ते हैं।

   (ग) अरे! तुम आ गए। (घ) प्रकाश, युवराज और राघव कल आएँगे।

   (ङ) हैलो, गौरी! मैं सीमा बोल रही हूँ।

3. (क) (।) पूर्ण विराम, (?) प्रश्नवाचक (,) अल्प-विराम, (!) विस्मयादिबोधक

4. (क) टोकरी में कौन-कौन से फल हैं? इसमें केले, सेब और आम हैं। केले पककर पीले हो चुके हैं। दोनों सेब बिलकुल लाल हैं।

   (ख) माली क्या लगा रहा है? वह छोटा-सा पौधा लगा रहा है; बड़ा होकर यह पेड़ बन जाएगा। वाह! पास में ही सींचने के लिए फव्वारा भी रखा है।

   (ग) वाह! क्या वर्षा का दृश्य है। बहुत मूसलाधार (तेज़) वर्षा हो रही है। लड़के ने छाता लगा रखा है। वह अपने हाथ से किसी तरफ़ इशारा कर रहा है।

सोचने की बारी

- नहीं, हमें अपने सभी कार्य बिना रुके नहीं करने चाहिए। उन पर रुककर विचार भी करना चाहिए।
- अर्थ स्पष्ट नहीं होगा। इससे बात करने का उद्देश्य पूरा न होगा।

17. मुहावरे

बोलने की बारी

(क) अपना सामान्य अर्थ न देकर विशेष अर्थ देने वाला वाक्य 'मुहावरा' कहलाता है।

(ख) मुहावरों से भाषा प्रभावशाली हो जाती है।

लिखने की बारी

1. (क) चुगली करना (ख) बहुत प्रिय (ग) गुस्सा होना
   (घ) डर जाना (ङ) बहुत शोर करना
2. घोड़े बेचकर सोना – निश्चिंत होना हाथ मलना – पछताना
   कान पकड़ना – भूल स्वीकार करना फूला न समाना – बहुत प्रसन्न होना
   कमर कसना – तैयार होना आँखों का तारा – बहुत प्रिय होना
3. (क) पुलिस को देखते ही चोर **नौ दो ग्यारह हो गया**।
   (ख) प्रतियोगिता में प्रथम आने पर माँ ने मेरी **पीठ थपथपाई**।
   (ग) रवि **अक्ल का दुश्मन** है, किसी की कुछ नहीं सुनता।
   (घ) मैंने दिवेश से साइकिल माँगी, तो उसने **अँगूठा दिखा दिया**।
   (ङ) परीक्षा में प्रथम आने के लिए प्रिया ने **कमर कस ली**।

सोचने की बारी

- छात्र स्वयं सोचकर बोलेंगे।
- नाक में दम करना–परेशान करना
  छत्रपति शिवाजी ने औरंगजेब की नाक में दम कर दिया था।

खेलने की बारी

- अँगूठा दिखाना – इनकार करना
  मुझे ऐसे लोग पसंद नहीं जो वादा करके अँगूठा दिखा दे।
- जी चुराना – काम से बचने के लिए बहाना बनाना।
  आलसी सौरभ सदा काम से जी चुराता रहता है।
- कान भरना – चुगली करना
  भुवन हमेशा दूसरों के कान भरता रहता है।
- दाँतों तले उँगली दबाना – आश्चर्य करना।
  ताजमहल को देख सभी लोग दाँतों तले उँगली दबा लेते हैं।

18. दिन और महीने

लिखने की बारी

1. सोमवार, मंगलवार, बुधवार, बृहस्पतिवार, शुक्रवार, शनिवार, रविवार।
2. महीनों के हिंदी में नाम–चैत्र, बैसाख, ज्येष्ठ, आषाढ़, श्रावण, भाद्रपद, आश्विन, कार्तिक, मार्गशीर्ष, पौष, माघ, फाल्गुन।

   महीनों के अंग्रेज़ी में नाम–जनवरी, फरवरी, मार्च, अप्रैल, मई, जून, जुलाई, अगस्त, सितंबर, अक्टूबर, नवंबर, दिसंबर।
3. ऋतुएँ–वसंत, वर्षा, ग्रीष्म, शरद, शिशिर, हेमंत।

19. गिनती

1.

१	११	२१	३१	४१
२	१२	२२	३२	४२
३	१३	२३	३३	४३
४	१४	२४	३४	४४
५	१५	२५	३५	४५
६	१६	२६	३६	४६
७	१७	२७	३७	४७
८	१८	२८	३८	४८
९	१९	२९	३९	४९
१०	२०	३०	४०	५०

2.

19 – उन्नीस	29 – उनतीस	11 – ग्यारह
21 – इक्कीस	38 – अड़तीस	6 – छह
27 – सत्ताईस	43 – तैंतालीस	25 – पच्चीस
36 – छत्तीस	49 – उनचास	48 – अड़तालीस

20. चित्र-वर्णन

लिखने की बारी

(क) **मेरा विद्यालय–** यह मेरा विद्यालय है। इसमें हरे-भरे अनेक पौधे लगे हैं। इसकी इमारत बहुत ऊँची और विशाल है। यहाँ अनेक फूल खिले हैं। यहाँ सड़क बहुत साफ़-सुथरी है।

(ख) **रेलवे स्टेशन–** यह रेलवे स्टेशन का दृश्य है। ट्रेन प्लेटफॉर्म पर खड़ी है। अभी यात्री कम हैं। दो लोग बैंच पर बैठे हैं। एक आदमी के हाथ में सामान है।

(ग) **प्रदूषण–** प्रदूषण बढ़ रहा है। यह दृश्य वायु प्रदूषण का है। सड़क पर गाड़ियों की भीड़ है। अधिक गाड़ियों से निकलने वाले धुएँ एवं ध्वनि के कारण प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है।

(घ) **दीपावली–** यह दीपावली का दृश्य है। इस त्योहार को प्रकाश पर्व भी कहते हैं क्योंकि इस दिन चारों तरफ़ प्रकाश ही प्रकाश रहता है। एक लड़का पटाखा फोड़ रहा है। एक लड़की भी आनंदमग्न है। माँ घर को दीपों से सजा रही हैं।

मूल्यांकन पत्र–4

(अध्याय 16 से 20 तक)

1. (क) एक वाक्य के समाप्त हो जाने पर या एक भाव के स्पष्ट हो जाने पर पूर्ण विराम का प्रयोग किया जाता है।

   (ख) सामान्य अर्थ छोड़कर विशेष अर्थ देने वाले वाक्यांश को 'मुहावरा' कहा जाता है।

   (ग) किसी चित्र को देखकर उसके बारे में लिखना या बताना 'चित्र-वर्णन' कहलाता है।

2. (क) मुझे घर जाना है।

   (ख) मैं खेलने जा रहा हूँ।

   (ग) दरवाज़े पर कौन खड़ा है?

   (घ) तुम्हारे मौसा जी कब आ रहे हैं?

   (ङ) क्या कल तुम खेलने आओगे?

3. सोमवार, मंगलवार, बुधवार, बृहस्पतिवार, शुक्रवार, शनिवार, रविवार।

4. घोड़े बेचकर सोना – निश्चिंत होना
   कान पकड़ना – भूल स्वीकार करना
   कमर कसना – तैयार होना
   भीगी बिल्ली बनना – डर जाना
   फूला न समाना – बहुत प्रसन्न होना
   आँखों का तारा – बहुत प्रिय होना

5. महीनों के हिंदी में नाम–चैत्र, बैसाख, ज्येष्ठ, आषाढ़, श्रावण, भाद्रपद, आश्विन, कार्तिक, मार्गशीर्ष, पौष, माघ, फाल्गुन।

   महीनों के अंग्रेज़ी में नाम–जनवरी, फरवरी, मार्च, अप्रैल, मई, जून, जुलाई, अगस्त, सितंबर, अक्टूबर, नवंबर, दिसंबर।

6. 20 – बीस 43 – तैंतालीस 38 – अड़तीस 14 – चौदह
   50 – पचास 35 – पैंतीस 28 – अट्ठाईस 10 – दस

7. (क) यह दीपावली मनाने का दृश्य है।
   (ख) बच्चे पटाखे और फुलझड़ियाँ छुड़ा रहे हैं।
   (ग) माँ घर में दीपक जला रही हैं।
   (घ) लड़की चक्री पटाखे देखकर बहुत खुश हो रही है।
   (ङ) चारों ओर प्रकाश-ही-प्रकाश फैला हुआ है।

21. सूचना-लेखन

लिखने की बारी

1. **सूचना**

दिनांक: 5 जनवरी, 20xx

विद्यालय के सभी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि मेरी हिंदी की पुस्तक खो गई है। पुस्तक न होने के कारण मेरी पढ़ाई बाधित है। आप सभी से अनुरोध है कि यदि यह पुस्तक मिले तो मुझे वापस करने की कृपा करें।

धन्यवाद
निवेदक
अभय पाराशर
कक्षा-4

2. **सूचना**

दिनांक: 24 जनवरी, 20xx

सर्वसंबंधित को सूचित किया जाता है कि दिनांक 26 जनवरी को प्रात: 7:00 बजे विद्यालय में ध्वजारोहण किया जाएगा। सभी छात्र-छात्राएँ एवं अध्यापकगण निश्चित समय पर और निश्चित परिधान में उपस्थित हों।

आदेशानुसार
क०ख०ग०
प्रधानाचार्या

3. **सूचना**

दिनांक: 5 मई, 20xx

सभी छात्रों को सूचित किया जाता है कि 12 मई, 20xx को हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी विद्यालय में वार्षिक समारोह का आयोजन होना है। अत: सभी प्रतिभागी 10 मई, 20xx तक अपना नाम कक्षाध्यापक को लिखवा दें।

आदेशानुसार

प्रधानाचार्या

22. संवाद-लेखन

लिखने की बारी

1. डॉक्टर – बैठिए, क्या तकलीफ़ है।
   मरीज़ – पेट में बहुत दर्द है।
   डॉक्टर – शाम को क्या खाया था।
   मरीज़ – पूड़ी-सब्ज़ी खाई थी। वह भी थोड़ी-सी।
   डॉक्टर – इतनी गरमी में पूड़ी खाना ठीक नहीं। मैं दवा देता हूँ, तुम ठीक हो जाओगे।
   मरीज़ – जी डॉक्टर साहब।
   डॉक्टर – (दवा देते हुए) तीन दिन बाद फिर आना।
   मरीज़ – ठीक है डॉक्टर साहब।

2. माँ – बेटी, देर हो रही है। स्कूल कब जाओगी?
   बेटी – माँ मुझे परेशानी है।
   माँ – क्या हो गया। बुखार है क्या?
   बेटी – माँ, बुखार तो नहीं है लेकिन बहुत कमज़ोरी महसूस हो रही है।
   माँ – तुम खाना भी ठीक से नहीं खाती।
   बेटी – खाने खाना को मन ही नहीं करता।
   माँ – चलो आज डॉक्टर से बात करती हूँ।
   बेटी – ठीक है, माँ।

3. भाई – बहन, कहाँ टहलती रहती हो। आज रक्षाबंधन है।
   बहन – हाँ-हाँ, पहले स्नान-ध्यान हो जाए, तभी तो...
   भाई – तभी तो क्या? दस बज गए। राखी बाँधो।
   बहन – हाँ-हाँ, बाँधती हूँ, भैया! थोड़ा धैर्य रखो। मुझे पता है, सब तैयार है।
   भाई – आरती भी तो उतारो।

बहन – उतारती हूँ, तिलक भी लगा दूँगी। (वह तिलक लगाकर मिठाई खिलाती है। आरती भी उतारती है।)

भाई – ये लो एक हज़ार रुपये।

बहन – धन्यवाद भैया।

4. पहला मित्र – चलो, व्यायाम करने चलते हैं।

दूसरा मित्र – हाँ, चलते हैं। स्वास्थ्य के लिए व्यायाम ज़रूरी है।

पहला मित्र – आज हम लोग अलग-अलग आसन करेंगे।

दूसरा मित्र – प्राणायाम करना अच्छा व्यायाम है।

पहला मित्र – मुझे तो प्राणायाम करना आता है।

दूसरा मित्र – आज मैं भी प्राणायाम सीखूँगा।

23. पत्र-लेखन

लिखने की बारी

1. प्रधानाचार्या जी
सरस्वती शिशु निकेतन
माधवपुर, प्रतापगढ़
प्रतापगढ़ - 220066

विषय : विद्यालय में हिंदी पत्र-पत्रिकाएँ मँगवाने हेतु

महोदय

निवेदन है कि विद्यालय में हिंदी की पत्र-पत्रिकाएँ नहीं हैं। पुस्तकालय में काफ़ी देर ढूँढ़ने के बाद कोई पत्रिका नहीं मिली। इसके कारण बाल कहानियाँ पढ़ने को नहीं मिलती। अतः आपसे निवेदन है कि हिंदी पत्र-पत्रिकाएँ मँगवाने की कृपा करें।

आपका आज्ञाकारी छात्र
रवीश मेहरोत्रा
दिनांक : 24.09.20xx

2. प्रधानाचार्या जी
राजेश्वरी प्रसाद मेमोरियल विद्यालय
सारंगपुर बस्ती, उत्तर प्रदेश

विषय : अवकाश के लिए प्रार्थना-पत्र

महोदया,

सविनय निवेदन है कि मुझे किसी आवश्यक कार्य के लिए पिता जी के साथ बलरामपुर जाना है। वहाँ से कार्य पूरा करके वापस आने में दो दिन लगेंगे। अतः आपसे अनुरोध है कि चार दिन का अवकाश प्रदान करने की कृपा करें।

भवदीय
विपुल पांडेय
अनुक्रमांक–17
कक्षा–4
दिनांक : 06.11.20xx

3. 26–ए माडवा
नरसिंहपुर
बरेली
दिनांक : 26.01.20xx
प्रिय मित्र अतुल
मधुर–स्नेह

मित्र, आज ही पता चला कि आप परीक्षा में प्रथम आए हो। यह बहुत गर्व की बात है। मुझे गौरव ने फ़ोन पर बताया। वह भी बहुत खुश है। उसने बताया कि आपको बहुत अच्छे अंक मिले हैं। मैं आपको इसके लिए हार्दिक बधाई देता हूँ और भविष्य में भी इस तरह की सफलता की कामना करता हूँ।

तुम्हारा मित्र
नीलेश ददलानी

4. 5–अ, बरहुपुर
गली संख्या–9
नौवस्ता, जौनपुर
दिनांक : 21.03.20xx
आदरणीय भैया

सादर प्रणाम
यह लिखते हुए बहुत खुशी हो रही है कि मेरा नया विद्यालय बहुत अच्छा है। यहाँ का प्राकृतिक वातावरण भी बहुत सुंदर है। शिक्षक भी समय से आते हैं। मैं अपनी पढ़ाई अच्छी तरह कर पा रहा हूँ। मेरे दोस्त भी मेरी मदद करते हैं। अब यहाँ मेरा मन लग गया है। अवकाश में जब आपसे मिलूँगा तो अपना और अनुभव भी साझा करूँगा।

आपका अनुज
राकेश

24. अनुच्छेद-लेखन

लिखने की बारी

1. **मेरा जन्मदिन**—मेरा नाम दीपेश है। कल मेरा जन्मदिन था। घर पर सभी लोगों को बुलाया गया था। लोग तरह-तरह के उपहार लाए थे। सुबह के समय ही मम्मी-पापा ने मुझे उपहार के रूप में एक घड़ी दी। यह सोने की तरह चमकती है। इसका आकार चौकोर है। रिश्तेदारों को पार्टी पर बुलाया गया था। सभी ने खूब आनंद लिया। मुझे तो बहुत मज़ा आया। आज मैंने भी विद्यालय में अपने दोस्तों को चॉकलेट बाँटी।

2. **स्वास्थ्य ही जीवन है**—कहा गया है कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का वास होता है। शरीर स्वस्थ रहने पर पढ़ाई में भी मन लगता है। धन को पुनः कमाया जा सकता है परंतु यदि स्वास्थ्य ही ठीक न हो तो सब बेकार होता है। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए अच्छा भोजन करना चाहिए तथा नियमित रूप से व्यायाम करना चाहिए। अपने आसपास के वातावरण को भी स्वच्छ रखना चाहिए।

3. **मेरी अध्यापिका**—मेरी अध्यापिका का नाम तरुणलता है। वे हमें हिंदी पढ़ाती हैं। वे कविताएँ तो गाकर पढ़ाती हैं। वे बहुत मधुर बोलती हैं। वे हमें जीवन-मूल्यों को बढ़ाने वाली प्रेरक कहानियाँ भी सुनाती हैं। उनके पढ़ाने की कला ऐसी है कि हम सभी हिंदी की कक्षा में उनके आने की प्रतीक्षा में रहती हैं। पहले हिंदी पढ़ने में मेरा मन बिलकुल नहीं लगता था, लेकिन उनके पढ़ाने के कारण हिंदी पढ़ने में आनंद आने लगा है।

25. अपठित गद्यांश

लिखने की बारी

1. (क) लड़का आम के ऊँचे वृक्ष पर चढ़ गया।

   (ख) लड़का पेड़ पर फल चख रहा था।

   (ग) वृक्ष के मालिक ने पेड़ के नीचे प्लास्टिक का कुत्ता रख दिया।

   (घ) लड़का इसलिए काँपने लगा क्योंकि उसे लगा कि किसी ने उसे देख लिया है।

   (ङ) असली × नकली, उतरना × चढ़ना।

2. (क) प्रदूषण से तात्पर्य है—वायुमंडल अथवा वातावरण का दूषित होना।

   (ख) प्रदूषण की समस्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है।

   (ग) प्रदूषण चार प्रकार के होते हैं—वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण एवं मृदा प्रदूषण।

(घ) विश्व के सामने प्रदूषण की समस्या विकराल रूप धारण करती जा रही है।

(ङ) विकराल – भयानक, समस्त – संपूर्ण।

3. (क) हमारे जीवन को दूरदर्शन ने बहुत प्रभावित किया है।

(ख) दूरदर्शन पर कहानी, फ़िल्म, नाटक, खेलकूद आदि दिखाए जाते हैं।

(ग) दूरदर्शन से हमारा ज्ञानवर्धन होता है।

(घ) प्रारंभ में दूरदर्शन पर श्वेत-श्याम चित्र दिखाए जाते थे।

(ङ) ज्ञानवर्धन – ज्ञान बढ़ाना, प्रारंभ – शुरुआत।

4. (क) व्यक्ति पढ़-लिखकर सच्चा जीवन जीना सीखता है।

(ख) कुछ लोग समझते हैं कि शिक्षा से नौकरी और ऊँचे पद मिलते हैं।

(ग) शिक्षा का अर्थ है–ज्ञान प्राप्त करके अपना, समाज का और देश का भला करना।

(घ) शिक्षा प्राप्त कर दूसरों के लिए जीना श्रेष्ठ मनुष्य की पहचान है।

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक हो सकता है–'शिक्षा का महत्व'।

मूल्यांकन पत्र–5

(अध्याय 21 से 25 तक)

1. (क) दो या दो से अधिक व्यक्तियों के बीच हुए संवाद अथवा वार्तालाप को लिखना 'संवाद-लेखन' कहलाता है।

(ख) पत्र की भाषा सरल, सहज और स्पष्ट होनी चाहिए। जिस व्यक्ति को पत्र लिखा जा रहा हो, उसके संबंध और पद को ध्यान में रखकर उचित संबोधन का प्रयोग किया जाना चाहिए।

(ग) अनुच्छेद-लेखन से बच्चों में विचार अभिव्यक्ति एवं लेखन-कला का विकास होता है।

(घ) अपठित का अर्थ है–जिसे पहले न पढ़ा गया हो।

2. अध्यापिका – रीमा! गृहकार्य दिखाओ।
छात्रा – मैम, गृहकार्य पूरा नहीं कर सकी?
अध्यापिका – क्यों नहीं पूरा किया।
छात्रा – बिजली चली गई, इसलिए अधूरा रह गया।
अध्यापिका – जो भी कार्य हुआ है वही दिखाओ।
छात्रा – यह है मैम।
अध्यापिका – शाबाश! जो भी किया वह सही किया। कल पूरा कर लेना।
छात्रा – धन्यवाद मैम।

3. **सूचना**

दिनांक : 10 अप्रैल, 20xx

आप सभी को सूचित किया जाता है कि 12 मई, 20xx को हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी विद्यालय में वार्षिक कार्यक्रम का आयोजन होना है। अतः सभी प्रतिभागी अपना नाम कक्षाध्यापक को लिखवा दें। नाम लिखवाने की अंतिम तिथि 22-04-20xx है। इसके बाद प्रतिभागी नहीं बनाया जा सकेगा।

आदेशानुसार

प्रधानाचार्य

4. 12-बी, कटरा
नीलम अपार्टमेंट
वैशाली
11.04.20xx

प्रिय मित्र

करुणेश

व्यायाम शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य दोनों के लिए औषधि की तरह है। इससे शारीरिक स्वस्थता तो बना ही रहता है, शरीर भी फुर्तीला रहता है और कार्य करने की क्षमता भी बनी रहती है। मैं तो जब से व्यायाम करने लगा हूँ तब से शरीर में हमेशा बना रहने वाला दर्द भी गायब हो गया है। प्राणायाम करने के साथ अब मैं लंबी साँस भी ले पाता हूँ। मैं तो यही कहूँगा कि आप भी व्यायाम किया करें।

आपका मित्र

पंकज सिरोही

5. **मेरा प्रिय कुत्ता**—मेरे प्रिय कुत्ते का नाम टॉमी है। उसका रंग भूरा है। अलग नस्ल का टॉमी शारीरिक रूप से बड़ा है। वह देखने में चीता जैसा दिखाई देता है। वह रात के समय घर की रखवाली भी करता है। मैं जब भी बाहर से आता हूँ तो यह मेरे आस-पास दौड़ने लगता है। उसे खेलना बहुत प्रिय है। कभी-कभी तो वह मेरी चारपाई पर बैठ जाता है। मैं परेशान तो होता हूँ लेकिन उसे पीटता कभी भी नहीं क्योंकि यह डाँटने पर भी कूँ-कूँ-कूँ-कूँ करने लगता है। यह मेरे घर के सदस्य जैसा ही है।

6. (क) कई दिनों से बरसात हो रही थी।
(ख) चींटी अपने बच्चों के साथ बरसात का आनंद लूट रही थी।
(ग) चींटी ने टिड्डे को अपने घर में इसलिए आराम नहीं करने दिया क्योंकि उसने सालभर कुछ नहीं किया था।
(घ) टिड्डे ने चींटी से कहा, "अपने घर में मुझे भी जगह दे दो। बरसात रुकते ही मैं चला जाऊँगा।"
(ङ) इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि जीवन में परिश्रम करना चाहिए।

कार्य-प्रपत्र–1

1. (क) ✗ (ख) ✗ (ग) ✗
   (घ) ✓ (ङ) ✓
2. (क) किताब (ख) विज्ञान (ग) कविता
   (घ) गुलाब (ङ) कवयित्री
3. अध्यापक – अध्यापिका सेठ – सेठानी गायक – गायिका
   लेखक – लेखिका सम्राट – सम्राज्ञी
4. (क) नानी ने दो **कहानियाँ** सुनाईं।
   (ख) **बच्चे** तालाब में नहा रहे हैं।
   (ग) आसमान में **तारे** नज़र आ रहे हैं।
   (घ) मेज़ पर चार **संतरे** रखे हैं।
5. व्यक्ति – नरेंद्र मोदी, सुशील, राधिका शहर – लखनऊ, पटना, इंदौर
   नदी – गंगा, गोमती, घाघरा दिन – सोमवार, मंगलवार, बुधवार
   फल – सेब, संतरा, अंगूर
6. मैं – हम मुझे – हमें मेरा – हमारा
   यह – ये वह – वे
7. (क) लाल (ख) रसीला (ग) कड़वा (घ) ज़हरीला
8. (क) प्रियांशु ने कहानी **पढ़ी**।
   (ख) चीना ने अपनी सहेली को पत्र **लिखा**।
   (ग) अक्की ने विद्यालय से आकर खाना **खाया**।
   (घ) बिल्ली चूहे के पीछे **भागी**।
   (ङ) हमें सबकी मदद **करनी** चाहिए।

कार्य-प्रपत्र–2

1. (क) ✓ (ख) ✓ (ग) ✓
   (घ) ✗ (ङ) ✗

2. (क) हिमांशी से **उसकी** सहेली ने एक कलम माँगी।

(ख) सिद्धीत और **उसके** मित्रों ने जयपुर जाने का कार्यक्रम बनाया।

(ग) गुंजन और **उसके** मित्र फ़िल्म देखने गए।

(घ) राहुल ने **अपने** मित्र से **अपनी** पुस्तक वापस माँगी।

3. (क) आइसक्रीम – ठंडी (ख) संतरा – मीठा

(ग) फूल – सुगंधित (घ) कोयल – काली

(ङ) पेड़ – हरा (च) घास – हरी

4. (क) बेईमान (ख) शाम

(ग) घृणा (घ) छाँव

5. (क) चाँद – चंद्रमा, शशि (ख) वृक्ष – तरु, विटप

(ग) तालाब – पोखर, सरोवर (घ) पहाड़ – अचल, भूधर

(ङ) पुष्प – फूल, सुमन (च) हाथ – कर, हस्त

6. (क) कल मैं विद्यालय नहीं आऊँगी। (ख) कल विद्यालय बंद रहेगा।

(ग) अब तुम घर चलो। (घ) कल मेरे नाना जी आएँगे।

7. (,) – अल्पविराम – राम, श्याम और मोहन भाई हैं।

(?) – प्रश्नवाचक – आपने मुझें क्यों बुलाया है?

(!) – विस्मयबोधक – वाह! क्या सुंदर दृश्य है।

8. (क) सुमित्रा तो रवीश के कान भरती रहती है।

(ख) पुलिस को देखते ही चोर नौ दो ग्यारह हो गए।

(ग) राहुल ने तो आज के बाद कुछ न कहने के लिए कान पकड़ लिया।

(घ) राघव बेटा रजनी की आँखों का तारा है।

कार्य-प्रपत्र–3

1. 26-ए
पीतांबर अपार्टमेंट
सारन, महाराष्ट्र
28.03.20xx
आदरणीय नाना जी

सादर प्रणाम

नाना जी, आपके द्वारा भेजा गया सुंदर उपहार अभी थोड़ी देर पहले ही मुझे मिला है। मेरे जन्मदिन पर आपने कहानी की जो पुस्तक भेजी है, वह सचमुच ही बहुत सुंदर है। पुस्तक का आवरण चित्र तो बहुत ही आकर्षक है। मेरे जन्मदिन पर आपका यह आशीष हमेशा ही मुझे प्रेरणा देता रहेगा। गरमी की छुट्टियों में मैं आऊँगा तो आपसे ढेर सारी बातें करूँगा।

आपका नाती
अजय

2. आकांक्षा – क्या आपने वार्षिक समारोह की तैयारी कर ली।
   स्तुति – हाँ, मैंने गीत गाने की तैयारी की है।
   आकांक्षा – बहुत सुंदर। मुझे तो भाषण देना है।
   स्तुति – किस विषय पर बोलना है।
   आकांक्षा – विषय है–'शिक्षा का महत्व'।
   स्तुति – विषय तो बहुत सुंदर है।
   आकांक्षा – सो तो है। कोशिश करूँगी की प्रस्तुति भी अच्छी हो।

3. यह रेलवे स्टेशन का दृश्य है। यात्री प्लेटफॉर्म पर हैं। ट्रेन प्लेटफॉर्म पर लगी है। एक आदमी के हाथ में अटैची है। बेंच पर एक स्त्री और एक पुरुष बैठे हैं। शायद वे पति-पत्नी हैं। प्लेटफॉर्म पर एक घड़ी भी लगी है। कुछ लोग टिकट खरीद रहे हैं। एक छोटी बच्ची सामान के ऊपर बैठी है।

4. आप – हैलो! मित्र, मेरा नाम कपिल है। तुम्हारा क्या नाम है?
   नया छात्र – मित्र मेरा नाम मुनीश है।
   आप – आप किस विद्यालय से आए हैं?
   नया छात्र – सुमेर मेमोरियल कान्वेंट से।
   आप – मैं तो सरस्वती विद्यालय से पढ़कर आया हूँ।
   नया छात्र – अब हमलोग यहीं मज़े से पढ़ेंगे।
   आप – हाँ, दोस्त तुमसे मिलकर बहुत खुशी हुई।
   नया छात्र – धन्यवाद मित्र।

कार्य-प्रपत्र–4

1. **मेरा बगीचा**–मेरे घर के सामने एक बगीचा है। यह छोटा है। इसे उपवन भी कह सकते हैं। इसमें विभिन्न तरह के रंग-बिरंगे फूलों वाले पौधे हैं। इसमें तरह-तरह के फल-सब्जियों के पौधे

भी हैं। यहाँ फूलों पर तितलियाँ मँडराती रहती हैं। बच्चों को इस बगीचे में खेलना बहुत अच्छा लगता है। मैं भी उनके साथ खूब खेलता हूँ। प्रकृति के वातावरण में खेलने का अपना अलग ही आनंद है।

2. प्रधानाचार्य
सेंट जेवियर स्कूल
पडरौना, उत्तर प्रदेश
विषय : अवकाश हेतु प्रार्थना-पत्र
महोदय,

सविनय निवेदन है कि पिछले कुछ दिनों से मेरे पेट में दर्द हो रहा था। कल रात अचानक जब तेज़ दर्द हुआ तो पिता जी मुझे अस्पताल ले गए। जाँच के बाद पता चला कि आँत में हल्की सूजन है। ऐसी स्थिति में डॉक्टर ने मुझे पंद्रह दिन तक आराम करने को कहा। अत: आपसे निवेदन है कि मुझे 20.03.20xx से 03.04.20xx तक अवकाश प्रदान करने की कृपा करें।
आपका आज्ञाकारी शिष्य
अमित सोनी
अनुक्रमांक-26
कक्षा – 4

3. (क) खरगोश कछुए की हँसी इसलिए उड़ाता था क्योंकि वह बहुत धीरे-धीरे चलता था।
(ख) कछुए ने खरगोश से दौड़ की शर्त लगाई।
(ग) खरगोश को अपनी तेज़ चाल पर बहुत घमंड था।
(घ) दौड़ में कछुए की जीत हुई।
(ङ) इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि लगातार कार्य करने वाले की ही जीत होती है।

4. **सूचना**

सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि आगामी सोमवार दिनांक 16.05.20xx को विद्यालय में वार्षिक उत्सव का आयोजन होगा। इसमें नाटक मंचन के लिए जो छात्र/छात्रा उत्सुक हों, वे 14.05.20xx तक कार्यक्रम सचिव के पास अपना नाम लिखवा दें।

आदेशानुसार

प्रधानाचार्य

मेरी भाषा मेरी पहचान, भाग-5

1. भाषा, लिपि और व्याकरण

बोलने की बारी

(क) मनुष्य द्वारा अपने भावों और विचारों के आदान-प्रदान करने के साधन को 'भाषा' कहते हैं।

(ख) किसी भाषा को लिखने के ढंग को 'लिपि' कहते हैं। संस्कृत भाषा की लिपि 'देवनागरी' है।

(ग) व्याकरण वह शास्त्र है, जो किसी भाषा को शुद्ध रूप में बोलना या लिखना सिखाता है।

लिखने की बारी

1. (क) लिखित भाषा (ख) लिखित भाषा
   (ग) लिखित भाषा (घ) मौखिक भाषा
   (ङ) मौखिक भाषा (च) मौखिक भाषा
2. हिंदी – देवनागरी पंजाबी – गुरुमुखी
   उर्दू – फ़ारसी अंग्रेज़ी – रोमन।
3. (क) भारत – हिंदी (ख) रूस – रूसी
   (ग) फ्रांस – फ्रेंच (घ) इंग्लैंड – अंग्रेज़ी
   (ङ) चीन – मंडारिन/चीनी (च) जापान – जापानी

सोचने की बारी

- बात नहीं समझ सेकेंगे।
- अपनी बात नहीं समझा सकेंगे।
- वस्तुओं के नाम में भी अंतर हो सकता है। इससे वस्तु का आदान-प्रदान करना कठिन हो सकता है।

खेलने की बारी

- बोली – बुंदेलखंडी, छत्तीसगढ़ी, भोजपुरी, मगही, गढ़वाली।
- भाषा – हिंदी, उड़िया, मराठी, तेलुगु, गुजराती।

2. वर्ण-विचार

बोलने की बारी

1. (क) भाषा की छोटी-से-छोटी ध्वनि जिसके टुकड़े नहीं किए जा सकते, 'वर्ण' कहलाती है।

   (ख) जिन वर्णों के उच्चारण में हवा बिना किसी रुकावट के मुँह से निकलती है, उन्हें 'स्वर' कहते हैं; जैसे– अ, ऐ, ओ आदि।

   जिन वर्णों का उच्चारण स्वरों की सहायता से किया जाता है और जिन्हें बोलते समय मुँह से निकलने वाली हवा मुँह के किसी भाग से टकराटकर बाहर निकलती है, उन्हें 'व्यंजन' कहते हैं; जैसे–क, ट, प, म आदि।

   (ग) अनुस्वार और अनुनासिक का अंतर शिक्षक/शिक्षिका द्वारा उच्चारण के माध्यम से समझाया जाना चाहिए।

लिखने की बारी

1.

ह्रस्व स्वर	शब्द	दीर्घ स्वर	शब्द
अ, इ	अचकन, इमली	आ, ऊ	आज़ाद, ऊँट, ऊन
उ, ऋ	उल्लू, ऋषि	ए, औ	एकता, औरत

2. जंगल, मुँह, तिरंगा, मंदिर

   माँ, महँगा, ऊँट, खाँसी

   संतरा, कहाँ, पाँच, चाँद

3. क्ष – क्षत्रिय, क्षण त्र – त्रिभुज, त्रिशूल

   ज्ञ – ज्ञान, विज्ञान श्र – श्रम, श्रमिक

4. बादल – ब् + आ + द् + अ + ल् + अ

   ज्ञानी – ज् + ञ् + आ + न् + ई

   गर्दन – ग् + अ + र् + द् + अ + न् + अ

   भवन – भ् + अ + व् + अ + न् + अ

   कृष्ण – क् + ऋ + ष् + ण + अ

   विवाद – व् + इ + व् + आ + द् + अ

5. अक्षर, इमली, उदार, कमल, खरबूजा, चम्मच, छाता, जवान, टमाटर

   पतंग, बंदर, मानव, यज्ञ, रात लंगूर

सोचने की बारी

विसर्ग का उच्चारण 'ह' के समान होता है; जैसे–प्रातः, अतः।

3. शब्द-विचार

बोलने की बारी

1. (क) वर्णों के सार्थक समूह को 'शब्द' कहते हैं।

   (ख) अर्थ के आधार पर शब्द के दो भेद हैं–सार्थक शब्द और निरर्थक शब्द।

   (ग) जिन शब्दों से किसी निश्चित अर्थ का बोध नहीं होता, उन्हें 'निरर्थक शब्द' कहते हैं।

लिखने की बारी

1. (क) सड़क	(ख) पनघट	(ग) जंगल
(घ) डिबिया	(ङ) पेंसिल	(च) हिमालय
(छ) आसमान	(ज) रसोईघर	(झ) खरगोश
2. (क) सम्मान	(ख) खिड़की	(ग) गुलाब
(घ) मछली	(ङ) ऐनक	(च) प्रकार

3.

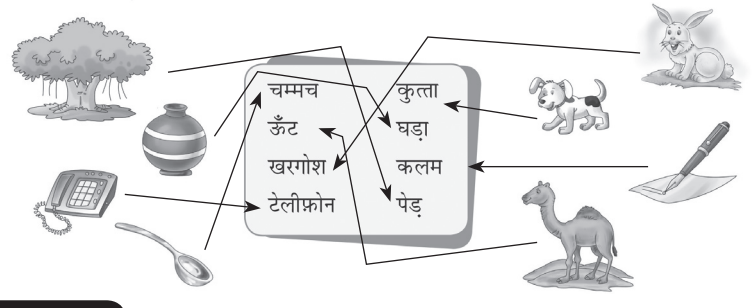

सोचने की बारी

अर्थ के आधार पर शब्दों के दो भेद हैं–

सार्थक शब्द–रोटी, पानी। निरर्थक शब्द–वोटी, वानी।

खेलने की बारी

जहाज → जग → गमला → लड़का → कमल

4. संज्ञा

बोलने की बारी

1. (क) किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान, जाति, गुण अथवा भाव के नाम को 'संज्ञा' कहते हैं।

   (ख) संज्ञा के तीन भेद हैं–व्यक्तिवाचक, जातिवाचक और भाववाचक।

   व्यक्तिवाचक – चेन्नई, सुरेश।

   जातिवाचक – शहर, आदमी।

   भाववाचक – बचपन, बहादुरी।

   (ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा से केवल किसी एक नाम का बोध होता है, परंतु जातिवाचक संज्ञा से संपूर्ण जाति का बोध होता है; जैसे–'रागिनी' व्यक्तिवाचक संज्ञा है, लेकिन 'लड़की' जातिवाचक संज्ञा है।

लिखने की बारी

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा–सतलुज, दिल्ली, रामायण, जनवरी, इकबाल।

   जातिवाचक संज्ञा–लड़का, क्षत्रिय, देव।

   भाववाचक संज्ञा–मिठास, मित्रता, प्यास, बचपन।

2. (क) श्रीकृष्ण–व्यक्तिवाचक, अर्जुन–व्यक्तिवाचक, गीता–व्यक्तिवाचक

   (ख) गंगा–व्यक्तिवाचक, नदी–जातिवाचक

   (ग) अध्यापिका, बच्चों, कहानियाँ–जातिवाचक

   (घ) स्मिता–व्यक्तिवाचक, लिखावट–भाववाचक

3. (क) हिमालय–व्यक्तिवाचक

   (ख) बंधु–जातिवाचक

   (ग) बचपन–भाववाचक

   (घ) सफ़ेदी –भाववाचक

4. (क) आम में **मिठास** है।

   (ख) इस इमारत की **ऊँचाई** काफ़ी है।

   (ग) **घबराहट** के कारण वह कुछ नहीं बोल पाया।

   (घ) महक **बचपन** में बहुत नटखट थी।

सोचने की बारी

- उसका रंग याद करना होगा।
- उसकी बनावट के बारे में ध्यान रखना होगा।
- लोगों से पूछना होगा।
- जहाँ-जहाँ गए होंगे, वहाँ ढूँढ़ना होगा।

खेलने की बारी

व्यक्तिवाचक–भारत, इंदिरा, मालती, सोमवार

जातिवाचक–लड़का, बच्चा, सरोवर, खत

मूल्यांकन पत्र–1

(अध्याय 1 से 4 तक)

1. (क) आदिमानव अपने भावों को बोलकर एवं इशारों से व्यक्त करता था।
   (ख) भाषा की वह सबसे छोटी ध्वनि जिसके टुकड़े न हो सकें, 'वर्ण' कहलाती है।
   (ग) वर्णमाला में 11 स्वर और 33 व्यंजन होते हैं।
2. मौखिक भाषा–पुकारना, भाषण देना।
   लिखित भाषा–कविता लिखना, समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ।
3. माँ, चाँद, मंदिर, फंदा, जंगल
4. प्रगति–प् + र् + अ + ग् + अ + त् + इ
   श्रमिक–श् + र् + अ + म् + इ + क् + अ
   गरदन – ग् + अ + र् + अ + द् + अ + न् + अ
5. कृष्ण, विज्ञान, त्रिकोण
6. र्क – फ़र्क, पर्व ट्र – ट्रेन, ट्रक क्र – वक्र, प्रकाश
7. ढ – ढक्कन, ढ़ – गढ़ना ड – डलिया, ड़ – गुड़
8. (क) सम्मान (ख) खिड़की (ग) गुलाब
   (घ) मछली (ङ) ऐनक (च) प्रकार

9. व्यक्तिवाचक – सतलुज, दिल्ली, रामायण, जनवरी, इकबाल

   जातिवाचक – लड़का, क्षत्रिय, देव

   भाववाचक – मिठास, मित्रता, प्यास, बचपन

10. (क) मिठास (ख) ऊँचाई

    (ग) घबराहट (घ) बचपन

5. लिंग

बोलने की बारी

1. (क) शब्दों के जिस रूप से उसके स्त्री या पुरुष जाति के होने का पता चले, उसे 'लिंग' कहते हैं।

   (ख) लिंग के दो भेद हैं–स्त्रीलिंग और पुल्लिग।

   स्त्रीलिंग–लड़की, गाय; पुल्लिग–लड़का, बैल।

लिखने की बारी

1. **पुल्लिंग**	**स्त्रीलिंग**
तपस्वी	तपस्विनी
कवि	कवयित्री
गुड्डा	गुड़िया
स्वामी	स्वामिनी
पंडित	पंडिताइन
रूपवान	रूपवती

2. (क) **नौकरानी** स्वादिष्ट खाना बनाती है।

   (ख) इस फ़िल्म में **अभिनेत्री** ने अच्छा काम किया है।

   (ग) **मालिन** फूल तोड़ रही है।

   (घ) **सिंहनी** जंगल में रहती है।

   (ङ) बाज़ार में एक **भिखारिन** भीख माँग रही थी।

   (च) **सम्राज्ञी** सिंहासन पर बैठी है।

3.

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
घी	चूड़ी	गायक	वर्षा
हाथ	चाय	रास्ता	चाबी
तारा	धूप	विद्यालय	इमली
अंगूर	मिर्ची	पौधा	चप्पल

4. (क) उसकी नाक लंबी है। (ख) नौकर ने नई चादर बिछा दी।
(ग) उसकी कमर में दर्द है। (घ) यह कार बहुत छोटी है।
(ङ) माता जी ने आलू की सब्ज़ी बनाई।

सोचने की बारी

- सदैव पुल्लिंग रहने वाले शब्द–चीता, उल्लू, तोता, मच्छर, बाज़।
- सदैव स्त्रीलिंग रहने वाले शब्द–मक्खी, मछली, छिपकली, गिलहरी, चील।

6. वचन

बोलने की बारी

1. (क) संज्ञा शब्दों के जिस रूप से उसके एक या अनेक होने का बोध हो, उसे 'वचन' कहते हैं।
(ख) वचन के दो भेद हैं–एकवचन और बहुवचन।
एकवचन–पुस्तक, पत्ता, लड़का, लड़की।
बहुवचन–पुस्तकें, पत्ते, लड़के, लड़कियाँ।
(ग) अपने से बड़ों के प्रति आदर का भाव दर्शाने के लिए एकवचन के स्थान पर बहुवचन का प्रयोग किया जाता है।

लिखने की बारी

1.

वस्तु – वस्तुएँ	रोटी – रोटियाँ
चिड़िया – चिड़ियाँ	हवा – हवाएँ
पत्ता – पत्ते	सभा – सभाएँ
छवि – छवियाँ	सड़क – सड़कें
खटिया – खटियाँ	रात – रातें

2. (क) फूल – एकवचन (ख) बालक – एकवचन
(ग) मोमबत्ती – एकवचन (घ) मालाओं – बहुवचन
(ङ) छात्रगण – बहुवचन (च) गरीबलोग – बहुवचन

3. (क) कई साल **बीत गए**। (ख) बहुत सारे पक्षी उड़ **रहे हैं**।
(ग) मालती ने पुस्तक **खरीदी**। (घ) मैंने छह केले **खाए**।
(ङ) कुत्ता भौंक **रहा है**। (च) माँ ने पाँच खिलौने **खरीदे**।

4. छात्रगण युवावर्ग
कविवृंद सेनादल
शिक्षकवृंद अध्यापकगण
अमीरलोग टिड्डीदल

सोचने की बारी

आदर देने के लिए बहुवचन का प्रयोग होता है; जैसे–**आप** आ **गए** तो मुझे बहुत खुशी हुई।

7. कारक

बोलने की बारी

(क) संज्ञा या सर्वनाम के रूप से उसका संबंध वाक्य की क्रिया या अन्य शब्दों से जाना जाए, उसे 'कारक' कहते हैं।

(ख) कारक के आठ भेद हैं–

कारक	विभक्ति-चिह्न	वाक्य
कर्ता कारक	ने	राम ने किताब खरीदी।
कर्म कारक	को	प्यासे को पानी पिलाओ।
करण कारक	से/के द्वारा	वह कलम से/के द्वारा लिखता है।
संप्रदान कारक	को/के लिए	भूखे को भोजन दो। श्याम के लिए फल लाओ।
अपादान कारक	से (अलगाव का भाव)	वह छत से कूद गया।
संबंध कारक	का, की, के, रा, री, रे	यह कमीज़ माधव की है।
अधिकरण कारक	में, पर	थैले में सब्ज़ियाँ हैं। मेज़ पर किताब है।
संबोधन कारक	हे! अरे!	हे राम! अब क्या होगा।

(ग) विभक्ति बताने वाले चिह्नों को कारक-चिह्न कहते हैं। इन्हें परसर्ग के नाम से पुकारा जाता है।

लिखने की बारी

1. (क) टोकरी में – अधिकरण कारक (ख) भूखों को – संप्रदान कारक
   (ग) प्रांजल ने – कर्ता कारक (घ) बिल से – अपादान कारक
   (ङ) चाकू से – करण कारक
2. (क) यह विधि **का** विद्यालय है। (ख) अभि **ने** कहानी पढ़ ली।
   (ग) उदय **के लिए** मिठाई लाओ। (घ) भिखारी **को** वस्त्र दो।
   (ङ) मैंने चाकू **से** फल काटा।
3. – तालाब **में** मछली है। – रानी **के लिए** खिलौने लाओ।
   – वह साइकिल **से** जाता है। – रागिनी **ने** गीत सुनाया।
   – श्याम **की** पुस्तक चोरी हो गई।
4. (क) वर्तमान समय **में** विज्ञान **की** प्रगति **ने** दुनिया **को** चमत्कृत कर रखा है। विज्ञान **के** नए-नए आविष्कारों **ने** हमारे जीवन **को** सुविधाजनक बना दिया है।
   (ख) गांधी जी **ने** भारत **में** मैट्रिक **की** परीक्षा पास की और वकालत पढ़ने **के लिए** इंग्लैंड गए। वहाँ **से** 1897 ई० **में** भारत लौट आए।
   (ग) क्रिसमस **का** त्योहार सारे विश्व **में** अत्यंत धूमधाम **से** मनाया जाता है। ईसाई धर्म **के** अनुयायी संसार **के** सभी देशों **में** रहते हैं।
   (घ) ओणम असुरों **के** राजा बलि **की** याद **में** मनाया जाता है। देवताओं **के** प्रार्थना **से** एक बार भगवान विष्णु **ने** वामन **का** अवतार लिया और राजा बलि **से** दान **में** तीन पग भूमि माँगी।

सोचने की बारी

कारक बदलने पर संज्ञा तथा सर्वनाम का मूलरूप बदल जाता है।

8. सर्वनाम

बोलने की बारी

(क) संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले शब्दों को 'सर्वनाम' कहते हैं।

(ख) सर्वनाम के छह भेद हैं–

पुरुषवाचक सर्वनाम–**तुम** मेरे पास बैठो।

निश्चयवाचक सर्वनाम–**यह** घर मेरा है।

अनिश्चयवाचक सर्वनाम–दरवाज़े के सामने **कोई** है।

प्रश्नवाचक सर्वनाम–सविता **कहाँ** जा रही हो?

संबंधवाचक सर्वनाम–**जो** पढ़ेगा **सो** बढ़ेगा।

निजवाचक सर्वनाम–मैं **अपना** कार्य **स्वयं** कर लूँगा।

(ग) पुरुषवाचक सर्वनाम के तीन भेद हैं–

उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम, मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम, अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम

लिखने की बारी

1. (क) वह – पुरुषवाचक सर्वनाम (ख) कोई – अनिश्चयवाचक सर्वनाम
   (ग) कुछ – अनिश्चयवाचक सर्वनाम (घ) कौन – प्रश्नवाचक सर्वनाम
   (ङ) यह – निश्चयवाचक सर्वनाम।
2. (क) **वह** बीमार पड़ गया है। (ख) **आप** यहाँ बैठ जाइए।
   (ग) **तुम्हारा** क्या नाम है? (घ) **मुझे** वर्षा ऋतु अच्छी लगती है।
   (ङ) भावना **अपना** काम **स्वयं** करती है। (च) **जैसा** करोगे **वैसा** भरोगे।
3. (क) राधिका हर कार्य स्वयं करती है।
   (ख) मैं खुद चला जाऊँगा।
   (ग) वह खाने के लिए कुछ माँग रहा था।
   (घ) आप क्या खरीदना चाहते हैं?
   (ङ) उन्होंने ही मुझे बुलाया था।
4. (क) मुझे तुमसे कुछ काम है। (ख) किसी से मदद ले लो।
   (ग) यह सामान किसका है? (घ) पानी में कुछ पड़ा है।
   (ङ) मुझको उससे मिलना है।

सोचने की बारी

दूसरों के लिए उसे, वह, उन्हें, उसको आदि सर्वनामों का प्रयोग करते हैं।

खेलने की बारी

एक किसान के चार बेटे थे– तंदुरुस्त, लेकिन निकम्मे। दिनभर आवारागर्दी करते थे, **कोई** काम नहीं करते थे। एक बार किसान बीमार पड़ा। **उसने** बेटों को बुलाकर कहा–"**मैं** अब नहीं बचूँगा। **तुम** लोग मेरी मृत्यु के बाद ज़मीन खोदकर **उसमें** से गड़ा धन निकाल लेना।"

जल्दी ही **वह** चल बसा। चारों बेटों ने पूरा खेत खोद डाला। मगर **कुछ** नहीं निकला। **वे** बहुत निराश हुए। तभी एक ने कहा–"चलो, गेहूँ बो देते हैं।" **उस** साल बहुत अच्छी फ़सल हुई और **उन्हें** अच्छा लाभ मिला। अब **वे** समझ गए कि मेहनत ही धन है।

9. विशेषण

बोलने की बारी

1. (क) जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता या गुण बताते हैं, वे 'विशेषण' कहलाते हैं।

   (ख) विशेषण के चार भेद हैं–

   गुणवाचक विशेषण–पौधे पर **तीखी** मिर्च लगी है।

   संख्यावाचक विशेषण–दुकान पर **अनेक** खिलौने हैं।

   परिमाणवाचक विशेषण–दादी जी ने **चार मीटर** रेशमी कपड़ा मँगाया है।

   सार्वनामिक विशेषण–**कोई** आदमी पुकार रहा है।

   (ग) जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की संख्या बताते हैं, वे 'संख्यावाचक विशेषण' कहलाते हैं, जबकि जिन शब्दों से वस्तु की मात्रा, नाप-तौल का पता चलता है, उन्हें 'परिमाणवाचक विशेषण' कहते हैं।

लिखने की बारी

1.

विशेषण	**विशेष्य**	**विशेषण**	**विशेष्य**
मधुर	वाणी	स्वादिष्ट	भोजन
विशाल	भवन	रंगीन	गुब्बारे
स्वच्छ	वायु	दर्शनीय	स्थल

2. (क) करुणेश अच्छा लड़का है।

   (ख) गुलाब का छोटा पौधा बड़ा हो रहा है।

(ग) कोई भी नमकीन पानी नहीं पीता।

(घ) रवीश ने आज नया कुरता पहना है।

(ङ) विपुल ने कहा कि बुद्धू सलिल को कुछ समझ नहीं आता।

3. (क) आज कितना **अच्छा** दिन है।

(ख) वह **हरी** घास पर लेटा है।

(ग) 'सोना' एक **बहुमूल्य** धातु है।

(घ) प्रांजलि ने **मधुर** गीत सुनाया।

(ङ) मौसी अपने साथ **ढेर** सारी मिठाइयाँ लाईं।

4. (क) वह परिश्रमी व्यक्ति है।–गुणवाचक विशेषण

(ख) मुझे दो किलो चीनी दे दो।–परिमाणवाचक विशेषण

(ग) कार का एक पहिया बदल गया।–संख्यावाचक विशेषण

(घ) तुम्हें नीली कमीज़ चाहिए।–गुणवाचक विशेषण

(ङ) मेरे पास पाँच रुपये हैं।–संख्यावाचक विशेषण

(च) शिवानी ने लाल फ्रॉक पहन रखी है।–गुणवाचक विशेषण

सोचने की बारी

किसी भी मित्र में सच्चाई, परिश्रम, धैर्य, उदारता, करुणा, सहयोग की भावना जैसे गुण होने चाहिए। बच्चे अपने अनुसार बताएँगे।

खेलने की बारी

(क) लाल गुलाब, सुंदर गुलाब, सुगंधित गुलाब

(ख) ऊँचा पहाड़, बर्फीला पहाड़, कठोर पहाड़

(ग) बड़ा हाथी, भारी हाथी, ताकतवर हाथी

मूल्यांकन पत्र–2

(अध्याय 5 से 9 तक)

1. (क) शब्द के जिस रूप से उसके स्त्री या पुरुष जाति के होने का बोध हो, उसे 'लिंग' कहते हैं।

(ख) वचन के दो भेद होते हैं—एकवचन, बहुवचन।

एकवचन—कलम, पुस्तक; बहुवचन—कलमें, पुस्तकें।

(ग) संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उसका संबंध वाक्य की क्रिया या अन्य शब्दों से जाना जाए, उसे 'कारक' कहते हैं।

(घ) पुरुषवाचक सर्वनाम के तीन भेद हैं—उत्तम पुरुषवाचक, मध्यम पुरुषवाचक एवं अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम।

(ङ) संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द 'विशेषण' कहलाते हैं।

2. (क) नौकरानी स्वादिष्ट खाना बनाती है।

(ख) इस फ़िल्म की अभिनेत्री ने अच्छा काम किया है।

(ग) मालिन फूल तोड़ रही है।

(घ) सिंहनी जंगल में रहती है।

(ङ) बाज़ार में भिखारिन भीख माँग रही थी।

(च) सम्राज्ञी सिंहासन पर बैठी है।

3. वस्तु – वस्तुएँ | रोटी – रोटियाँ

चिड़िया – चिड़ियाँ | हवा – हवाएँ

पत्ता – पत्ते | सभा – सभाएँ

छवि – छवियाँ | सड़क – सड़कें

खटिया – खटियाँ | रात – रातें

4. (क) टोकरी में – अधिकरण कारक | (ख) भूखे ने – संप्रदान कारक

(ग) प्रांजल ने – कर्ता कारक | (घ) बिल से – अपादान कारक

(ङ) चाकू से – करण कारक

5. (क) हमेशा **अच्छा** भोजन खाना चाहिए। | (ख) मेरे पास **छोटा** बैग है।

(ग) **नमकीन** पानी अच्छा नहीं लगता। | (घ) **नया** कपड़ा बहुत अच्छा लगता है।

(ङ) **बुद्धू** सुशीला को मेरी बात अच्छी नहीं लगी।

6. (क) वर्तमान समय **में** विज्ञान **की** प्रगति **ने** दुनिया **को** चमत्कृत कर रखा है। विज्ञान **के** नए-नए आविष्कारों **ने** हमारे जीवन **को** सुविधाजनक बना दिया है।

(ख) गांधी जी **ने** भारत **में** मैट्रिक **की** परीक्षा पास की और वकालत पढ़ने **के लिए** इंग्लैंड गए। वहाँ **से** 1897 ई० **में** भारत लौट आए।

(ग) क्रिसमस **का** त्योहार सारे विश्व **में** अत्यंत धूमधाम **से** मनाया जाता है। ईसाई धर्म **के** अनुयायी संसार **के** सभी देशों **में** रहते हैं।

(घ) ओणम असुरों **के** राजा बलि **की** याद **में** मनाया जाता है। देवताओं **की** प्रार्थना **से** एक बार भगवान विष्णु **ने** वामन **का** अवतार लिया और राजा बलि **से** दान **में** तीन पग भूमि माँगी।

10. क्रिया

बोलने की बारी

1. (क) जिन शब्दों से किसी कार्य के करने या होने का पता चले, उन्हें 'क्रिया' कहते हैं।

(ख) क्रिया के दो भेद हैं—अकर्मक क्रिया और सकर्मक क्रिया।

अकर्मक क्रिया—रागिनी **खा रही है**।

सकर्मक क्रिया—रागिनी आम **खा रही है**।

(ग) क्रिया से पूर्व 'क्या' अथवा 'किसे' लगाकर प्रश्न करने पर, यदि इनका उत्तर वाक्य में मिल जाता है तो क्रिया सकर्मक होगी। यदि उत्तर नहीं मिलता है तो क्रिया अकर्मक होगी।

लिखने की बारी

1. उठना – उठाना हँसना – हँसाना

दौड़ना – दौड़ाना रोना – रूलाना

खाना – खिलाना सोना – सुलाना

बैठना – बैठाना पढ़ना – पढ़ाना

2. (क) सुबह से वर्षा हो रही है।

(ख) कल विद्‌यालय बंद रहेगा।

(ग) मैं अपने मित्र के जन्मदिन पर जाऊँगा।

(घ) काले-काले बादल छा गए।

(ङ) मोर नाच रहा है।

3. (क) पतंग (ख) फूल

(ग) खाना (घ) खाना

(ङ) मिठाई

4. (क) वह कल मेला देखने **जाएगा**। (ख) रवीश खाना खा **रहा है**।
(ग) रीया फूल तोड़ **रही है**। (घ) आज बहुत तेज़ धूप **पड़ रही है**।
(ङ) मानव अपनी पुस्तक मुझे **दो**।

सोचने की बारी

यदि एक दिन माता जी कोई काम न करे तो–

– खाना नहीं बनेगा। – सफ़ाई नहीं होगी।
– समय से विद्यालय नहीं पहुँच सकेंगे। – सभी लोग परेशान रहेंगे।

खेलने की बारी

दहाड़ना, चिंघाड़ना, खाना, लटकना, चहचहाना, बोलना, देखना।

11. काल

बोलने की बारी

1. (क) क्रिया के जिस रूप से उसके होने के समय की जानकारी मिलती है, उसे 'काल' कहते हैं।
(ख) काल के तीन भेद हैं–भूतकाल, वर्तमान काल और भविष्यत् काल।
भूतकाल – वह वाराणसी गया था।
वर्तमान काल – हवा बह रही है।
भविष्यत् काल – रमेश कविता पढ़ेगा।
(ग) काल को क्रिया रूप – कार्य जारी है, कार्य हो गया या होगा के द्वारा पहचाना जाता है।

लिखने की बारी

1. (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✓
(घ) ✓ (ङ) ✓
2. भूतकाल – सौम्या ने गीत गाया।
आयुष ने पुस्तक पढ़ ली थी।
वर्तमान काल – पानी बरस रहा है।
खिलाड़ी क्रिकेट खेल रहे हैं।

भविष्यत् काल – कल पानी ज़रूर बरसेगा।

हम लोग नदी में तैरने चलेंगे।

3. (क) भविष्यत् काल (ख) भूतकाल (ग) वर्तमान काल

(घ) भविष्यत् काल (ङ) भूतकाल

4. (क) बंदर केला खा रहा है। (ख) कल मैंने पतंग उड़ाई थी।

(ग) बढ़ई कुरसी बना रहा है। (घ) मैं अपने नाना के घर जाऊँगा।

(ङ) पिता जी दफ़्तर से आएँगे।

5. (क) पिता जी कोलकाता जा रहे हैं। (ख) सुप्रिया आज विद्यालय गई थी।

(ग) करण शाम को वापस आ रहा है। (घ) मामा जी समाचार-पत्र पढ़ेंगे।

(ङ) मैं मेला देखने गया था।

सोचने की बारी

- बच्चे स्वयं विचार करेंगे और बताएँगे।

12. अव्यय (अविकारी शब्द)

बोलने की बारी

(क) जो शब्द क्रिया होने के स्थान, काल, रीति या परिमाण संबंधी विशेषताएँ बताते हैं, वे 'क्रियाविशेषण' कहलाते हैं।

(ख) क्रियाविशेषण के चार भेद हैं–

कालवाचक क्रियाविशेषण–वह **रातभर** काम करता रहा।

स्थानवाचक क्रियाविशेषण–सामान **उधर** रख दीजिए।

रीतिवाचक क्रियाविशेषण–रवि **ध्यानपूर्वक** पढ़ रहा है।

परिमाणवाचक क्रियाविशेषण–माया **कम** खाती है।

(ग) संबंधबोधक–पेड़ **के नीचे** शेर सो रहा था।

समुच्चयबोधक–वह दौड़ता रहा **लेकिन** समय से न पहुँच सका।

विस्मयादिबोधक–**हाय!** मैं बर्बाद हो गया।

लिखने की बारी

1. विशाल **धीरे-धीरे** चल रहा था।

   सलिल **तेज़** दौड़ रहा था।

   मेरा कार्य **लगभग** पूर्ण हो गया था।

   सामान **उधर** रख दीजिए।

   परिश्रमी **हमेशा** सफल होते हैं।

   हिरन **इधर** आ रहा था।

2. (क) तेज़ – रीतिवाचक क्रियाविशेषण

   (ख) ध्यानपूर्वक – रीतिवाचक क्रियाविशेषण

   (ग) धीरे-धीरे – रीतिवाचक क्रियाविशेषण

   (घ) शांतिपूर्वक – रीतिवाचक क्रियाविशेषण

   (ङ) वहाँ – स्थानवाचक क्रियाविशेषण

3. (क) घोड़ा **तेज़** दौड़ता है। (ख) राहुल ने **खूब** खा लिया।

   (ग) प्रदीप **थोड़ी** देर में आएगा। (घ) सुदीप **परसों** विद्यालय आएगा।

   (ङ) वह मेरे घर से बहुत **दूर** रहता है।

4. (क) आदविक पिता जी **के साथ** मेला देखने गया।

   (ख) बस्ते **के अंदर** मेरी पुस्तकें हैं।

   (ग) ऋषभ **और** ओजस मेला देखने जाएँगे।

   (घ) निबंध **अथवा** पत्र लिखो।

   (ङ) **अरे!** तुम कब आए।

5. भारत छह ऋतुओं का देश है। वर्षा, ग्रीष्म, शरद, हेमंत, शिशिर तथा वसंत **यहाँ** की ऋतुएँ हैं। जिस तरह वसंत को 'ऋतुओं का राजा' कहा जाता है, उसी तरह वर्षा को 'ऋतुओं की रानी' कहा जाता है। सामान्य रूप से वर्षा **जून** के मध्य से **सितंबर** के अंत तक चलती है। वर्षा ऋतु से **पूर्व** संसार गरमी से तपता रहता है। पशु-पक्षी व्याकुल होते हैं। गरम हवा के कारण पौधों की पत्तियाँ सूख जाती हैं। सूरज की गरम किरणें **जब** धरती को तपाती हैं, तो किसान यही कहते हैं कि **अब** तो वर्षा होनी चाहिए। **धीरे-धीरे** मानसून आता है। आसमान काले-काले बादलों से घिर जाता है एवं वर्षा के लक्षण प्रकट होने लगते हैं। ऐसे सुखद वातावरण में रंग-बिरंगे पंखों वाले मोर का नृत्य देखते ही बनता है।

सोचने की बारी

ध्यानपूर्वक, धीरे, ज़ोर, जल्दी, इधर, उधर, शांतिपूर्वक आदि।

खेलने की बारी

टिंकू शरारती लड़का था। वह झबरे कुत्ते को **हमेशा** छेड़ता रहता था। एक दिन वह **जल्दी-जल्दी** चल रहा था तभी झबरे की नज़र टिंकू पर पड़ी। वह दौड़कर **पीछे** से काटना चाहता था। टिंकू **घबराकर** भागा। उसकी माँ **भीतर** से आई। **सामने** टिंकू की यह दशा देखकर उसे बचाने के लिए बोली–"झबरा बेटे!" इतना कहते ही झबरा खड़ा हो गया। टिंकू बोला, "मैं **अभी-अभी** आ रहा था कि इसने दौड़ा लिया।" माँ ने कहा, "तुम उसे **रोज़** छेड़ते रहोगे तो वह दौड़ाएगा ही। आगे से ऐसी गलती मत करना।"

13. वाक्य

बोलने की बारी

(क) शब्दों का वह समूह जो निश्चित अर्थ प्रकट करता है, 'वाक्य' कहलाता है।

(ख) वाक्य के दो अंग होते हैं–उद्देश्य और विधेय; जैसे–सरला गीत गा रही है। 'सरला' उद्देश्य है क्योंकि यह कर्ता है और इसी के बारे में बात की जा रही है। अत: 'गीत गा रही है' विधेय है।

लिखने की बारी

1. (क) कल बाज़ार बंद रहेगा।
   (ख) मेरे दो भाई हैं।
   (ग) कमल सीढ़ियों से लुढ़क गया।
   (घ) कितना सुंदर गुलाब है।

2.

कर्ता	**कर्म**	**क्रिया**
नानी	कहानी	सुनाओ
भैया	खाना	खाओ
मैंने	आम	खाया
पिता जी	अंगूर	लाए

3.

उद्देश्य	विधेय
(क) अध्यापिका	पढ़ा रही है।
(ख) खरगोश	दौड़ रहा है।
(ग) गाय	घास खा रही है।
(घ) दादा जी	सैर कर रहे हैं।

खेलने की बारी

यह दुकान बहुत सुंदर है।

रंग-बिरंगे गुब्बारे सजाए गए हैं।

लड़का सिर पर टोपी लगाकर केक काट रहा है।

लोग जन्मदिन के अवसर पर आए हैं।

लोग उपहार लेकर आए हैं।

सोचने की बारी

- विद्यार्थी अपने अनुसार उत्तर देंगे।

14. विराम-चिह्न

बोलने की बारी

(क) वाक्य बोलते या लिखते समय विराम प्रकट करने के लिए जिन चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, वे 'विराम-चिह्न' कहलाते हैं।

(ख) विराम चिह्नों के नाम हैं–पूर्ण विराम, अल्पविराम, अर्द्ध विराम, प्रश्नवाचक, विस्मयबोधक, योजक चिह्न, निर्देशक चिह्न।

लिखने की बारी

1. [?] – प्रश्नवाचक – कहाँ जा रहे हो?
   [।] – पूर्ण विराम – समय से आ जाना।
   [,] – अल्प विराम – मिठाई, नमकीन और चाय लाओ।
   [!] – विस्मयबोधक – अरे! तुम कब आए?
   [-] – योजक चिह्न – कमल सुख-दुख में मेरे साथ रहता है।

2. (क) राघव सुबह से पढ़ रहा है। (ख) वाह! कितनी स्वादिष्ट मिठाई है।
(ग) मेज़ पर किताब, कलम, कॉपी रखी हैं। (घ) अरे! तुमने यह क्या किया?
(ङ) दरवाज़ा कौन खटखटा रहा है?

3. (क) आज तुम कहाँ गए थे? (ख) रमेश, राजीव, गणेश अच्छे मित्र हैं।
(ग) आज सुबह से वर्षा हो रही है। (घ) दूध में कुछ गिर गया है?
(ङ) जीवन में सुख-दुख आते-जाते रहते हैं।

सोचने की बारी

नहीं, हमें सभी कार्य बिना रुके और ठहरे लगातार नहीं करने चाहिए। इससे थकान भी हो सकती है और कार्य खराब भी हो सकता है।

खेलने की बारी

एक शेर सो रहा था। नन्हा चूहा उसके ऊपर उछलने लगा। शेर ने उसे मारना चाहा। उसने गलती मानी तो शेर ने उसे छोड़ दिया। एक दिन शेर शिकारी के जाल में फँस गया। वह ज़ोर-ज़ोर से गुर्राने लगा। चूहा आया। उसने जाल काट दिया। शेर और चूहे में दोस्ती हो गई।

15. मुहावरे

बोलने की बारी

(क) जो शब्द-समूह या वाक्यांश अपना सामान्य अर्थ छोड़कर विशेष अर्थ प्रकट करता है, उसे 'मुहावरा' कहते हैं।

(ख) मुहावरों के प्रयोग से भाषा सुंदर, रोचक और प्रभावशाली हो जाती है।

लिखने की बारी

1. (क) मूर्ख (ख) मुकाबला करना (ग) बहुत खुश होना
(घ) भाग्य खुलना (ङ) अपमान करना।

2. (क) टाँग अड़ाना – व्यर्थ दखल देना – नीलेश ने अगर टाँग न अड़ाई होती तो अब तक कार्य पूरा हो गया होता।

(ख) ईद का चाँद होना – बहुत दिनों बाद दिखाई पड़ना – चार महीने बाद जब राम दिखा तो श्याम ने कहा–"भाई, तुम तो ईद के चाँद हो गए हो।"

(ग) अक्ल का दुश्मन – मूर्ख – माधव को समझाना बेकार है, वह तो अक्ल का दुश्मन है।

(घ) आँखों में धूल झोंकना – धोखा देना – तुम कितने भी चालाक क्यों न बन जाओ, मेरी आँखों में धूल नहीं झोंक सकते।

(ङ) दंग रह जाना–बहुत हैरान होना – ताजमहल की सुंदरता देखकर पर्यटक दंग रह जाते हैं।

3. (क) पुलिस को आता देख चोर **नौ दो ग्यारह हो गया**।

(ख) हर बच्चा अपने माता-पिता की **आँखों का तारा होता है**।

(ग) शोर मचाकर बच्चों ने **नाक में दम कर दिया**।

(घ) कक्षा में प्रथम आने पर वह **फूला नहीं समाया**।

(ङ) राजेश को कोई बात पता चलती है, तो वह **ढोल पीटने लगता है**।

(च) काव्या ने रोहन से पुस्तक माँगी, परंतु उसने **अँगूठा दिखा दिया**।

4. पीठ थपथपाना, मुँह में पानी आना, अक्ल का दुश्मन।

सोचने की बारी

- आसमान सिर पर उठाना – शोर मचाना – रागिनी बाज़ार गई तो उसकी बेटी ने रो-रोकर आसमान सिर पर उठा लिया।
- ठोकरें खाना – परेशान होना – जब तक नौकरी नहीं मिल जाती तब तक ठोकरें खाता फिरूँगा और कोई चारा नहीं है।
- छत्तीस का आँकड़ा – घोर विरोध – राघव और नितिन में छत्तीस का आँकड़ा रहता है।

खेलने की बारी

नाक कटना, आँखों का तारा, टाँग अड़ाना।

मूल्यांकन पत्र–3

(अध्याय 10 से 15 तक)

1. (क) जिस शब्द से किसी कार्य के करने या होने का बोध हो, उसे 'क्रिया' कहते हैं।

(ख) काल के तीन भेद हैं–

भूतकाल – मैं बहुत खाता था।

वर्तमान काल – पेड़ पर पक्षी बैठे हैं।

भविष्यत् काल – मैं यह कार्य कल करूँगा।

(ग) बोलते या लिखते समय विराम प्रकट करने वाले चिह्नों को 'विराम-चिह्न' कहते हैं।

(घ) जिन शब्दों में लिंग, वचन, काल, परिवर्तन के कारण कोई बदलाव नहीं होता, उसे 'अविकारी शब्द' कहते हैं।

(ङ) मुहावरों का प्रयोग भाषा को सुंदर, रोचक एवं प्रभावशाली बना देता है।

2. दौड़ना – दौड़ाना | खाना – खिलाना

बैठना – बैठाना | रोना – रुलाना

सोना – सुलाना | पढ़ना – पढ़ाना

3. (क) भविष्यत् काल | (ख) भूतकाल | (ग) वर्तमान काल

(घ) भविष्यत् काल | (ङ) भूतकाल

4. (क) आदविक पिता जी **के साथ** मेला देखने गया।

(ख) बस्ते **के अंदर** मेरी पुस्तकें हैं।

(ग) ऋषभ **और** ओजस आज मेला घूमने जाएँगे।

(घ) निबंध **अथवा** पत्र लिखो।

(ङ) **अरे!** तुम कब आए?

5. (क) तेज़ – रीतिवाचक | (ख) ध्यानपूर्वक – रीतिवाचक

(ग) धीरे-धीरे – रीतिवाचक | (घ) शांतिपूर्वक – रीतिवाचक

(ङ) वहाँ – परिमाणवाचक

6. (क) कल बाज़ार बंद रहेगा। | (ख) मेरे दो भाई हैं।

(ग) कमल सीढ़ियों से लुढ़क गया। | (घ) कितना सुंदर गुलाब है।

7. नाकों चने चबाना – बहुत परेशान करना | किस्मत चमकना – भाग्य खुलना

हवा से बातें करना – बहुत तेज़ दौड़ना | आँखें दिखाना – गुस्सा करना

आसमान सिर पर उठाना – बहुत शोर मचाना।

16. पर्यायवाची शब्द

बोलने की बारी

1. (क) समान अर्थ बताने वाले शब्दों को 'पर्यायवाची शब्द' कहते हैं।

(ख) 'स्कूल' को 'विद्यालय' और 'पाठशाला' के नामों से जाना जाता है।

(ग) विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

लिखने की बारी

1. (क) बादल – घन (पय) जलधर

   (ख) शरीर – (अनिल) तन काया

   (ग) राजा – भूप नृप (भानु)

   (घ) सुबह – सवेरा (उजाला) प्रातः

   (ङ) मित्र – दोस्त साथी (शत्रु)

2. **नदी** – सरिता, तरंगिणी **सूर्य** – भानु, दिवाकर

   गाय – गौ, धेनु **घर** – सदन, निकेतन

3. (क) अर्जुन ने **मछली** की आँख में तीर मारा।

   (ख) गंगा एक पवित्र **नदी** है।

   (ग) **बादल** गरज रहा है।

   (घ) उसके **नेत्र** से आँसू बहने लगे।

   (ङ) **सुबह** होते ही पक्षी चहचहाने लगे।

   (च) अचानक तेज़ **हवा** बहने लगी।

सोचने की बारी

- पुस्तक – किताब, पोथी
- जल – पानी, नीर

खेलने की बारी

घोड़ा – अश्व, तुरंग

पहाड़ – पर्वत, गिरि

साँप – सर्प, भुजंग

आग – पावक, अग्नि

17. विलोम शब्द

बोलने की बारी

1. (क) जो शब्द एक-दूसरे का उलटा या विपरीत अर्थ बताते हैं, उन्हें 'विलोम शब्द' कहते हैं।

   (ख) विलोम शब्द को 'विपरीतार्थक शब्द' के नाम से जाना जाता है।

   (ग) एक × अनेक, ऊपर × नीचे, उपस्थित × अनुपस्थित

लिखने की बारी

1. (क) सफल — (*iv*) असफल
   (ख) सुमति — (*vi*) कुमति
   (ग) हानि — (*i*) लाभ
   (घ) स्वतंत्र — (*v*) परतंत्र
   (ङ) सज्जन — (*ii*) दुर्जन
   (च) देश — (*iii*) विदेश

2. (क) पूरब – पश्चिम ☑ (ख) जय – पराजय ☑
   (ग) शत्रु – मित्र ☑ (घ) धनी – निर्धन ☑
   (ङ) स्वामी – सेवक ☑ (च) पक्ष – विपक्ष ☑

3. भला × बुरा ज्ञानी × अज्ञानी निकट × दूर
   पाप × पुण्य आलस्य × स्फूर्ति आरंभ × अंत
   आदान × प्रदान आकाश × पाताल

4. (क) हमेशा **सच** बोलना चाहिए **झूठ** नहीं।

   (ख) हमें अपने मन से **अपना** और **पराया** का भेद मिटा देना चाहिए।

   (ग) सफल होने के लिए **दिन-रात** मेहनत करनी होती है।

   (घ) **अंधकार** में कुछ नहीं दिखता लेकिन **प्रकाश** में सब दिखने लगता है।

   (ङ) लोगों के कुछ **शत्रु** होते हैं तो कुछ **मित्र**।

सोचने की बारी

हित × अहित स्वतंत्र × परतंत्र नया × पुराना गरम × ठंडा

18. अनेकार्थी शब्द

बोलने की बारी

1. (क) जिन शब्दों के एक से अधिक अर्थ होते हैं, उन्हें 'अनेकार्थी शब्द' कहते हैं।

   (ख) – विमल को परीक्षा में 80 प्रतिशत **अंक** मिले।
   – माँ ने बेटी को **अंक** में भर लिया।
   – हिमालय भारत के **उत्तर** में है।
   – प्रश्नों के सही **उत्तर** लिखने चाहिए।

   (ग) कक्षा परिचर्चा में विद्यार्थी अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करेंगे।

लिखने की बारी

1. काल – समय, मृत्यु
   कुल – समूह, वंश
   पद – कविता का पद, पैर
   रस – आनंद, फल का रस
   गुरु – शिक्षक, बड़ा
   कर – टैक्स, हाथ

2. वार – दिन (विशेष) आक्रमण
   अज – शिव (सवार) ब्रह्मा
   अर्थ – (समय) धन कारण
   भाग – (धन) भागना हिस्सा
   पर – पंख (सूत) परंतु
   दक्षिण – दाहिना (समूह) एक दिशा

3. हार – सैनिक युद्ध में **हार** गए।
   – उसके गले में फूलों का **हार** था।
   हल – किसान **हल** चला रहा था।
   – समस्या को **हल** करना ज़रूरी है।
   बाल – मथुरा में **बाल**-गोपाल खेल रहे थे।
   – उसके सिर के सारे **बाल** झड़ गए।
   लाल – **लाल** गुलाब बहुत सुगंधित है।
   – रेशमा का **लाल** अभी सो रहा है।

सोचने की बारी

- अपने नाम के अर्थ विद्यार्थी अपने माता-पिता एवं शिक्षक से जानेंगे।
- हार का अर्थ है– पराजय एवं फूलों की माला।

खेलने की बारी

(क) अंबर – आकाश, वस्त्र (ख) सूत – धागा, सारथी

(ग) नाग – हाथी, सर्प (घ) सोना – स्वर्ण, सो जाना

19. समरूपी-भिन्नार्थक शब्द

बोलने की बारी

(क) ऐसे शब्द जो बोलने और सुनने में एक समान हों, किंतु उनके अर्थ अलग-अलग हों, उन्हें 'समरूपी-भिन्नार्थक शब्द' कहते हैं।

(ख) समरूपी-भिन्नार्थक शब्द को 'श्रुतिसमभिन्नार्थक शब्द' के नाम से भी जाना जाता है।

(ग) समुद्र में ऊँची-ऊँची **तरंग** उठ रही हैं।

घोड़े को **तुरंग** भी कहते हैं।

लिखने की बारी

1. (क) मोटे **अन्न** स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद होते हैं। (अनाज)

कुछ **अन्य** लोग भी आए थे। (दूसरा)

(ख) पश्चिम **दिशा** लाल हो रही थी। (दिशा)

गरीबी के कारण राघव की **दशा** बहुत खराब है। (स्थिति)

(ग) **दिन** होते ही मज़दूर काम पर जाने लगे। (दिवस)

रवीश तो बहुत **दीन**-हीन हो गया। (गरीब)

2. (क) अनु-अणु → (*iv*) पीछे-कण

(ख) निधन-निर्धन → (*i*) मृत्यु-गरीब

(ग) प्रमाण-प्रणाम → (*ii*) सबूत-नमस्कार

(घ) कपट-कपाट → (*iii*) धोखा-दरवाज़ा

(ङ) मूल-मूल्य → (*v*) जड़-कीमत

3. (क) तुरंग (ख) सूत (ग) कोष

(घ) अचल (ङ) अनल (च) इस्त्री

4. (क) रमेश के घर का **पता** बताओ।

(ख) सुमित की बात सुनकर सब **हँस** पड़े।

(ग) वह उच्च **कुल** में जन्मा है।

(घ) बाढ़ के **पानी** से तालाब भर गया।

(ङ) हमें अपने **सामान** की सुरक्षा स्वयं करनी चाहिए।

(च) यह स्थान खेलने के लिए **उपयुक्त** है।

सोचने की बारी

- पूजा के लिए दक्षिण **दिशा** अच्छी नहीं माना जाती।
- राहुल की **दशा** बहुत खराब है।

खेलने की बारी

गाँव के उत्तर दिशा **में** एक पेड़ था। उस पेड़ पर एक पक्षी ने **नीड़** बनाया। उस **नीड़** में घास-पत्तियों जैसा बहुत-सा सामान लाकर रखा। एक **दिन** वह कहीं गया था। एक काला कौआ उस पेड़ की **ओर** उड़ता-उड़ता आया। चिड़िया के अंडे देखकर उसके मन में खुशी की **तरंग** दौड़ गई। तभी पक्षी वापिस आया **और** कौए को देखकर उदास हो गया।

20. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

बोलने की बारी

(क) अनेक शब्दों के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले एक शब्द को 'अनेक शब्दों के लिए एक शब्द' कहते हैं।

(ख) इस पर कक्षा-परिचर्चा की जाएगी।

(ग) अनेक शब्दों के लिए एक शब्द का प्रयोग वाक्य को छोटा, सुंदर और प्रभावशाली बनाने के लिए किया जाता है।

लिखने की बारी

1. (क) दैनिक (ख) मासिक (ग) मांसाहारी

(घ) आस्तिक (ङ) वक्ता (च) निडर

(छ) ग्रामीण (ज) प्रशंसनीय

2. (क) हमारे माता-पिता **आदरणीय** हैं।

(ख) राधिका एक **मृदुभाषिणी** लड़की है।

(ग) घनश्याम के पिता **किसान** हैं।

(घ) **निम्नलिखित** वाक्यों को ध्यान से पढ़िए।

(ङ) कल हमारे विद्यालय में **वार्षिक** समारोह मनाया गया।

3. वह कपड़ा सिलता है। – वह दरज़ी है।

वह भीख माँगता है। – वह भिखारी है।

वह लोहे के औज़ार बना रहा है। – वह लोहार है।

वह खेतों में काम कर रहा है। – वह किसान है।

सोचने की बारी

वाक्यांश प्रयोग बच्चे स्वयं करेंगे।

खेलने की बारी

(क) प्राचीन (ख) कवि (ग) अनाथ (घ) अमर (ङ) श्रोता (च) कामचोर

(छ) प्रत्यक्ष (ज) दयालु

मूल्यांकन पत्र–4

(अध्याय 16 से 20 तक)

1. (क) समान अर्थ बताने वाले शब्द 'पर्यायवाची शब्द' कहलाते हैं।

(ख) उलटा अर्थ बताने वाले शब्दों को 'विलोम शब्द' कहते हैं।

(ग) जिन शब्दों के एक से अधिक अर्थ होते हैं, उन्हें 'अनेकार्थी शब्द' कहते हैं।

(घ) सुनने और बोलने में समान लगने वाले शब्द 'श्रुतिसमभिन्नार्थक शब्द' कहलाते हैं।

(ङ) अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग करने से भाषा प्रभावशाली होती है और वाक्य छोटे हो जाते हैं।

2. (क) भगवान – (अरि) ईश्वर प्रभु

(ख) आग – (अनिल) अनल अग्नि

(ग) मित्र – दोस्त साथी (शत्रु)

(घ) सुबह – सवेरा (उजाला) प्रातः

(ङ) राजा – भूप नृप (भानु)

3. घोड़ा – अश्व, तुरंग गाय – गौ, धेनु

दूध – पय, क्षीर पत्नी – वामा, अर्धांगिनी

रात – रात्रि, निशा कोयल – पिकबंधु, कोकिल।

4. – हमें मन में अपना-पराया का भाव नहीं रखना चाहिए।

– सूर्य तो प्रतिदिन उदय-अस्त होता है।

– बादलों के कारण कभी अंधकार होता है तो कभी प्रकाश।

– मित्र की मदद करनी चाहिए लेकिन शत्रु से सावधान रहना चाहिए।

– हमें वीर बनना चाहिए, कायर नहीं।

5. हार – पराजय, माला; रस – फलों का रस, आनंद;

कुल – समूह, वंश; पानी – जल, सम्मान;

अंक – संख्या; गोद; अंबर – आकाश, वस्त्र

6. (क) ओर – तरफ़ – राजीव तो तरुण की **ओर** ही बोलता है।

और – तथा – राम **और** रमेश बातें कर रहे थे।

(ख) समान – बराबर – पिता के लिए तो उसकी सभी संतानें **समान** हैं।

सामान – वस्तु – यात्रा में ज़रूरी **सामान** ही रखना चाहिए।

(ग) उपयुक्त – उचित – हमेशा वही करना चाहिए जो **उपयुक्त** हो।

उपर्युक्त – ऊपर कहा गया – **उपर्युक्त** अंश का शीर्षक लिखिए।

(घ) में – भीतर – घर **में** चूहे हैं।

मैं – स्वयं – **मैं** समय से कार्य करता हूँ।

7. जिसे डर न हो – निडर

पुराने ज़माने का – प्राचीन

श्रम करने वाला – श्रमिक

साथ पढ़ने वाला – सहपाठी

खेती करने वाला – कृषक

21. संवाद-लेखन

लिखने की बारी

(क) पिता – तुम्हारी परीक्षा कब से प्रारंभ हो रही है, अमित।

पुत्र – पापा, 26 मार्च से।

पिता – सभी विषयों की तैयारी पूरी हो गई है।

पुत्र – हाँ, हो गई है। गणित में रेखागणित के दो अध्याय अभी बाकी हैं।

पिता – ऐसा करो कुछ दिनों के लिए घूमना-फिरना कम कर दो ताकि जमकर तैयारी कर सको।

पुत्र – हाँ पापा, आप बिलकुल ठीक कह रहे हैं। मैं आज से और मेहनत करनी शुरू कर दूँगा।

पिता – अगर मेहनत करोगे तो अच्छे अंक प्राप्त करोगे।

पुत्र – मुझे अच्छे अंकों के साथ जानकारी भी होनी चाहिए।

पिता – शाबाश! तुम बहुत समझदार हो। अब जाकर अपनी पढ़ाई करो।

(ख) अध्यापिका – रागिनी, गृहकार्य की पुस्तिका ले आओ।

रागिनी – मैम, मैं गृहकार्य नहीं कर सकी।

अध्यापिका – क्यों, गृहकार्य क्यों नहीं किया। यह तो गलत बात है।

रागिनी – मेरी माँ बीमार हो गई थी। घर पर कोई नहीं था।

अध्यापिका – तो क्या तुमने उनकी सेवा की।

रागिनी – हाँ मैम, आज उन्हें कुछ आराम है।

अध्यापिका – अभी बिलकुल ठीक नहीं हैं क्या?

रागिनी – नहीं मैम, अभी भी उन्हें बुखार है।

अध्यापिका – रागिनी, तुम्हें उनके साथ रहना था। कोई बात नहीं, कल गृहकार्य पूरा करने की कोशिश करना।

रागिनी – धन्यवाद, मैम।

(ग) पहली पड़ोसिन – देखो न बहन, लोग कूड़ा इधर-उधर कैसे फेंक देते हैं।

दूसरी पड़ोसिन – सरकार सफ़ाई अभियान चला रही है फिर भी।

पहली पड़ोसिन – लोगों को स्वयं इसका ध्यान रखना चाहिए।

दूसरी पड़ोसिन – सफ़ाई न करें तो गंदगी तो न फैलाएँ। बदबू आती है।

पहली पड़ोसिन – तरह-तरह की बीमारियाँ भी तो बढ़ रही हैं।

दूसरी पड़ोसिन – बरसात में नालियाँ बंद हो जाती हैं।

पहली पड़ोसिन – मच्छर-ही-मच्छर चारों ओर होते हैं।

दूसरी पड़ोसिन – हम सभी को इसका ध्यान रखना होगा।

22. डायरी-लेखन

लिखने की बारी

(क) शुक्रवार

4 जून, 20xx

समय : अपराह्न 2:00 बजे

कल का दिन मेरे लिए विशेष संतोषदायक रहा। कल गरमी भी बहुत थी। सुबह-सुबह जब दादा जी के साथ सैर करके लौट रहा तो रास्ते में एक कमज़ोर कुत्ता दिखा। दादा जी ने मेरे लिए जो बिस्कुट खरीदे थे। मैंने वे बिस्कुट उसे खिला दिए। उसे बिस्कुट खाता देख मुझे बहुत अच्छा लगा।

(ख) रविवार

03 मार्च, 20xx

समय : रात्रि 9:00 बजे

इस समय चारों तरफ़ शांति है। मुझे वह दिन याद आ रहा है, जब मैं कक्षा चार में पढ़ता था। एक दिन मैं अपने साथियों के साथ स्कूल छोड़कर खेलने चला गया। वापस लौटने पर गुरु जी ने बहुत समझाया और यह कहकर मुझे छोड़ दिया कि आज के बाद ऐसा करोगे तो तुम्हारे घर शिकायत करूँगा। तभी से मैंने ऐसा कभी नहीं किया। अब मैं हर काम अच्छा करता हूँ।

23. पत्र-लेखन

लिखने की बारी

1. प्रधानाचार्या
   सरस्वती बाल विद्यालय
   कोटाँव, प्रयागराज
   26.03.20xx
   विषय : दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण अवकाश हेतु
   महोदया

   सविनय निवेदन है कि मुझे 15 दिनों का अवकाश प्रदान करने की कृपा करें क्योंकि मैं परसों अपने भाई के साथ बाज़ार गया था। वापिस लौटते समय सामने से एक मोटरसाइकिल आ रही थी। चालक की लापरवाही के कारण मैं उसकी चपेट में आ गया। पैर की हड्डी में भी चोट आ गई है, जिसके कारण काफ़ी दर्द है। डॉक्टर ने मुझे चलने-फिरने से मना किया है। अत: उक्त अवकाश प्रदान करने की कृपा करें।

   आपका आज्ञाकारी शिष्य
   वेद राठी
   अनुक्रमांक-6
   कक्षा-5-स

2. 220/ए नीलम अपार्टमेंट
   लखनऊ
   26.04.20xx
   प्रिय मित्र हरीश
   मधुर-स्मृति

   हम लोग यहाँ कुशलतापूर्वक रहकर परमपिता से प्रार्थना करते हैं कि आप भी सदैव कुशल रहें। मित्रवर! आज ही परीक्षा परिणाम घोषित हुआ है। मुझे 85 प्रतिशत अंक मिले हैं। लोग मेरी बहुत प्रशंसा कर रहे हैं, परंतु इसका श्रेय मैं आपको देता हूँ, क्योंकि परीक्षा से पहले मैं बीमार था। जब थोड़ा आराम हुआ तो आपने पढ़ाई में मेरी बहुत मदद की। परीक्षोपयोगी प्रश्नों को चिह्नित भी किया। यह सब उसी का प्रतिफल है। आज मैं आपको सहृदय धन्यवाद देता हूँ।

   तुम्हारा मित्र

   विमलेंदु

24. अनुच्छेद-लेखन

लिखने की बारी

(क) **मेरे जीवन का लक्ष्य**–अभी मैं कक्षा पाँच का विद्यार्थी हूँ। मैं बड़ा होकर डॉक्टर बनना चाहता हूँ। मैं चाहता हूँ कि मेरे इस कार्य से लोगों को जीवन मिल सकेगा, वे स्वस्थ रहेंगे और देश प्रगति करेगा। इसके लिए मुझे बहुत पढ़ना होगा। डॉक्टर बनने के लिए तरह-तरह के जीवों के बारे में जानना होगा। उन पर आधारित प्रयोग भी करने होंगे। परंतु मैं यह सब करूँगा क्योंकि सफलता के लिए प्रयोग भी उतना ही ज़रूरी है, जितना कि परीक्षा के लिए पढ़ना।

(ख) **मेरी प्रिय पुस्तक**–कहानियों की पुस्तक 'पंचतंत्र' मेरी सबसे प्रिय पुस्तक है। इसमें कई पृष्ठ हैं, लेकिन जो पुस्तक मेरे पास है उसमें केवल सौ पृष्ठ हैं। इसमें जो कहानियाँ हैं वे जीव-जंतुओं पर आधारित हैं। उनके माध्यम से जीवन के बारे में बताया गया है। ये कहानियाँ ऐसी हैं कि पढ़ते रहने का ही मन करता है, परंतु मुझे अपने स्कूल की किताबें भी पढ़नी पड़ती हैं। यही कारण है कि पंचतंत्र से केवल एक कहानी ही रोज़ पढ़ पाता हूँ।

(ग) **जब मैं कक्षा में प्रथम आया/आई**–जब मैं कक्षा में प्रथम आया तो घर के सभी लोग खुश हो गए। मैं तो खुशी से झूम ही रहा था। पापा ने मिठाइयाँ खरीदीं। पूरे मोहल्ले में मिठाइयाँ बाँटी गईं। माता जी ने मुझे केसर का तिलक लगाकर मिठाई खिलाई। खुशी के मारे उनकी आँखों से आँसू निकल पड़े। मैं भी भावुक हो उठा। मैंने माता जी और पिता जी के चरण स्पर्श किए। उन्होंने मुझे बहुत प्यार किया। शाम के समय भी घर पर पकवान बने। पड़ोसियों को भी आमंत्रित किया गया। सचमुच ही सभी खुश थे। मुझे तो यह सब बहुत अच्छा लग रहा था।

(घ) **मेरी नानी जी**–मेरी नानी जी लगभग पचास वर्ष की हैं। वे शारीरिक रूप से बहुत स्वस्थ हैं। गरमी की छुट्टियों में वे मुझे बुलाती हैं। मम्मी के साथ मैं नानी के घर जाता हूँ। उनके घर के सामने ही आम के बाग हैं। उनमें लगे पेड़ों के फल बहुत मीठे हैं। नानी जी उन फलों को हमें खिलाती हैं। गरमी के कारण आमों को ठंडा करना होता है। इसके लिए पहले उन्हें बालटी-भर पानी में भिगो दिया जाता है, फिर चूसा जाता है। पके आमों की बात ही कुछ और है। मेरा तो बार-बार नानी के घर जाने का मन करता है।

25. अपठित गद्यांश

लिखने की बारी

1. (क) विशाल बंदरगाह इटली के जेनेवा शहर में है।

(ख) लड़का बंदरगाह पर बैठा रहता था।

(ग) लड़का सुबह से शाम तक बंदरगाह पर बैठकर छोटे-बड़े जहाज़ों का आना-जाना देखता रहता था।

(घ) उसने बचपन में भूगोल की विद्या का विशेष अध्ययन किया था।

(ङ) 'सुबह' का विलोम है–'शाम' और 'पूर्व' का विलोम है–'पश्चिम'।

2. (क) शेर हिंसक था और वह पशुओं को खा लेता था।

(ख) खरगोश ने बताया कि रास्ते में दूसरा शेर मिलने के कारण उसे देर हो गई।

(ग) शेर रोज़ एक पशु पाने की बात सुनकर प्रसन्न हो गया।

(घ) शेर अपनी ही परछाईं देखकर उसे दूसरा शेर समझा। उसे मारने के लिए उसने कुएँ में छलाँग लगा दी।

(ङ) 'जंगल' शब्द का पर्यायवाची है–'कानन'।

3. (क) मेढक खाने की तलाश में था।

(ख) मेढक रोटी की तरफ़ दौड़ा।

(ग) चूहे और मेढक दोनों में लड़ाई इसलिए हो गई क्योंकि दोनों ही रोटी को अपना कह रहे थे।

(घ) बकरी ने दोनों को न लड़ने की सलाह दी।

(ङ) 'एक' शब्द का विलोम है–'अनेक'।

4. (क) कछुए के दोस्त हंस थे।

(ख) हंस तालाब के किनारे आकर कछुए को कथा सुनाते थे।

(ग) बरसात न होने के कारण तालाब सूख गया।

(घ) कछुए ने हंसों को लकड़ी के सहारे उसे तालाब से निकालने का उपाय सुझाया।

(ङ) इस गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक हो सकता है–'बातूनी कछुआ'।

5. (क) चारों ब्राह्मण-पुत्र गोमती नगर में रहते थे।

(ख) जो ब्राह्मण शास्त्र नहीं जानता था, वह बुद्धिमान था।

(ग) चारों ब्राह्मण राजा को प्रसन्न करके धनोपार्जन करना चाहते थे।

(घ) तीन ब्राह्मण पुत्रों ने बुद्धिमान भाई को उपार्जित धन में भाग न देने का निश्चय किया।

(ङ) 'राजा' शब्द का पर्यायवाची है–'नरेश'।

मूल्यांकन पत्र-5
(अध्याय 21 से 25 तक)

1. आप – मित्रवर, मुझे लगता है कि मुझसे गलती हो गई। मुझे माफ़ कीजिए।

   मित्र – गलती तो मुझसे हुई कि मैंने आपको मित्र समझा।

   आप – शर्मिंदा मत करो। मैं सचमुच ही बहुत दुखी हूँ।

   मित्र – कोई बात नहीं। आपने बहुत बुरा व्यवहार किया, लेकिन क्या करूँ?

   आप – मुझे क्षमा कर दीजिए। अब कटु नहीं बोलूँगा।

   मित्र – ठीक है। मैं तुम्हें क्षमा करता हूँ।

   आप – धन्यवाद मित्र।

2. **वार्षिक परीक्षा का आखिरी दिन–** आज परीक्षा का आखिरी दिन था। सुबह से मन उत्सुक था कि परीक्षा के बाद शाम को मित्रों के साथ विद्यालय के मैदान में खेलूँगा। मैंने वैसा ही किया। परीक्षा समाप्त होने पर हम लोग शाम के समय मैदान में पहुँचे। हमारी संख्या लगभग 15 लड़कों की थी। सभी ने खेलना शुरू किया। पूरा शरीर पसीने से भीग गया। धीरे-धीरे शाम होने लगी। हम अपने घरों की तरफ़ लौट गए। परिवार के लोगों के साथ खाना खाया। उस दिन मैं बहुत खुश था।

3. 48-सी
   संगमपुर, गीता नगर, भोपाल
   25.4.20xx

   प्रिय मित्र सुधांशु

   मधुर-स्मृति

   मैं यहाँ पर कुशलतापूर्वक रहकर आपकी कुशलता के लिए ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ। मित्रवर, यह जानकर बहुत हर्ष हो रहा है कि अगले सप्ताह तुम्हारा जन्मदिन है। मैं तो परीक्षा के कारण आपके पास आने में असमर्थ हूँ, परंतु आपको बधाई भेजता हूँ। मुझे आपकी रुचि का भी पता है। परीक्षा के बाद मैं आपसे मिलने अवश्य आऊँगा और आपके लिए उपहार भी लाऊँगा। आप अपना ध्यान रखना। आपसे बहुत सारी बातें करनी हैं। जब हम मिलेंगे तो खूब बातें करेंगे।

   आपका मित्र
   सलिल रंजन

4. (क) विद्यार्थी काल में विद्यार्थी के लिए परिपक्वता की कल्पना करना माता-पिता के लिए भ्रामक है।

(ख) अहं और क्रोध को दबाना अत्यंत कठिन और महानतम प्रक्रिया है क्योंकि ये स्वाभाविक प्रक्रियाएँ हैं।

(ग) विद्यार्थियों के लिए शिक्षक/शिक्षिका के नाम रखना हेय और त्याज्य है।

(घ) माता × पिता, अध्यापक × अध्यापिका, शिक्षक × शिक्षिका, कबूतर × कबूतरी।

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उचित शीर्षक है–'कर्तव्य की भावना'।

कार्य-प्रपत्र–1

1. चीन – चीनी/मंडारिन फ्रांस – फ्रेंच रूस – रूसी
   भारत -हिंदी इंग्लैंड – अंग्रेज़ी जापान – जापानी
2. ज्ञानी – ज् + ञ् + आ + न् + ई
   प्रगति – प् + र् + अ + ग् + अ + त् + इ
   अंगूर – अं + ग् + ऊ + र् + अ
   कृष्ण – क् + ऋ + ष् + ण् + अ
   त्रिकोण – त् + र् + इ + क् + ओ + ण् + अ
3. (क) हिमालय – व्यक्तिवाचक संज्ञा, पर्वत – जातिवाचक संज्ञा
   (ख) गंगा – व्यक्तिवाचक संज्ञा, नदी – जातिवाचक संज्ञा
   (ग) राहुल – व्यक्तिवाचक संज्ञा, चालाकी – भाववाचक संज्ञा
   (घ) स्मिता – व्यक्तिवाचक संज्ञा, लिखाई – भाववाचक संज्ञा
   (ङ) बच्चा – जातिवाचक संज्ञा, हँसी – भाववाचक संज्ञा
4. भाई – बहन सम्राट – सम्राज्ञी पुरुष – स्त्री
   राजा – रानी वर – वधू विद्वान – विदुषी
5. (क) कबूतर उड़ रहे हैं।
   (ख) पंखे चल रहे हैं।
   (ग) अध्यापिकाएँ पढ़ा रही हैं।
   (घ) दादी ने कहानियाँ सुनाईं।
   (ङ) माँ ने मालाएँ खरीदीं।

6.

लिखित

लिखित

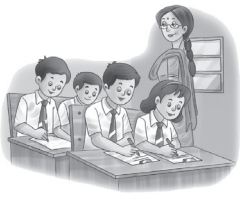
लिखित

मौखिक

लिखित

मौखिक

7.

	उद्देश्य	विधेय
(क)	अध्यापिका	पढ़ा रही हैं।
(ख)	खरगोश	दौड़ रहा है।
(ग)	गाय	घास खा रही है।
(घ)	दादा जी	सैर कर रहे हैं।
(ङ)	बादल	गरज रहे हैं।

8. (क) आज तुम कहाँ गए थे?

(ख) रमेश, राजीव, गणेश अच्छे मित्र हैं।

(ग) आज सुबह से वर्षा हो रही है।

(घ) दूध में कुछ गिर गया है।

(ङ) जीवन में सुख-दुख, आते-जाते रहते हैं।

कार्य-प्रपत्र–2

1. (क) यह राकेश **का** घर है।

(ख) माधव **ने** खाना खा लिया।

(ग) अमर **के लिए** दवाई लाओ।

(घ) भिखारी **को** भोजन दो।

(ङ) मैंने पेंसिल **से** चित्र बनाया।

2. (क) मैं – पुरुषवाचक सर्वनाम

(ख) आप – पुरुषवाचक सर्वनाम

(ग) खुद – निजवाचक सर्वनाम

(घ) जो, सो – संबंधवाचक सर्वनाम

(ङ) कुछ – अनिश्चयवाचक सर्वनाम

3. (क) उस **ऊँचे** पर्वत को देखो।

(ख) मैंने **साफ़** नदी से जल लिया।

(ग) हमारे झंडे में **तीन** रंग हैं।

(घ) वह **बड़ी** बहन है।

(ङ) उस **छोटे** बच्चे को बुलाओ।

4. (क) मेहनत से पढ़ना चाहिए।

(ख) वह कहानी लिख रहा था।

(ग) जाओ, कमरे में सो जाओ।

(घ) अधिक नहीं सोना चाहिए।

(ङ) हँसना स्वास्थ्य के लिए अच्छा है।

5. भूतकाल – शांतनु उपवन में गया था।

वर्तमान काल – राधिका गीत गा रही है।

भविष्यत् काल – मेहुल शरारत करेगा।

6. (क) मैं बहुत **प्यासा** हूँ।

(ख) इस इमारत की काफ़ी **ऊँचाई** है।

(ग) खिलौना टूटने पर रवि की **रुलाई** छूट गई।

(घ) महक **बचपन** में बहुत नटखट थी।

(ङ) कमरे की **सजावट** बहुत अच्छी है।

7. (क) **छात्रा** कक्षा में आई।

(ख) **लड़की** पुस्तक पढ़ रही है।

(ग) **मालिन** फूल तोड़ रही है।

(घ) **बंदरिया** नाच रही है।

(ङ) **चुहिया** कपड़ा कुतर गई।

8. – सौम्या धीरे-धीरे चल रही थी।
   – घोड़ा तेज़ दौड़ता है।
   – मेरा कार्य लगभग पूरा हो गया।
   – सामान अंदर रखा है।
   – सरस हमेशा डाँटता रहता है।

कार्य-प्रपत्र–3

1. – रमेश इस कागज़ का संदेश नहीं समझेगा। उसके लिए तो काला अक्षर भैंस बराबर है।
   – हिम्मत न हारने वाले सफल हो ही जाते हैं।
   – नशेड़ी आदमी ने लोगों को नाकों चने चबवा दिए।
   – ताजमहल को देखकर पर्यटक दंग रह जाते हैं।

2.

नीरद
जलद

नेत्र
नयन

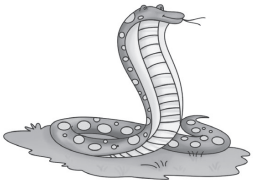

सर्प
अही

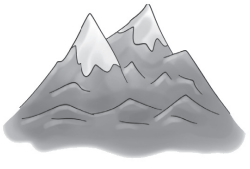

अचल
पहाड़

उद्यान
उपवन

तरु
वृक्ष

3. सहारा – बेसहारा
   आलस्य – स्फूर्ति
   ज्ञानी – अज्ञानी
   कोमल – कठोर
   सरदी – गरमी
   अपना – पराया
   पाप – पुण्य
   आकाश – धरती

4. (क) साप्ताहिक (ख) पाक्षिक

(ग) त्रैमासिक (घ) वार्षिक

5. रविवार

01.04.20xx

समय : रात्रि 9:00

आज मेरा जन्मदिन है। सुबह से ही लोग बधाइयाँ दे रहे हैं। लोग फ़ोन भी कर रहे हैं। मेरे दोस्त आए थे। सभी लोग उपहार भी लाए थे। तरह-तरह के व्यंजन बने थे। सभी ने खूब मौज की। खाना खाने के बाद सब चले गए। अब रात के 9.00 बज चुके हैं। मुझे भी थकान महसूस हो रही है। अब मैं भी सोने जा रहा हूँ।

6. आप – मित्रवर, मुझे लगता है कि मुझसे गलती हो गई। मुझे माफ़ कीजिए।

मित्र – गलती तो मुझसे हुई कि मैंने आपको मित्र समझा।

आप – शर्मिंदा मत करो। मैं सचमुच ही बहुत दुखी हूँ।

मित्र – कोई बात नहीं। आपने बहुत बुरा व्यवहार किया, लेकिन क्या करूँ?

आप – मुझे क्षमा कर दीजिए। अब कटु नहीं बोलूँगा।

मित्र – ठीक है। मैं तुम्हें क्षमा करता हूँ।

आप – धन्यवाद मित्र।

7. **वार्षिक परीक्षा का आखिरी दिन–** आज परीक्षा का आखिरी दिन था। सुबह से मन उत्सुक था कि परीक्षा के बाद शाम को मित्रों के साथ विद्यालय के मैदान में खेलूँगा। मैंने वैसा ही किया। परीक्षा समाप्त होने पर हम लोग शाम के समय मैदान में पहुँचे। हमारी संख्या लगभग 15 लड़कों की थी। सभी ने खेलना शुरू किया। पूरा शरीर पसीने से भीग गया। धीरे-धीरे शाम होने लगी। हम अपने-अपने घरों की तरफ़ लौट गए। परिवार के लोगों के साथ खाना खाया। उस दिन मैं बहुत खुश था।

कार्य-प्रपत्र–4

1. 12-ए, रस्तोगी कॉलोनी
नवाद, भावरपुर
सिक्किम
14 जुलाई, 20xx

प्रिय भैया

सादर प्रणाम

मैं यहाँ कुशलतापूर्वक रहकर आशा करता हूँ कि आप भी सकुशल होंगे। आपको सूचित करते हुए बहुत हर्ष हो रहा है कि पिछले महीने हमारी परीक्षा संपन्न हुई थी। आज उसका परीक्षा परिणाम घोषित हुआ। अपनी कक्षा में मुझे प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। सभी विषयों में संतोषजनक अंक मिले हैं। हिंदी और विज्ञान विषय में तो 95 प्रतिशत अंक मिले हैं। अब मैं और अधिक परिश्रम करूँगा ताकि भविष्य में भी ऐसी ही सफलता मिलती रहे।

आपका अनुज
संजय तोगड़िया

2. **मेरे विद्यालय का मेला–** मेरे विद्यालय में वार्षिक मेला लगता है। इस वर्ष नवंबर के महीने में मेला लगा। इस मेले का आयोजन रविवार के दिन किया गया ताकि अधिक-से-अधिक लोग मेले में आ सकें। दिन के समय खेल का आयोजन किया गया। पहले क्रिकेट खेला गया, फिर कबड्डी का खेल हुआ। कुश्ती प्रदर्शन का आयोजन तो सूर्योदय के दो घंटे बाद ही समाप्त हो गया था। शाम को मेला लगा। मिठाइयाँ, खिलौने, फल खरीदने वालों की भारी भीड़ उमड़ रही थी। मैंने भी कुछ सामान खरीदा और और खुशी-खुशी घर लौट आया।

3. नलिन – पंकज, इस साल गरमी में हम शिमला चलेंगे।

   पंकज – मित्र, वह तो ठीक है, लेकिन मुझे तो वहाँ के बारे में कुछ पता ही नहीं।

   नलिन – गूगल से पता कर लेंगे।

   पंकज – गूगल से, कितनी अजीब बात है। दादा जी से क्यों नहीं पूछते?

   नलिन – अरे हाँ, दादा जी ने तो कई साल तक वहाँ नौकरी भी की है।

   पंकज – उनको भी साथ ले चलेंगे।

   नलिन – यह अच्छा रहेगा।

   पंकज – आज बात कर लेना। हम लोग साथ चलेंगे।

   नलिन – हाँ, ठीक है।

4. (क) श्रीकृष्ण और सुदामा में यह अंतर था कि श्रीकृष्ण राजा के लड़के थे और सुदामा गरीब ब्राह्मण थे।

   (ख) गुरु ने दोनों को जंगल में लकड़ी लाने भेजा।

   (ग) दोनों घर इसलिए वापस नहीं आ सके क्योंकि रात हो गई और पानी बरसने लगा।

   (घ) सुदामा सोच रहा था कि यदि कृष्ण को चने दूँगा तो मेरे लिए चने कम पड़ जाएँगे।

   (ङ) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक हो सकता है–'चालाक सुदामा'।

Notes